

# असाधारण EXTRAORDINARY

HM II—NUN 3—NUN-NUN (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

**सं∘** 66]

नई विस्ली, रविवार, ५७७३री 28, 1982/फाल्गुन 9, 1903

No. 661

NEW DELHI, SUNDAY, FEBRUARY 28, 1982/PHALGUNA 9, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ट संस्था को जाती है जिससे कि यह जलग संकलन के कप में रखा का सर्के Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

विस मंत्रालय

(राजस्य विशास)

#### प्रधिस्चन एं

(स॰ 23/82-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क) नर्ष विरुली, 28 फरवरी, 1982

साठ काठ निः 82(म) — केन्द्रीय संकार, बित्त प्रधिनियम, 1981 (1981 या 16) की धारा 49 की उपधारा (4) के साथ पठिन केन्द्रीय उत्पाद मुस्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) हारा अवन्त मस्कियों का प्रयोग करने मुण, केन्द्रीय उत्पाद-मुस्क और नमक प्रधिनियम. 1944 (1944 का 1) भी पहली समुसूबी में बिणत सभी माल को पूर्वोक्त धारा की उपधारा (1) के अधीन उस पर उद्यहणीय समस्त विभोप उत्पाद-मुल्य से, 28 फरवरी, 1982 को प्रारम्भ होने वाली श्रीर 31 मार्च, 1982 को समाप्त होने वाली श्रवध के लिए छुट वेटी

# MINISTRY OF FINANCE (Department of Revenue) NOTIFICATIONS

(No. 23/82-CENTRAL EXCISES)

New Delhi, the 28th February, 1982

G.S.R. 82(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (4) of section 49 of the Finance Act, 1981 (16 of

1981), the Central Government hereby exempts all the goods mentioned in the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the special duty of excise leviable thereon under sub-section (1) of the said section for the period commencing on the 28th day of February, 1982, and ending on the 31st day of March, 1982.

#### (सं० 24/82-केम्डीय उत्पाद-शुल्क)

सा० का० कि० 83(का):—केन्द्रीय सरकार, विल विधेयक, 1982 के खंड 50 के उपखंड (4), जो खंड अमंतिम कर संग्रहण अधिनियम, 1931 (1931 का 16) के अभेन उक्स विधेयक में की गई घोषणा के अधार पर विधि का बल रखता है, के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदस्त गक्तिमें का अथोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूत्री की मद सं० 6, 7, 8, 9, 11कक (1), 11छ, 13, 23(1), 38 और 68 के अन्तर्गत आने वाले माल की, उक्त खंड के उपखंड (1) के अधीन उम पर उद्युहणीय समस्त विभीण उत्पाद-शुल्क से छुट वेती है।

#### (No. 24/82-CENTRAL EXCISES)

G.S.R 83(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-clause (4) of clause 50 of the Finance Bill, 1982, which clause has, by virtue of the declaration made in the said Bill under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931), the force of law, the Central Government hereby exempts all the good

(183)

1378 GT/81

falling under Item Nos. 6, 7, 8, 9, 11AA(1), 11E, 13, 23(1), 38 and 68 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the special duty of excise leviable thereon under sub-clause (1) of the said clause.

# (सं० 25/82-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क)

साठ काठ निरु 84 (क्र) .--केन्द्रीय सरकार, वित्त विधेयक. 1982 के खंड 50 के उपखंड (4) जो खंड घनंतिम कर संग्रहण प्रधिनियम 1931 (1931 का 16) के अधीन उक्त विद्येषक में की गई घोषणा के ब्राह्मर पर विधि का बल रखता है, के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-मान्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रवक्त शक्तिमों का अयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद शुरूक और नमक अधिनियम, 1941 (1944 का 1) की पहली प्रतस्ति की मदसं ।, 1क, 1ख, 1ग, 1朝, 1野, 2(2), 4 田(1), 4 田(3) 4 田(4), 4 田(5). 4 II(6), 4 II(7), 10, 11, 11年(1), 11年(2), 11年(3), 11年(4) 11年年(2), 12, 14, 14年, 14年年, 14年年, 14種, 14種類, १ 4ग, १ 4घ, १ 4घघ, १ १७, १ ४घ, १ ४घच, १ ४४, १ ४ज, १ ४ज, १ ६ 1.5年, 1.5年年 1.5福德, 1.5年, 1.5年, 1.6年, \*1.6年 1.7, 2.2年, 2.2至, 22世, 23年, 23頃, 23頁, 28年, 29, 29年, 30, 30年, 30頃, 31, 3.4年、3.6、3.7年、3.7年、3.7年、3.7年、3.7年、3.7年、4.0、4.4、 45, 46, 47, 18, 49, 50, 51, 51%, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66 और 67 के अन्तर्गत आने वाले माल की, उक्त खंड के उपखंड (1) के अधीन उस पर उद्-प्रहणीय अतमे विशेष उत्पाव शुरूक से छुट देती है जिनना इस प्रकार प्रभार्य उत्पाद-शुरूक के सम्बन्ध में केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी की गई किसी ग्रधिसूचना के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क भीर तमक ग्रधिनियम, 1944 (1941 का 1) के अधीन ऐसे मार्ल पेर प्रभाव उत्पाद-गरक की रकम के पांच प्रतिणत से ग्रंधिक है

## (No. 25/82-CENTRAL EXCISES)

G.S.R. 84(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-clause (4) of clause 50 of the Finance Bill, 1982, which clause has, by virtue of the declaration made in the said Bill under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931), the force of law, the Central Government hereby exempts goods falling under Item Nos. 1, 1A, 1B, 1C, 1D, 1E, 2(2), 4II(1), 4II(3), 4II(4), 4II(5), 4II(6), 4II(7), 10, 11, 11A(1), 11A(2), 11A(3), 11A(4), 11AA(2), 12, 14, 14A, 14AA, 14B, 14BB, 14C, 14D, 14DD, 14E, 14F, 14FF, 14G, 14H, 14HH, 15, 15A, 15AA, 15BB, 15CC, 15D, 16A, 16B, 17, 22C, 22E, 22G, 23A, 23B, 23C, 28A, 29, 29A, 30, 30A, 30B, 31, 32, 33, 33A, 33B, 33C, 33D, 33DD, 33E, 33F, 34, 34A, 34B, 36, 37A, 37AA, 37B, 37BB. 37C, 37CC, 40, 44 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 51A, 52, 53, 54, 55. 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66 and 67 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the special excise duly leviable thereon under subclause(1) of the said clause as is in excess of five per cent, of the amount of duty of excise chargeable on such goods under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), read with any notification issued by the Central Government in relation to the duty of excise so chargeable.

#### (मं० 26/82-केन्द्रीयं उत्पाद-मल्क)

मा० का॰ सि० 85(म्र) --केन्डीय सरकार, विल विधेयक, 1982 के खंड 50 वो खंड मनितम कर संयहण मधिनियम, 1931 (1931 का 16) के मधीन उक्त विधेयक में की गई दीवणा के भाधार पर विश्विक का बल रखना है, के साथ पटित केन्डीय उत्पाद-गुल्क नियम, 1914 के नियम 12 मीर 12क हारा प्रदत्त गिलमों का प्रयोग करते हुए, यह

निदेश देनी है कि जहां कोई माल पृष्ठोंका खंड के प्रष्टीत विशेष उत्पाद गूल्क के घंडीन किया गया है धौर जहां ऐसे माल का भारत के बाहर किसी वेश मा राज्यक्षेत्र को जो नेपाल घौर भुटान में किश्र हों, तियाँन करने पर, यथान्धित, केखीय सरकार के उक्क नियम 12 या नियम 12 क के घंडीन किसी अधिस्त्रना द्वारा या केन्द्रीय उत्पाद-शृत्क भौर सीमा गुल्क होई ने केन्द्रीय उत्पाद-शृत्क नियम, 1944 के नियम 191 के श्रधीन घोषणा धारा, केन्द्रीय उत्पाद-शृत्क कौर समक अधिनियम 191 के श्रधीन घोषणा धारा, केन्द्रीय उत्पाद-शृत्क और समक अधिनियम 1944 (1944 का 1) के श्रधीन ऐसे माल पर दिए गए उत्पाद-शृत्क पर कोई निश्रेट दिए जाने वी श्रमुंका दी है. वहां विश्रेप उत्पाद गुल्क का स्थिट भी उन्हीं शर्तों के श्रधीन अनुकात किया जाएगा जो शर्ने उत्पाद-शृत्क के रिबेट की लागू है।

# (No. 26/82-CENTRAL EXCISES)

G.S.R. 85(E).—In exercise of the powers conferred by rules 12 and 12A of the Central Excise Rules, 1944, read with clause 50 of the Finance Bill, 1982, which clause has, by virture of the declaration made in the said Bill under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931), the force of law, the Central Government hereby directs that where any goods have been subjected to a special duty of excise under the aforesaid clause and where on the export of such goods to any country or territory outside India, other than Nepal and Bhutan, the Central Government, by a notification under the said rule 12 or rule 12A, or the Central Board of Excise and Customs, by a declaration under rule 191A of the Central Excise Rules, 1944, as the case may be, has allowed a rebate of excise duty paid on such goods under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), a rebate of the special duty of excise shall also be allowed subject to the same conditions as govern the rebate of excise duty.

# (मं० 27/82-केन्द्रे य उत्पाद-म्लक)

सांक्यां नि ० 86 (म). -- केन्द्रीय सरकार, विस्ति विशेषक, 1982 के खंच 50 भी खंड अनिम कर संग्रहण धिमित्यम, 1931 (1931 का 16) के ग्रंथीन उक्त विशेषक में की गई घोषणा के प्राधार पर विधि का बल खबता है, के साथ पठिस केन्द्रीय उस्पात-मूलक नियम, 1944 के नियम 191-ख द्वारा प्रदेश मान्य प्रकार का प्रयोग करने हुए, यह निश्च बेली है कि जहां कोई मान पूर्वोक्त खंड के प्रधीन विशेष उत्पाद-मूलक दिए जाने के दायित्वाधीन है भीर जहां केन्द्रीय सरकार ने उक्त नियम 191-ख के प्रधीन जारी की गयी ग्रंथिसूचना कार्य ऐसे मान से विनिर्दाट कस्तुओं के बंधियताधीन विनिर्माण की ग्रंथिसूचना कार्य ऐसे मान से विनिर्दाट कस्तुओं के बंधियताधीन विनिर्माण की ग्रंथिसूचना कार्य है, यहां ऐसे मान से ऐसी यस्तुओं का विध्यताधीन विनिर्माण की ग्रंथिस प्रवास खंड के प्रयोजनों का लिए उत्हीं णातों के अर्थन अनुशैस होगा भी पूर्योक्त खंड के प्रयोजनों का लिए उत्हीं णातों के अर्थन अनुशैस होगा भी पूर्योक्त खंड के प्रयोजनों का लिए उत्हीं प्रतों के अर्थन अनुशैस होगा भी पूर्योक्त खंड के प्रयोजनों का लिए उत्हीं प्रतिमिण्य को लिए उत्हीं प्रतिमिण्य को लिए उत्हीं

#### (No. 27/82-CENTRAL EXCISES)

GSR 86(E).—In exercise of the powers conferred by rule 191B of the Central Excise Rules, 1944, read with clause 50 of the Finance Bill, 1982, which clause has, by virtue of the declaration made in the said Bill under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931), the force of law, the Central Government hereby directs that where any goods are liable to special duty of excise under the aforesaid clause and where the Central Government has by a notification issued under the said rule 191B, permitted the manufacture of specified articles in bond from such goods, manufacture of such articles, in bond from such goods shall also be permissible for the purpose of the aforesaid clause subject to the same conditions as govern such manufacture under the said rule 191B.

# (मं० 28/82-केन्द्रीय उत्पाद-गुल्न)

सा०का०कि० 87 (म्र).— केन्द्रीय सरकार, जिल्ल प्रिधिनियम, 1981 (1981 का 16) की धारा 40 की उपधारा (4) के माथ पठिन केन्द्रीय उत्पाद-शुरूक नियम, 1944 के नियम ८ के उप-नियम (1) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के जिल्ला मंद्रालय (राजस्व विभाग) की निम्नलिखिन श्रिधिमुखनाओं की जिल्लाण्डन करनी है. श्रर्थात:—

- 1. 116/81-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, नाराख 12 मई, 1981
- 117/81-केन्द्रीय उत्पाद-मृत्क नारीख़ 12 मई, 1981
- 3. 118/81-कर्न्द्राय उत्पाद-शुल्क, नार्राख, 12 मई, 1981
- 4 119/81-केर्न्डाय प्रत्याद-गरुक, तारीख 12 मई, 1981

#### (No. 28/82-CENTRAL EXCISES)

G.S.R. 87 (E):—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (4) of section 49 of the Finance Act, 1981 (16 of 1981), the Central Government hereby rescinds the following notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), namely:—

- 1. 116/81-Central Excises, dated the 12th May, 1981.
- 2. 117/81-Central Excises, dated the 12th May, 1981.
- 3. 118/81-Central Excises, dated the 12th May, 1981.
- 4. 119/81-Central Excises, dated the 12th May, 1981.

# (स० 24/82-कान्द्रीय उत्पाद-मृत्या)

सा०का,०नि० 88(भ्र) ---केन्द्रीय सरकार, वित्त विधेयक, 1982 के खंड 50 के उपखंड (4), जो खंड भ्रोतिम कर संग्रहण अधिनियम, 1931 (1931का 16) के ध्रधीन उक्त विधेयक में की गई शोषणा के ध्राधार पर विधि का बल रखना है, के साथ पटित केन्द्रीय उत्पाद-शृक्क मियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) हारा प्रदत्त णिकामों का प्रयोग करने हुए---

- (1) बार्बन कण्जल के बिनिर्माण में भीधोगिक कीड स्टाक के रूप में प्रयोग के लिए प्राणियत मीं श्रीरण्यंत (फीनाल निष्कर्ष) '500' भीर '1300' की, चाहे वह केखीय उत्पाद-शुल्क भीर नमक क्रिधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली भ्रमुखी की मद मंठ 9 या मद मंठ 10 या मद गंठ 11 का के भ्रमुखी की मद मंठ 9 या मद मंठ 10 या मद गंठ 11 का के
- (१) कार्वन करजल के विनिर्माण में कार्बन करजल फीट स्टाक एक एक निर्माण के कार्बन करजल फीट स्टाक एक एल को, खाहे वह केन्द्रीय उत्पाद-गुल्ब और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं० ६ या मद रा० 10 के अन्तरीत आता है,

जनम निक्त विधेयक के खंड 50 के उपखंड (1) के अधीन उस पर उद्-ग्रहणीय समस्त विशेष उत्पाद-मृत्क में छट देती हैं।

जितेन्द्र बज्रा, अवर सचिव

#### (No. 29/82-CENTRAL EXCISES)

G.S.R. 88 (E).—In exercise of the powers conferred by subrule(1) of rule 8 of the Central Excises, 1944, read with subclause (4) of clause 50 of the Finance Bill, 1982, which clause has by virtue of the declaration made in the said Bill under the Provisional Collection of Taxes, Act. 1931 (16 of 1931), the force of law, the Central Government hereby exempts:

(i) C.B.F. (Phenol Extract) '500' and '1300', whether it falls under Item No. 9 or item No. 10 or Item No. 11A of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944(1 of 1944), intended for use as industrial feed stock in the manufacture of carbon black; and (ii) Carbon Black Feed Stock No. 72 and Burmah-Shell Cabon Black Feed Stock SL, whether it falls under Item No. 9 or Item No. 10 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), intended for use as industrial feed stock in the manufacture of carbon black.

from the whole of the special duty of excise leviable thereon under sub-clause(1) of clause 50 of the said Finance Bill.

I.K. BATRA, Under Secy.

# (सं० 30/8#-केर्न्द्रंथ उत्पाद-शृल्क)

सावकाविक 89(अ) — केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शृहकः नियम, 1941 के नियम 8 क उप-वियम (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद शृह्य श्रीर नमक श्रीश्रेनियम. 1944 (1944 का 1) की पहारी अनुसूची की सद संव 1ख क श्रीरीत श्राम बाले श्रीर इससे उपावक अनुसूची में विनिद्दित शर्वन के नैयार श्रीर परिरक्षित कालो की उत्पाद-शृह्य से इट देनी है जो शृह्य के 10 प्रतिश्व में श्रीष्ट्र हो अधिक है।

#### प्रमुख्यी

- 1. श्रांशम्यक वस्तु राधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 के श्रधीन केलीय सरकार द्वारा जारी किए गए, फल उत्पाद श्रादेण, 1955 की दिलीय श्रनुमुखी की भाग 5 के श्रधीन विकिदित श्रीनव्यन्य या रिक्था-श्रन्य फल (बहु फल से भिन्न)।
- 2 धालप्यक अस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 क अधिन केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गण फल, क्रयाद अन्द्रेण, 1955 की हिनीय अनुसूची के भाग 5 के अधीन विसिधाट ओललबन्द या दिखान्द्र सन्ध्री ।
- भौसा, जैस-ग्रम श्रीर बेगे ही।
- जैस, पल, जैली, मार्मलैंग्ड, फल-पूरी और फल-पिट्टी, तो पकाई गई निमित्त हो, चाहे उसमें मिलाई गई फीसी, टमाटर-परी और टमाटर-पिट्टी हो बा ते हो।
- 5 फल सिरप, कण, स्थागण, काडिशल, फल-रम, ग्राम मकराद, कल-रम सीन्त्र, पलन्तुदा, मान्द्र सब्जी-रम, श्रदरण काक्टेल, धदरक नियर, श्रदरण गुरा, कृष्ट्रिम सिरप और लर्थन, नचा प्रशेमने के थिए संयार पथ (इसमें वातित जल नक्ष्र हैं)।
- त- निर्जलीकृत सरक, निर्जितिकृत सक्रिक्ति।

#### बी॰ लक्ष्मी कुमारन, अवर मिषव (No. 30/82-CENTRAL EXCISES)

G.S.R. 89 (E):—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts prepared or preserved foods of the description specified in the Schedule annexed hereto, and falling under Item No. 1B of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of ten per cent.

#### THE SCHEDULE

- (1) Bottled or canned fruits (other than nuts), specified under Part V of the Second Schedule to the Fruit products Order, 1955, issued by the Central Government under section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955).
- (2) Bottled or canned vegetables specified under Part V of the Second Schedule to the Fruit Products Order, 1955, issued by the Central Government under section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955).
  - (3) Sauces Ketchup and the like.

- (4) Jams, fruit jellies, marmalades, fruit puree and fruit pastes, being cooked preparations, whether or not containing added sugar, tomato puree and tomato paste.
- (5) Fruit syrups, crushes, squashes, cordials, fruit juice, mango nectar, fruit juice concentrate, fruit pulp concentrate, vegetable juice, ginger cocktail, ginger beer, ginger ale, synthetic syrups and sharbats and ready-to-serve beverages (but excluding aerated waters).
- (6) Dehydrated peas, dehydrated vegetables.V. LAKSHMI KUMARAN, Under Secy.

# (सं० 31/82-केन्द्रीय उत्पाद-श्रूकः)

सा० का० थि० 90(आ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदल्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली प्रानुमूची की मद मं० 1 घ के अंतर्गत आने याले बातित जल को, जिसकी निकासी किसी विनिर्माता द्वारा या उसकी और से एक या अधिन कारखानों से किसी वित्तीय वर्ष में 1 अप्रैल की या उसके पण्यात् धरेलू उपभोग के लिए की जाती है,——

- (क) साढ़े सात लाख रुपये से प्रमधिक के कुल मूल्य तक वातित जल की प्रथम निकासी की दणा में, उस पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शल्क से; बौर
- (ख) खंड (क) में विनिधिष्ट मूल्य की उत्त प्रथम निकासी की टीक अगली निकासी की देशा में (जो साढ़े सान लाख रुपण में अनिधिक के कुल मूल्य के बातित जल की निकासी है) किन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) के अधीन जारी की गई और सत्समय प्रवृत्त किसी अन्य प्रधिम् सूचना के साथ पठित] उन्हामद के प्रधीन उस पर उद्भहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से जिनना ऐसे शुल्क के पचहन्तर प्रतिशत में प्रधिक है,

#### ्ट देती हैं

परन्तु एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा या उनकी श्रोर से किसी कारखाने से वातित जल की निकासी का कुल मूल्य---

- (i) इस पैरा के खंड (क्ष) के धनुसार शुल्क की धून्य दर पर,या
- (ii) इस पैरा के खंड (आ) के अनुसार शुल्क की घटी दर पर. वोनों ही दशाओं में किसी विसीय वर्ष में साके सान लाख भाग से प्रधिक नहीं होगा ।
- 2. इस प्रधिसूचना की कोई बात ऐसे विनियाता को लागू नहीं होगी,--
- (i) यदि उसके द्वारा या उसकी घोर से एक या अधिक कारणानों सें बरेलू उपभोग के लिए पूर्ववर्ती विक्तीय वर्ष के दौरान सभी उत्पाद-गुल्क साल की निकासी का कुल मूल्य बीस लाख क्याएं से बाधिक हो गया हो ;
- (ii) यदि उसके द्वारा या उसकी श्रोर से एक या शिक्षक करुखातों से धरेलू उपभोग के लिए पूबबर्ती विक्तीय वर्ष के बीरान उक्त माल की निकामी का कुल मृल्य पन्त्रह लाख रुपए में श्रीक्षक हो गया हो ।

3. जहां किसी बातिस जल का विकय ऐसे व्यापार चिह्न के घंधीन जो व्यापार और पण्य वस्तु निह्न प्रिधिसियम, 1958 (1958 का 43) के घंधीन रिजिट्टीहरूत है या नहीं, अथवा किसी बांड नाम के घंधीन किया जाता है और ऐसे वासित जल का नितर्माण एक से घंधिक कारखाने में, जाहे वे एक या घंधिक विनिर्माताओं के हों, एक ही व्यापार जिह्न या बांड नाम से किया जाता है, वहां इस घंधिसूचना की कोई बात लागू नहीं होगी यदि सभी ऐसे नारखानों में एक ही व्यापार चिह्न या बांड नाम वाले सभी ऐसे नारित जल की एक साथ निकासी का कुल मृत्य पूर्ववर्ती विलीय वर्ष के वीरान पर्यह लाख रूपए में घंधिक हो गया हो।

- 4. जहां किसी विनिर्माता ने पूर्ववर्सी वित्तीय वर्ष में उक्त वासिल जल भी निकासी नहीं की हैया पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में 1 प्रगस्त को या उसके परकाल् प्रथम बार वातित जल की निकासी की है, वहां इस प्राधसूचना में प्रतिबिद्ध छूट ऐसे विभिन्नता को लाग होगी,——
  - (क) यदि वह सहायक उत्पाद-मुक्क कलक्ष्टर के पास एम आजय की घोषणा फाइल कर देता है,—
    - (i) कि उसके द्वारा या उसकी ग्रांत में एक या ग्रिधिक कारखानों से घरेलू उपभीग के लिए त्रित्तीय वर्ष के दौरान सभी उत्पाद-शुल्क माल की निकासी का कुल मृत्य बीग लाख घपए से ग्रिधिक होने की सभावना नहीं है.
    - (ii) कि उसके द्वारा या उसकी ग्रांत ने एक या अधिक कारखानों से घरेलू उपभोग के किए बिकीय वर्ग के दौरान यातिन जल की निकासी का कुल मूल्य पन्द्रह् लाखे गएए से अधिक होने की संभावना नहीं है; ग्रीर
  - (स्त्र) (i) यदि उसके द्वाराया उसकी श्रोर से एक या श्रीधक काम्स्वानों से घरेनू उपभोग के लिए विकीय वर्ष के दौरान सभी उत्पाद-शुल्क माल की निकासी का कुल भुल्य दीस लाख रुपए से श्रीधक नहीं है; श्रीर
    - (ii) यदि उसके द्वारा या उसकी ग्रोर से एक या ग्राधिक कारखानों से घरेलू उपभोग के लिए वित्तीय वर्ष के दौरान वातित जल की निकासी का कुल मृत्य पस्द्रह साख स्थाप से ग्राधिक नहीं है ।
  - 5 इस श्रधिसूचना की कोई बात लागू नहीं होगी,--
  - (i) यदि एक या अधिक विनिर्मानाओं द्वारा या उसकी प्रोर से किसी कारखाने से घरेलू उपभोग के सिए पूर्ववर्ती विनीय वर्ष के दौरान सभी उत्पाद-णुक्क माल की निकामी का कुल मृत्य बीम लाख स्पए अधिक हो गया हो.
  - (ii) यदि एक या अधिक वितिर्मासाधी द्वारा या उनकी भारसे किसी कारलाने से घरेलू उपभोग के लिए पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान वारित जल की निकासी का कुल मूल्य पन्द्रष्ठ लाख रुगए से अधिक हो गया हो ।

त. जहां धातित जल की निकासी पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में किकी कार-खाने से नहीं की गई है या उसकी निकासी पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में । अगस्य को या उसके पश्चास् प्रथम आर की गई है, वहां इस ग्राधिम्चना में श्रांतिष्ट छूट लाग् नहीं होगी ,----

- (i) यदि एक या अधिक विनिमांताओं अरा या उनकी प्रांत से ऐसे कारखाने से घरेलू उपभाग के लिए विभीय वर्ष के दौरान सभी उत्पाद-मुल्क माल की निकासी का कुल गृस्य बीय लाख रपए से अधिक हो जाता है,
- (ii) यदि एक या अधिक विनिर्मानाओं हारा या उनकी भ्रोर स ऐसे कारखाने से धरेष् उपभोग के लिए विनीय वर्ष के दौरान वातित जल की निकासी का कुल मृत्य पन्छह लाख स्थान से अधिक हो जाता है ।

रपष्टीकरण 1-इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए "मृल्य" णड्य 'से बह मृल्य प्रभिष्ठेन हैं जिसका अवधारण केन्द्रीय उत्पाद मुख्क ध्रौर नमक अभिनयम, 1944 (1944 का 1) की धारा 4 के उपवस्तीं के अनुसार किया जाना है।

स्पष्टीकरण -- 2--इस अधिसूचना के अधीन निकासी के कुल मृत्य की संगणना करने के अयोजनों के लिए, उक्त माल की निकासी जिसकी केन्द्रीय उत्पाद-शृल्क नियम, 1914 के नियम 8 के उपनियम (1) के अधीन जारी की गर्भीर नस्मसन प्रवृत्त किसी अन्य अधिसूचना हारा उस पर उद्विष्णिय समस्त उत्पाद-णुल्क से सूट प्राप्त हैं, हिसाब में नहीं जीएगी, किन्तु कोई मेरी निकामी जिसकी बाबन भारत सरकार के किल मंद्रालय (राजम्ब विभाग) की प्रशिम्चना गंव 80/80-केन्द्रीय उत्पाद-णुल्क, नारीख 19 जून, 1980 के ग्रहीन छुट प्राप्त कर ली गई है, हिसाब में ली जाएगी।

धार० के० भक्तमति, उप गचिव

#### (No. 31/82-CENTRAL EXCISES)

C.S.R. 90(E):—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government Fereby exempts aerated waters, falling under Item No. 1D of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1) of 1944) and cleared for home consupration on or after the 1st day of April in any financial year, by or on behalf of a manufacturer, from one or more factories,

- (a) in the case of first clearances of aerated waters upto an aggregate value not exceeding rupess seven and a half lakhs, from the whole of the duty of excise leviable thereon; and
- (b) in the case of the clearances (being clearances of aerated waters of an aggregate value not exceeding rupces seven and a half lakhs) immediately following the said first clearances of the value specified in clause (a), from so much of the duty of excise leviable thereon under the said Item fread with any other notification issued under sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944 and in force for the time being] as is in excess of seventy five per cent, of such duty;

Provided that the aggregate value of clearances of aerated waters from any factory by or on behalf of one or more manufacturers, --

- (i) at nil rate of duty in terms of clause (a) of this paragraph, or
- (ii) at reduced rate of duty in terms of clause (b) of this paragraph,

shall not, in either case, exceed rupees seven and a half lakhs in any financial year.

- 2. Nothing contained in this notification shall apply to a manufacturer, -
  - (i) if the aggregate value of clearances of all excisable goods by him or on his behalf for home coasamption, from one or more factories, during the preceding financial year, had exceeded rupees (wenty lakhs);
  - (ii) if the aggregate value of clearances of aerated waters by him or on his bahalf for home consumption, from one or more factories, during the preceding financial year, had exceeded rupees fifteen lakhs.
- 3. Where any aerated waters are sold under a trade mark, registered under the Trade and Merchandise Marks Act, 1958 (43 of 1958) or not, or under a brand name, and such aerated waters are manufactured with the same trade mark or brand name in more than one factory, whether belonging to one or more manufacturers, nothing contained in this notification shall apply if the aggregate value of clearances of all such aerated waters bearing the same trade mark or brand name from all such factories taken together and exceeded rupees fifteen lakks during the preceding financial year.
- 4. Where a manufacturer has not cleared any aerated waters in the preceding financial year, or has claared any aerated waters

or the first time on or after the 1st day of August in the preceding financial year, the exemption contained in this notification shall be applicable to such manufacturer,—

- (a) if he files a declaration with the Assistant Collector of Central Excise, -
  - (i) that the aggregate value of clearances of all excisable goods by him or on his behalf for home consumption, from one or more factories, during the financial year is not likely to exceed rupees twenty lakhs, and
  - (ii) that the aggregate value of clearances of aerated waters by him or on his behalf for home consumption, from one or more factories, during the financial year is not likely to exceed rupees fifteen lakhs; and
- (b) (i) if the aggregate value of clearances of all excisable goods by him or on his behalf for home consumption. from one or more factories, during the financial year does not exceed rupees twenty lakhs, and
- (ii) if the aggregate value of clearances of aerated waters by him or on his behalf for home consumption, from one or more factories, during the financial year does not exceed rupes fifteen lakls.
- 5. Nothing contained in this notification shall apply,-
- (i) if the aggregate value of clearances of all excisable goods from any factory by or on behalf of one or more manufacturers for home consumption, during the preceding financial year, had exceeded rupees twenty lakbs,
- (ii) if the aggregate value of clearances of aerated waters from any factory by or on behalf of one or more manufacturers for home consumption, during the preceding 1 rancial year, had exceeded rupees tifteen lakhs.
- 6. Where any acrated waters have not been cleared from any factory in the preceding financial year, or have been cleared for the first time on or after the 1st day of August in the preceding financial year, the exemption contained in this notification shall not be applicable.
  - (i) if the aggregate value of clearances of all excisable goods from such factory by or on behalf of one or more manufact urers for home consumption, during the financial year, exceeds rupees twenty lakhs,
  - (ii) if the aggregate value of clearances of acrated waters from such factory by or on behalf of one or more manufacturers for home consumption, during the financial year, exceeds rupees fifteen lakhs.

Explanation I.—For the purposes of this notification the expression "value" means the value as determined in accordance with the provisins of section 4 of Central Excises and Salt Act. 1944 (1 of 1944).

Explanation II.—For the purposes of computing the aggregate value of clearances under this notification the clearances of actated waters, which are exempted from whole of the duty of excise leviable thereon by any other notification issued under sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944 and for the time being in force shall not be taken into account, but the clearances, if any, in respect of which exemption has been availed of under the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 80/80-Central Excises, dated the 19th June, 1980 shall be taken into account.

R. K. CHAKRABARII, Dept. Secy.

# (सं० 32/82 केम्ब्रीय जल्पाव-शुल्क)

सारकार निर्ण 91(म)—केन्द्रीय सरकार, म्रातिरिक्त, उत्पाद-णुरुक (विणेष महत्त्व का माल) म्राधिनियम, 1957 (1957 का 53) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पाँठन, केन्द्रीय उत्पाद-णुरुक नियम, 1944 के नियम 8 के उप नियम (1) द्वारा प्रदक्त णित्तयों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के बिन्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की म्राधिसूचना संठ 32/79-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1979 को म्राधिसूचना करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1979 को म्राधिसूचना करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक ग्राधिनियम, 1944 (1944 का 1) को प्रहली श्रनुसूची की मद मंठ 4 की उप मद 11(3)(11) के मन्तर्गन म्राने वाली बीडियों को, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक श्रीधिनियम, 1944 (1944 का 1) भीर म्रातिरिक्त उत्पाद-शुल्क (विशेष महत्व का माल) मिधनियम, 1957 (1957 का 58) के श्राधीन उन पर उद्युह्णीय उत्तने उत्पादन-शुल्क से सूद देती है जो 3.60 रुठ प्रति हजार से श्रीक है

गरन्तु यदि ऐसे अधिकारी के जो सहायक केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलकटर की पंक्ति से तीचे का न ही, समाधानप्रद रूप में यह साबित कर दिया जाता है कि ऐसी बीड़ियों का विकिभीण ऐसी बीड़ियों से किया गया है जिन पर उत्पाद-शुल्क की समृचित माला पहले ही संबक्त कर थी गई है तो ऐसी बीड़ियों को उनने उत्पाद-शुल्क से छूट दी जाएगी जो उस उत्पाद-गुल्क के समान हो जो उन पीड़ियों पर पहले ही संबक्त किया गया है जिनसे ऐसी बीड़ियों का विनिर्माण किया गया है

परस्त् यह ग्रौर कि इस प्रकार उद्गृहीत शृत्क की रकम केन्द्रीय उत्पाद-शृत्क भीर तमक श्रिक्षियम, 1944 (1941 का 1). श्रौर स्रितिश्मित उत्पाद-शृत्क (विशेष महत्व का माल) श्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 58) के श्रधीन उद्गृहीत शृत्क के बीच क्रमण: 75:25 के श्रमुणात में प्रभाजित की जाएगी।

# (NO. 32/82-CENTRAL EXCISES)

G.S.R. 91(E):—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 32/79-Central Excises, dated the 1st March, 1979, the Central Government hereby exempts biris, falling under sub-item II(3) (ii) of Item No. 4 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from sometime of the duty of excise leviable thereon both under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), as is in excess of Rs. 3.60 per one thousand:

Provided that if it is proved to the satisfaction of an officer not below the rank of an Assistant Collector of Central Excise that such biris have been manufactured from biris on which the appropriate amount of duty of excise has a lready been paid, such biris shall be exempt from so much of the duty of excise as is equivalent to the duty of excise ulready paid on biris from which such biris have been manufactured:

Provided further that the amount of duty so levied shall be apportioned in the ratio of 75: 25 between the duty leviable under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), respectively.

# (सं0 33/82-क्लेन्द्रीय अस्पाव शरूक)

सारकार(कि. 92(घ).--केन्द्रीय सरकार, ग्रतिरिक्त उत्पाद-शृहक (विशेष महत्व का मान) ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शृहक नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदेश शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के वित्त मंत्रानय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना मे 83/80-केन्द्रीय उत्पाद-शृक्क, तारीख 19 जृत, 1980 को अधिकांत करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शृक्क, तारीख 19 जृत, 1980 को अधिकांत करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शृक्क और तमक अधिनियम, 1944 (1941 का 1) की पहली अनुसूची की सब संव 4 की उपमद II (3)(ii) के अन्तर्गत आने वाली 'बीड्रियों' को एक या अधिक कारखाने से किसी विनिर्माता द्वारा या उसकी और से अर्थन् उपनीग के लिए ऐसी बीड्रियों की प्रथम निकासी की बाबन बीम लाख से अन्तिक परिमाण तक, जिनकी निकासी किसी विन्ताय वर्ष में 1 अप्रैन को या उनके पण्यात की जाती है, केन्द्रीय उत्पाद-शृक्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) और अतिरिक्त उत्पाद-शृक्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) और अतिरिक्त उत्पाद-शृक्क (विशेष महत्व का मान) अधिनियम. 1957 (1957 का 58) के अधीन उन पर उद्यहणीय मजन्त उत्पाद-शृक्क से इस शर्न के अधीन रहने हुए कुट देती है कि ऐसी बीड्रियों का विनर्मण किसी ऐसी वीड्रियों का विक्रय किसी बांद नाम के अधीन नहीं किया जाता है।

स्पर्धांत रेग- इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, "बांड नाम" से अभिप्रेत हैं कोई बोड नाम, चाह बहु र्राजस्ट्रीकृत हो या नहीं, अर्थानं ऐसा नाम या चिस्ह, जैसे प्रतीक चिन्ह, मोनोग्राम, लेवन, हन्यानर या आविष्कृत गण्य या कोई लेख, जो उन बीडियों के नथा किसी व्यक्ति के बीच, जो उस व्यक्ति की पहचान को उपदर्शित करके या उपदर्शित किए बिना, ऐसे नाम या चिन्ह का प्रयोग करना है, व्यापार के अनुक्रम में कोई सम्बन्ध उपदर्शित करने के लिए पा इन लिए कि ऐसा सम्बन्ध उपद्रशित हो, उन बीडियों के संबंध में प्रयोग ने लाग जाता है।

2. यह अधिमुचना । अप्रैल. 1982 की प्रवन्त होगी।

#### (NO. 33/82-CENTRAL EXCISES)

G.S.R. 92 (E).:- In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Ru'es, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957). and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 83/80—Central Excises, dated the 19th June, 1930, the Central Government hereby exempts, biris, falling under subitem II(3)(ii) of Item No. 4 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), in respect of the first clearances of such biris for home consumption by or on behalf of a manufacturer from one or more factories upto a quantity not exceeding 20 lakhs, cleared on or after the 1st day of April in any financial year, from the whole of the duty of excise leviable thereon, both under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), subject to the condition that such biris are manufactured by a manufacturer by whom or on whose behalf no biris are sold under a brand

Explanation.—For the purposes of this notification, "brand name" shall mean a brand name, whether registered or not that is to say, a name or a mark, such as a symbol, monogram, label, signature or invented word or writing which is used in relation to such biris for the purpose of indicating, or so as to indicate a connection in the course of trade between the biris and some person using such name or mark with or without any indication of the identity of that person.

2. This notification shall come into force on the 1st day of April, 1982.

# (मं 0 34/82-केण्यीय अस्पाय-शतक)

सावकावितंव 93(प्र) — केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शृहक नियम. 1944 के नियम 174क हारा प्रदन्त शिक्तयों का प्रयोग करने हुए, घीर भारत सरकार के विक्त मंत्रालय, (राजस्व विभाग) की प्रधिमूचना संव 77/80 केन्द्रीय उत्पाद शृहक, तारीख 19 जून, 1980 को प्रधिमां न करने हुए, घपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहिन में ऐमा करता धावण्यक धौर समीचीन है, केन्द्रीय उत्पाद शृहक घौर नमक धिरितयन 1944 (1944 का 1) की पहली अनुमूची की मद सव 4 की उपमद 17(3)(ों) के फल्कांत धाने वाली बीड़ियों को उक्त नियमों के नियम 174 के प्रवर्तन से नव सक छूट देसी है जब तक ऐसी बीड़ियों की भारन सरकार के विक्त संजालय (राजस्व विभाग) की घिधसूचना संव 33/82 केन्द्रीय उत्पाद णुकक, सारीख 28 फरवरी, 1982 के प्रधीन, उन पर उच्चाहणीय समस्व उत्पाद णुहक से छूट प्राप्त रहती है घौर किमी विनिर्मात्त हारा या उमकी धौर से एक या प्रधिक कारखानों के छरेलू उपधोग के लिए ऐसी बीड़ियों की निकासी किसी विनीय वर्ष में 16 लाख से प्रधिक नहीं। होती ।

2 यह प्रधिसूचना 1 ग्राप्रैल, 1982 को प्रवृत्त होगी।

#### (NO.34/82-CENTRAL EXCISES)

G.S.R. 93 (E).—In exercise of the powers conferred by rule 174A of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 77/80—Central Excises, dited the 19th June, 1980, the Central Government, being satisfied that it is necessary and expedient in the public interest so to do, hereby exempts from the operation of rule 174 of the said rules biris, falling under sub-item II(3) (ii) of Item No. 4 of the First Schedule to the Centrel Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) so long as such biris remain exempt from the whole of the duty of excise leviable thereon under the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 33/82- Central Excises, dated the 28th February, 1982 and the clearances of such biris for home consumption by or on behalf of a manufacturer from one or more factories do not exceed 16 lakhs in a financial year.

2. This notification shall come into force on the 1st day of April, 1982.

#### (मं० ३५/४३-केन्द्रीय उत्पाद-सुरूक)

सा० का० नि० 94(घ).—केन्द्रीय मरकार, केन्द्रीय उत्पाद-मृत्क ग्रीर नमक ग्रिष्टिनियम 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद मं० 7 के स्पष्टीकरण 2 के अनुसरण में, यह विहिन करती है कि "धृप यिन्तु" का अवधारण तत्ममय यक्षाप्रथन भारतीय मानक संस्थान के विनिर्देश भा० मा० : 1448 (पी: 31)-1968 में उपद्यक्षित रीति मे पूप बिन्दू लैस्प के नाम से ज्ञान उपकरण हारा किया जाएगा।

#### (NO. 35/82-CENTRAL EXCISES)

G.S.R. 94 (E).—In pursuance of Explanation II to Item No. 7 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby prescribes that "Smoke point" shall be determined in the apparatus known as the Smoke Point Lamp in the manner indicated in the Indian Standards Institution specification IS:1448(P:31)—1968 as in force for the time being.

# (म० 36/82-केन्द्रीय उत्पाद-णुस्क)

साठ काठ निरु 95 (भ). — केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुक्क भीर नमक भ्रिधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली भन्मुनी की मद मं० 7 के स्पष्टीकरण 3 के श्रनुसन्त्र में, यह विहित करती है कि "प्रतिम यवननीक" का श्रवदारण तत्समध्य सवाश्रवृत भारतीय मानक संस्था के विनिर्देश भाग मान : 1448 (पी.18)- 1967 में उपवर्णित रीति से किया आएमा ।

#### (NO. 36/82-CENTRAL EXCISES)

G.S.R. 95(E).—In pursuance of Explanation III to Item No. 7 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act. 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby prescribes the "Final boiling point" shall be determined in the manner indicated in the Indian Standards Institution specification IS:1448(P:18)—1967 as in force for the time being.

# (सं० 37/82-केन्द्रीय उत्पाद-शृहक)

साठ काठ ति 96(म), — केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक भ्रमितियम, 1944 (1944 का 1) की पहली भ्रनुसूची की मद संठ 8 के स्पष्टीकरण 2 के भ्रमुसरण में, यह विहित करती है कि "कार्वन श्रवशेय" का अवधारण मस्समय यंवाप्रवृत भारतीय मानक मंस्या के चिनिर्देश भाठ माठ 11448 (पीठ:8)- 1967 में उपवर्शिण रीति से रेम्सबाटम कार्वन श्रवशेष उपकरण के नाम में ज्ञात उपकरण द्वार, किया जाएगा ।

#### (NO. 37/82-CENTRAL EXCISES)

G.S.R. 96(E).—In pursuance of Explanation II to Item No. 8 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (I of 1944), the Central Government hereby prescribes that "Carbon residue" shall be determined in the apparatus known as Ramsbottom Carbon Residue Apparatus in the manner indicated in the Indian Standards Institution specification IS: 1448(P:8)—1967 as in force for the time being.

## (सं॰ 38/82-केन्द्रीय उत्पाद-श्ल्फ)

साठ काठ मिठ 97 (का) -- केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-मुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) हारा प्रवत्त प्रिक्तियों का प्रयोग करने हुए, और भारत सरकार के जिल्ल मंत्रालय (राजस्त्र विभाग) की प्रधिस्त्रका सं० 251/79 केन्द्रीय उत्पाद-भुष्क, तारीख 17 प्रगस्त, 1979 की प्रधिकारन करने हुए, नीचे की सारणी के स्तम्भ (3) में विनिद्धिट वर्णन के और केन्द्रीय उत्पाद-भुष्क और नमक प्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) का पहला भन्भूकी की मद नंव जो उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में की तत्स्थानी प्रविद्धिट में विनिर्दिष्ट है, के अन्तर्गत भाने माले उत्पाद-भुष्क माल को , उस पर उद्ग्रहणीय उत्तने उत्पाद-भुष्क से छुट देती है जिनना उक्त सारणी के स्तम्भ (4) में की तत्स्थानी प्रविद्धिट में विनिर्दिष्ट वर पर उद्ग्रहणीय गुल्क में प्रधिक है।

#### सारणी

ऋ०सं० मद्य सं०	वर्णम	 सुल्क की अर
(1) (2)	(3)	(4)
1. 8	(क) उच्क गति	पस्त्रह डिग्री सेटीग्रेड थर्मामीटर पर तीन सौ चौतीम रुपए बार पैसे प्रति किलो लीटर।

(ख) अन्य। पन्द्रह डिग्री सेंटीग्रेष्ट थर्मामीटर पर चार सी पचार रूपण प्रति किली लीडर।

2. 11(2) पैट्रोनियम कोक,निस्ता मृत्य का बीम प्रतिशत।

गित पैट्रोसियम कोक से भिन्न।

3. 11कक(2) कच्चे पैट्रोसियम या मृत्य का बीस प्रतिशत।

गैल के परिष्करण

मे प्राप्त पेट्रोसियम गैस और

परस्तु उत्तत पहली घ्रमुसूची की मद सं 8 के प्रकारित झाने वाले इांसफार्मर तेल के संबंध में इस अधिसूचना में अन्तविष्ट छूट केवल ऐसे इांसफार्मर तेल की लागू होगी जिसका ऐसे ट्रांसफार्मर तेल बेस स्टाक या इांसफार्मर तेल कीड स्टाक से विनिर्माण किया जाता है जिसकर, यथास्थित, समुचित उत्पाद-मुख्क या सीमा मुक्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3 के अधीन उद्ग्रहणीय ध्रतिस्तित मुख्के पहले ही संदल कर दिया गया है।

गैसीय हाधड़ोकार्बन

#### (NO. 38/82 CENTRAL EXCISES)

G.S.R. 97(E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No.251/79—Central Excises, dated the 17th August, 1979, the Central Government hereby exempts excisable goods of the description specified in column (3) of the Table below and falling under the Item Nos. of the First Scheduled to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), specified in the corresponding entries in column (2) of the said Table, from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of the duty leviable at the rates specified in the corresponding entries in column(4) of the said Table.

#### THE TABLE

	INE TABLE					
S. No	Item , No.	Description	Rate of duty			
(1)	(2)	(3)	(4)			
1.	8	Refined Diesel Oil —  (a) of the type known as High Speed Diesel Oil.  (b) Others.	Three hundred and thirty-four rupees and four paise per kilolitre at fifteen degrees of Centigrade thermometer.  Four hundred and			
			fifty rupces per kilolitre at lifteen degrees of Conti- grade thermometer.			
2.	11(2)	Petroleum coke, other than calcined petroleum cake.				
3.	11AA(2)	Petroleum gases and gaseous hydrocarbons derived from refining of crude petroleum or shale.				

Provided that in relation to transformer oil, falling under Item No. 8 of the said First Schedule, the exemption cont inecta this notification shall apply to only such transformer oil which is manufactured from transformer oil base stock or transformer oil feed stock on which the appropriate duty of excise, or the additional duty leviable under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), as the case may be, has already been paid.

# (मं० 39/82 फेन्द्रीय उत्पाद-ण्लह)

सा० का० कि० 98(भ्र).— केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क नियम 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त ग्राहिनयों का प्रयोग करते हुए, भीर भारत सरकार के कित महालय (ए.जस्व भीर बोमा विभाग) की प्रश्निम्बता मं० 123/63- केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क मारीख 27 जुलाई, 1963 की घित्रकारत करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क मौर तमक प्रधितियम, 1944 (1944 का 1) की पर्ना धतुमूची की मह सं० 8 के प्रत्योग प्राते बाल बालपाइट विजायक नेल को यदि उत्तका मोम का मोधन करते के लिए विजायक के का में किया परिकारणी के भीतर प्रयोग किया जाता है, तो उम पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-गुल्क से छुट देनी है।

#### (NO. 39/82-CENTRAL EXCISES)

G.S.R. 98 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurnce) No. 123/63-Central Excises, dated the 27th July, 1963, the Central Government hereby exempts bauxite solvent oil, falling under Item No. 8 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), if used within a refinery as solvent for purifying waxes, from the whole of the duty of excise leviable thereon.

#### (सं० 40/82-केन्द्रीय उत्पाद-मृत्क)

कारकारिक 99(क) .--केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय उत्पाद-णुरूक श्रौर नमक श्रीधितयम, 1944 (1944 का 1) की पहली श्रनुसूची की मद सं० 8 के स्पष्टीकरण 2 के श्रनुसरण मेयह बिहिन करती है कि "रंग तुलका परीक्षण" निम्नलिखिन रीति से किया जाएगा, श्रयंत् .--

- (i) पहले भामृत जल में पोटैशियम ग्रायोडाइड (बैग्लेपिक भ्रिभ-कर्मक क्वालिटी) के प्रजलना घोल के ग्राधार पर पाल प्रतिशत भार तैयार करे।
- (ii) उसमें, यथालय 0.04 सामान्य श्रायोडीन घोल तैयार करने के लिए श्रपेक्षित मात्रा में श्रायोडीन (वैश्लेषिक ग्रभिकर्मक क्यासिटी) मिलाएं।
- (iii) उसके पश्चात्, परीक्षण के प्रधीन खानिज तेल के रग की इस प्रकार नैयार किए गए प्रायोदीन घोल से तुलना करें।

# (NO. 40/82-CENTRAL EXCISES)

G.S.R. 99 (E).—In pursuance of Explanation II to Item No. 8 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby prescribes that "colour comparison test", shall be done in the following manner, namely:—

- (i) First prepare a five per cent, weight by volume solution of Potassium lodide (analytical reagent quality) in distilled water.
- (ii) To this, add Iodine (analytical reagant quality) in requisite amount to prepare an exactly 0.04 normal Iodine solution.
- (iii) Thereafter, compare the colour of the mineral oil under test with the lodine solution so prepared.

# सं० 41/82--केशीय उत्पादन-शुल्क

सावकावमाव 100(म्र) :--कर्दाय गरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुरुक नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि इससे उपात्राद्ध सारणी के स्तम्भ (2) में विनिधिष्ट भारत सरकार के, यथास्थिति, यित्त मंत्रालय (राजस्य विभाग) या (राजस्व धीर बीमा विभाग), या राजस्य और बैंकिंग विभाग की प्रत्येक अधिसूचनाएं उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट रीति से, यथास्थिति, संगोधित या भीर संगोधित की जाएंगी।

#### सारगी

		 1.		 	 
ऋ०	प्रधिसूचना सं० ग्रौर		संगोधन		
सं ०					
(1)	(2)	 	(3)	 	 
_`. ′				 	 _

- शल्क, नारीख 23 विसम्बर, 1961
- **म्ल्क, तारीख** 15 सितम्बर, 1962
- णुल्क, तारीख 17 नवम्बर, 1962
- 4/64—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्फ, नारीख 18 जनवरी, 1964
- 5. 276/67—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 21 विसम्बर, 1967

1. 187/61-केन्द्रीय उत्पाद- उक्त श्रधिसूचना में "चार क्पए छत्तीस पैसे" शब्दों के स्थान पर "चार रुपए चालीस पैसे" मञ्द रखे जाएंगे;

2. 168/62-केन्टीय उत्पाद- उक्त ध्रधिमूचना में, "11क" ग्रंक ध्रौर ग्रक्षर के स्थान पर "11कक" श्रंक भौर अक्षर रखे जाएंगे;

3. 194/62--केन्द्रीय उत्पाद- उक्त भ्रधिसूचना में, "नी रुपए पैतालीम पैसे" शक्दों के स्थान पर "एक-सौ रपए" शब्द रखे जाएंगे;

> उक्त प्रधिसूचना में, "चार-मौ बहनर रुपए पचास पैसे" शब्दों के स्थान पर "पाच सौरुपए" शब्द रखेजाएँने;

उक्त अधिमूचना में,--

- (i) "6 में 11क" भंक, शब्द और ग्रक्षर के स्थान पर "6 से 11 कक" यंक, मध्य और प्रक्षर रखे आएंगे।
- (ii) परन्तुक में, "स्फूरांक फारेनहाइट थर्मामीटर के 76 डिग्री से नीके'' **ग**ब्दों भीर शंकों के स्थान पर "स्फ्रांक सेटीग्रेट थर्मामीटर के 25 रिया से नीचें' शब्द और श्रंक रखे जाएंगे;
- 6. 44/71-केन्द्रीय उलाद- उक्त प्रधिसूचना में,---शुल्क,तारीस्त्र ७ ग्रप्रैल, 1971

- (i) "मद सं० s के ग्रन्तर्गत ग्राने वाले" शब्दों श्रीर श्रंक के स्थान पर "मद सं० 11क के भ्रन्तर्गत माने थालें ' णस्व, मंक मीर मक्षर रखे जाएंगे;
- (ii) "सेंटीग्रेट थर्मामीटर के 15 किग्री पर प्रति किलोलीटर जोहलर रुपए चौबीस पेसें' णड्यों के स्थान पर "प्रति मीटरी टन एक सौ वम रूपए" शब्द रखे जाएंगे;
- (iii) मर्त (i) के स्थान पर, निम्न-लिखित गर्त रखी जाएंगी, अर्थातं :---"(1) **ख**निज तेल

(1)(2)

> (क) का स्फूर्राक: 93.3 डिग्री सैटीग्रेट पर या उससे ऊपर है :

(3)

- (ख) का धूम बिन्तु 15 मिली-मीटर से भ्रधिक नहीं है;
- (ग) में कार्बन अवशिष्ट भार में 0.25 प्रतिशत से कम है;
- (घ) में 37.8 डिग्री सेंटीग्रेट पर रेडवुड I स्यामतामापी के अनु-सार 50 सेकेण्ड या उससे अधिक की स्थानता है;
- (इ.) का मामुली रूप में उपयोग बाह्य ईंधन, के रूप में या भन्तर्वहन इंजिनों के लिए ईंधन के रूप में या प्रदीपक के रूप में नही किया जाता है''।
- 7. 9/74--केन्द्रीय उत्पाद- उक्त ग्रधिसूचना में,--भुस्कः, तारीखा 2.6 जनवरीः, 1974

- "12.60" श्रंकों (क) खण्ड (i) में, के स्थान पर "100,00" झॉक रखे जाएंगे ;
- (का) खण्ड (iका) में, "12.00" धंकों के स्थान पर "100.00" श्रंक रखे जाएंगे;
- (ग) खण्ड (ii) में, "5 प्रतिशत मुल्यानुसार" अनंक भीर शब्दों के स्थान पर "मृख्य का 10 प्रतिवास" म्रॉक मीर गम्द रखे जाएंगे।
- 21/74-केन्द्रीय उत्पाद- उक्त भ्रधिसूचना में, "2017.63" श्रकों में स्थान पर "2025.00" मंक रखे शुल्क, सारीखा 1 मार्च जाएंगे। 1974
- 9. 138/74-केन्द्रीय उत्पाव-णुल्क, नारीख 14 सिनम्बर, 1974

उक्त ग्रधिसूचना में,----

- (i) "सतासी घपए बासठ पैसे" भक्दों के स्थान पर "एक-सौ रूपए" शब्द रखे जाएंगे;
- (ii) गर्त (क) के स्थान पर निम्न-लिखित गर्त रखी जाएगी, धर्थान:---"(1) खिमिज नेल——
  - (क) का स्पृतंक 93.3 डिग्री सेंटीग्रेट पर या उससे ऊपर है;
  - (छा) का धुम बिंदू 10 मिली मीटर से कम **t**;
  - (ग) में कार्चन प्रविशय्ट भार में 0.25 प्रतिशत से कम है;
  - (च) में 37.8 डिग्री सेंटीग्रेट पर रेडबुड I स्यानतावापी भनुसार 40 सेकिण्ड या उससे मधिक की स्यानता है;

192	THE GAZETTE OF INDIA: EXTRAORDINARY			[PART II—SEC. 3 (i)]
(1)	(2)	(3)	(1) (2)	(3)
10.	60/76- केम्द्रीय उत्पाद-शृल्क, ताः 16 मार्च, 1976	(इ.) का मामूली रूप में जपयोग बाह्य इंधन के रूप में या प्रन्त- वंहन इंजनों के लिए इंधन के रूप में या प्रदीपन के रूप में महीं किया जाता है।"  रिख उक्त मधिसूचना से उपाबद्ध सारणी में,——		उक्त श्रिधसूबना में, "मद सं० , 6 से 11क" शब्दों, शंकों शौर श्रक्षर के स्थान पर "मद सं० 6 से 11कक" शब्द, शंक शौर श्रक्षर रखे जाएंगे। उक्त श्रिभूचना में— (i) खण्ड (क) में, "नौ रुपए पैक्षालीम पैसे" शब्दों के स्थान पर "एक-सौ रुपए" शब्द रखे जाएंगे; शौर (ii) खण्ड (ख) में, "नौ रुपए" शब्दों के स्थान पर "एकं-सौ रुपए" शब्द
		(i) कम सं० 1 के सामने, स्तम्म (3) में "निम्म गेधक ईंधन तेल से मिक्न" शक्यों का लोप किया जाएगा; (ii) कम सं० 2 और उससे सम्बद्ध प्रविष्टियों का लोप किया जाएगा	<ul> <li>15. 219/79-केन्द्रीय उत्पाद- शुरुक, तारीख 30 जून, 1979</li> <li>16. 231/79-केन्द्रीय उत्पाद- शुरुक, नारीख 18 जूलाई, 1979</li> </ul>	रखे जाएंगे।  उक्त घिस्चना में, "ग्रस्सी ध्यए पन्त्रह् पैसे" शब्द के स्थान पर "एक-सौ वस् ध्यए" शब्द रखे जाएंगे।  उक्त प्रविसूचना में, "मद सं० 11व" सब्द, ग्रंक भीर श्रक्षार के स्थान पर मव सं० 11(1)" शब्द, ग्रंक ग्रीर
		(iii) क्रम सं० 3 के सामने, स्तम्भ (2) में प्रविष्टि के स्थान पर "11क (2)" प्रविष्टि	<ol> <li>250/79-केन्द्रीय उत्पाद- मुल्क, तारीका 17 भगस्त, 1979</li> </ol>	

11. 72/77-केन्द्रीय उत्पाद-ब्रालक, तारीख 29 मप्रैल, 1977

उक्त प्रधिसूचना में, "वार रुपए छतीस पैसे 'शब्दों के स्थान पर ''चार रुपए वालीस पैसे" शब्द रखे जाएंगे।

रस्त्री जाएगी।

12. 345/77-केम्ब्रीय उत्पाध-श्रुरुक, सारीखा 16 **वि**सम्बर, 1977

उक्त अधिमूचना से उपावड सारणी में,---

- (i) ऋम सं० 1 धीर 2 के सामने, स्तंभ (2) में कि प्रविष्टि के स्थान पर "11क" प्रविष्टि रखी आएगी।
- (ii) क्रैसं० 4 के सामने--
- (क) स्तम्भ 2 में की प्रविष्टि के स्थान पर "स्वानिज कौल्जा तेल" प्रविष्टि रखी जाएगी।
- (iii) ऋ० सं० 5 के सामने---
- (क) स्तंभ (2) में की प्रविष्टि के स्थान पर "11क" प्रविष्टि रखी जाएगी ;

(खा) स्तम्भ (3) में की प्रविष्टि के

स्थान पर निम्नलिखित प्रविधि रखी जाएगी, प्रयति:---"केन्द्रीय उत्पाद-मृस्क भीर नमक **मधिनियम, 1944 (1944 का1)** की पहली धनुसूची की मद सं० 11क की उपमव (4) के श्रंतर्गत माने वाली सभी उत्पाद, जो खनिज कोल्जा तेल से भिन्न हैं।

# No. 41/82—CENTRAL EXCISES

G.S.R. 100 (E)—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby directs that each of the notifications of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue) or (Department of Revenue and Insurance), or in the Department of Revenue and Banking, as the case may be, specified in column (2) of the Table hereto annexed shall be amended or further amended, as the case may be, in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

### **TABLE**

(ABLL				
S. No.	Notification No. and date	Amendment		
(1)	(2)	(3)		
	87/61-Central Excises, dated the 23rd Dec., 1961.	In the said notification, for the words "four rupees and thirty- six paise", the words "four rupees and forty paise" shall be substituted;		
	68/62-Central Excises, eted the 15th Sep., 196	In the said notification, for the i2. figure and letter "IIA" the figure and letters "IIAA" shall be substituted;		
Ċ	94/62-Central Excises, lated the 17th Nov., 962.	In the said notification, for the words "nine rupees and forty-five paise", the words "one hundred rupees" shall be sub-		

stituted:

colza oil" shall be substi

tuted;

==-	= =====================================		्भारत का राजपत्न ≕	ः मसाधारण	193
(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
date	-Central Excises, d the 18th ary, 1964.	In the said notification, for the words "four hundred and seventy-two rupees and fifty paise", the words "five hundred rupees" shall be substituted;	dated 1974. 9. 138/74	Central Excises, the 1st March, -Central Excises	figures "2017.63", the figures "2025.00" shall be substituted.  5. In the said notification,
	67-Central Excises, 1 the 21st Dec.,	In the said notification,—  (i) for the figures, word and letter  "6 to 11A", the figures, word and letters "6 to 11AA" shall be substituted;  (ii) in the proviso, for the words	1974.	the 14th Sept.	(i) for the words "eighty-seven rupees and sixty-two paise", the words "one hundred rupees' shall be substituted—  (ii) for condition (a), the following condition shall be substitut-
		and figures "flashing point below 76 degree of Fahrenhe- it's thermometer", the words and figures "flash point below 25 degrees of Centigrade			ed,namely:— "(1) the mineral oil— (a) has its flash point at or above 93.3° Centigrade; (b) has its smoke point of less
		thermometer" shall be sub- stituted;			than 10 millimetres; (c) contains carbon residue less
	-Central Excises, the 7th April,	In the said notification,—  (i) for the words and figure "falling under Item No. 8", the words, figure and letter "falling under Item No. 11A" shall be substituted:			than 0.25% by weight; (d) has a viscosity of 40 seconds or more by Redwood I Viscometer at 37.8° Centigrade;
		(ii) for the words "seventy-four rupces and twenty-four paise per kilolitre at fifteen degrees of Centigrade thermometer", the words "one hundred and			(c) is not ordinarily used as external fuel, or as fuel for internal combustion engines, or as an illumi- nant".
		ten rupees per metric tonne" shall be substituted; (iii) for condition(1), the following condition shall be substituted, namely:—		entral Excises, le 16th March,	In the Table annexed to the said notification,—  (i) against S. No. 1, in column (3), the words "other than Low Sulphur Fuel Oil" shall be emitted;
		"(1) the mineral oil—  (a) has its flash point at or above 93.3° Centigrade;			(h) S.No. 2 and the entries relating thereto shall be omitted; and
		<ul> <li>(b) has a smoke point of not more than 15 millimetres;</li> <li>(c) contains carbon residue less than 0.25% by weight;</li> </ul>			(iii) against S. No. 3 in column 2, for the entry, the entry "11A(2)" shall be substituted.
		(d) has a viscosity of 50 seconds or more by Redwood I Viscometer at 37.8° Centigrade;		ontral Excises, no 29th April,	In the said notification, for the words "four rupees and thirty-six paise", the words "four rupees and forty paise" shall
		(e) is not ordinarily used as an external fuel, or as fuel for internal combus- tion engines, or as an illuminant."	dated the	16th Decem-	substituted.  In the Table annexed to the said notification:—
dated t		In the said notification,—  (a) in clause (i), for the figures  "12.60", the figures "100.00"	ber, 1977		(i) against S. Nes. 1 and 2, in column (2), for the entry, the entry "11A" shall be substituted;
		shall be substituted; (b) in clause (ia) for the figures "12.00", the figures "100.00" shall be substituted;			(ii) against S. No. 4—  (a) in column (2), for the entry, the entry "11A" shall be substituted;
	·	(c) in clause (ii), for the figure and words "5 per cent ad valorem", the figure and words			(b) in column (3), for the entry, the entry "mineral colar oil" shall be substi

10 per cent. ad valorem" shall

be substituted.

(1) (3)(2)

# (iii) against S. N . 5-

- (a) in column (2), for the entry the entry "11A" shall be substituted:
- (b) in column (3), for the entry, the following entry shall be substituted, namely:--
  - "All products falling under sub-item (4) of Item No. 11A of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), other than mineral colzaoil".
- dated the 16th December. 1977.
- 13. 352/77-Central Excises. In the said notification, for the words, figures and letter "Item Nos. 6 to 11A", the words, figures and letters "Item Nos. 6 to IIAA" shall be substituted.
- 14. 45/79-Central Excises, In the said notification: dated the 1st March 1779.

  - (i) In clause (a), for the words "nine rupees and forty-five paise", the words "one hundred rupees" shall be substituted: and
  - (ii) in clause (b), for the words "nine rupecs", the words "one hundred rupees" shall be substituted.
- dated the 30th June, 1979.
- 15, 219/79-Central Excises, In the said notification, for the words "eighty rupces and fifteen paise", for the words "one hundred and ten rupees" shall be substituted.
- dated the 18th July, 1979.
- 16. 231/77-Central Excises, In the said notification, for the words, figure and letter "Item No. 11D", the words, figure and brachet "Item No. 11(1)" shall be substituted.
- dated the 17th August, 1979.
- 17. 250/79-Central Excises, In the Table annexed to the said notification, against S. No. 3, in column (2), for the entry, the entry "IIAA" shall be substituted.

# से॰ 42/82-केमोध जल्पाव-शुरुक

सा० का० नि० 101(म्र).--केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शृत्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के विस्त मंत्रालय के, यथास्थिति, राजस्व विभाग या राजस्य भौर बीमा विभाग की निन्नलिखित ग्रिधसूचनात्रों का विखण्डन करती है, --अर्थात:--

- ा. सं० 130/65-नेल्बीय उत्पाद-श्ह्ना, तारीख 20 धगरत, 1965।
- 2. सं॰ 14ग/66-केन्द्रीय उत्पाद शुरूक, नारीख 26 फरवरी, 1966 ।
- 3. सं॰ 134/68-केन्द्रीय जत्पाय-श्रुक्त, तारीख 29 जून, 1968 !
- 4. सं० 354/77-केम्ब्रीय जल्पाव-मुल्क, धार्राख 16 दिसम्बर, 1977 ।

जिनेन्द्र अन्ना, ग्रवर सचिव

# NO. 42/82—CENTRAL EXCISES

- G. S. R. 101 (E)-In exercise of the powers conferred rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby rescinds the following notifications of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue or Department of Revenue and Insurance, as the case may be, namely:-
  - 1. No. 130/65-Central Excises, dated the 20th August, 1965.
  - 2. No. 14C/66-Central Excises, deted the 26th February, 1966
  - 3. No. 134/68-Central Excises, dated the 29th June, 1968.
  - 4. No. 354/77-Central Excises, dated the 16th December, 1977.

J. K. BATRA, Under Sccy.

# सं० 43/82-केन्ब्रीय उत्पाद-शहक

सा० का० नि० 102 (म्र).-केस्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क नियम्, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क भीर नमक प्रधिनिमय, 1944 (1944 का 1) की पहली मनुसूची की मद सं० 14ध के प्रक्तर्गत ग्राने वाले किसी प्रक्रिया में प्रयोग में लाए जाने वाले संश्लिष्ट कार्बनिक रंजक (जिसमें पिगमंट रंजक भी है) श्रौर संशिलष्ट, कार्बनिक व्युत्पाद की (जिसे इसमें इसके परचात उक्त भाल कहा गया है) किसी विनिर्माता द्वारा या उसकी [भौर से एक या श्रधिक कारखानों से बरेलू उपभोग के लिए एक लाख रु० से भ्रानधिक के कुल मह्य तक उक्त माल की प्रथम निकासी की बाबत, जिसकी निकासी किसी विसीय वर्ष में 1 अप्रैल की या उसके पश्चात की जाती है, उस पर उदमहणीय समस्त उत्पाद-शुरुक से छट देली है:

परन्तु एक या घधिक विनिर्माताओं द्वारा या उनकी और से किसी कारकाने से इस प्रश्निसूचना के प्रधीन शुरूक की शुन्य दर पर अकत माल की प्रथम निकासी का कुछ मुख्य किसी वित्तीय वर्ष में एक लाख रुपए से मधिक नही होगा।

- 2. इस प्रधिमुचना की कोई बात लागू नहीं होगी। यदि, ---
- (i) किसी विनिर्माता द्वारा या उसकी क्रोर से एक या अधिक कारकानों से, या
- (ii) एक या भिधक विनिर्माताओं द्वारा या उनकी भोर से किसी कारखाने से,

घरेल उपभोग के लिए उक्त माल की निकासी का कुल मुख्य पुबबर्ती विक्तिय वर्ष के दौरान एक लाख रुपए से प्रधिक हो गया था।

- 3. जहां किसी विनिर्माता ने पूबवर्ती विलीय वर्ष में उक्त माल की निकासी नहीं की है या पूबवर्ती विस्थिय वर्ष में 1 प्रगस्त की या उसके प्रश्व(त प्रथम बार उक्त माल की निकासी की है, वहां इस ग्रधिसूचना में ग्रन्तविष्ट छूट ऐसे विनिर्माता को लागू होगी, ---
- (i) यदि वह सहायक उत्पाद-शुरुक कलक्टर के पास इस श्राणय की घोषणा फाइल कर देता है कि उसके द्वारा या उसकी झोर से एक या भक्षिक कारखोनों से घरेलू उपभोग के लिए विसीय वय के दौरान उक्स माल की निकासी का कुल मूल्य एक लाख रुपए से श्रधिक होने की संभावना नहीं है; और
- (ii) यदि उसके द्वारा या उसकी झोर से एक या श्रधिक कारखानों से घरेलू उपभोग के लिए विसीय वर्ष के दौरान उक्क माल की निकासी का कुल मूल्य एक लाखा स्पए से श्रधिक नहीं है।
- जहां उपन माल की निकासी पूर्वप्रती विलीय वर्ष में फिसी कारखाने में नहीं की गई है या उसकी निकासी पूर्ववसी विसंधि वर्ष में 1 श्रनस्य को या उसके पश्चात प्रथम बार की गई है, वहां इस ग्रधिनुचना में भन्त-बिष्ट छूट लागू नहीं होगी यदि एक या प्रधिक विनिमिताओं बारा या

जनकी भीर से ऐसे कारखानों से बरेलू उपभोग के लिए विस्थिय वर्ष के दौरान उक्त माल की निकासी का कुल मूल्य एक लाख रुपए से श्रधिक हो जाना है।

स्पार्ट (करण 1: -इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, 'मूल्य' शब्द से वह मूल्य अभिप्रेम हैं जिसका अवधारण केलीय उत्पाद-णूक और नमक अधि-नियम, 1944 (1944 का 1) को धारा 4 के उपवंधों के अनुसार किया जाता है।

स्पार्टा भरण 2.— इस प्रधिमुचना के प्रार्थान निकासी के कुल मृत्य की संगणना करने के प्रयोजनों के लिए, उक्त माण की निकासी जिसकी के स्वीय उत्पाद भूलक नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) के प्रधीन जारी की गई प्रौर तत्समय प्रकृत किसी प्रस्य प्रधिमुचना द्वारा उस पर उर्व्याहरणीय समस्त उत्पाद-गुल्क से छूट प्राप्त है, हिमाब में नहीं ली जाएगी, किन्छु कोई ऐसी निकासी जिसकी बायत भारत संस्कार के किस संवालय (राजस्व विभाग) की प्रधिमुचना सं० 80/80-केर्बाय उत्पाद-शुल्क, नारीख 19 जून, 1980 के प्रधीन छूट प्राप्त कर ली गई है, हिसाब में ली जाएगी।

# No. 43/82-- CENTRAL EXCISES

G.S.R. 102 (E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts synthetic organic dyestuffs (including pigment dyestuffs) and synthetic organic derivatives used in any dyeing process, falling under Item No. 1410 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) (hereinafter referred to as the said goods), in respect of the first clearances of the said goods for home consumption by or on behalf of a manufacturer from one or more factories upto an aggregate value not exceeding supecs one lakh, cleared on or after the 1st day of April in any financial year, from the whole of the duty of excise leviable thereon;

Provided that the aggregate value of the first clearnaces of the said goods from any factory by or on behalf of one or more manufacturers at nil rate of duty under this notification shall not exceed rupees one lakh in any financial year.

- 2. Nothing contained in this notification shall apply, if the aggregate value of clearances of the said goods for home consumption,—
  - (i) by or on behalf of a manufacturer, from one or more factories, or
  - (ii) from any factory, by or on behalf of one or more manufacturers,

had exceeded rupees one lakh during the preceding financial year.

- 3. Where a manufacturer has not cleared the said goods in the preceding financial year, or has cleared the said goods for the first time on or after the 1st day of August in the preceding financial year, the exemption contained in this notification shall be applicable to such manufacturer,—
  - (i) if he files a declaration with the Assistant Collector of Central Excise that the aggregate value of clearances of the said goods by him or on his behalf, for home consumption, from one or more factories, during the financial year is not likely to exceed rupees one lakh, and
  - (ii) if the aggregate value of clearances of the said goods by him or on his behalf, for home consumption, from one or more factories, during the financial year does not exceed rupees one lakh.

4. Where the said goods have not been cleared from any factory in the preceding financial year, or have been cleared for the first time on or after the 1st day of August in the preceding financial year, the exemption contained in this notification shall not be applicable if the aggregate value of clearances of the said goods from such factory by or on behalf of one or more manufacturers, for home consumption, during the financial year, exceeds rupces one lakh.

**Explanation** I – For the purposes of this notification the expression "value" means the value as determined in accordance with the provisions of section 4 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944).

Explanation II.—For the purposes of computing the aggregate value of clearances under this notification the clearances of the said goods, which are exempted from whole of the duty of excise leviable thereon by any other notification issued under subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944 and for the time being in force shall not be taken into account, but the clearances, if any, in respect of which exemption has been availed under the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 80/80-Central Excises, dated the 17th June, 1980 shall be taken into account.

# स॰ ४४/८२केरडीत उत्पाद-ग्लक

सा० का० ति० 103 (म्र).--केन्ब्रीय संकार, केन्ब्रीय उत्पाद-णुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) ब्राग प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय उत्पाद-णुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं० 14 घ के अन्तर्गत प्राने वाले किसी प्रक्रिया में प्रयोग में लाए जाने वाले संक्रिल्ट कार्बनिक रंजक (जिसमें पिगमेट रंजक भी हैं) और संक्रिल्ट कार्बनिक उत्पाद को (जिस इसमें इसके पण्यान् उत्तर मान कहा गया हैं) किसी विनिर्मात्त वाराया उसकी प्रांग में एक या अधिक कारखानों में घरेलू उपभोग ले लिए पन्द्रह लाख क्षण में प्रवाद के कुल मृत्य तक उकन माल की प्रथम निकासी की बाबत, जिसकी निवासी किसी विन्तिय वर्ष में 1 धर्मक को या उसके पण्यान् की जाती हैं, किन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) के अधीन जारी की गई और तस्समय प्रवृत्त किसी अन्य अधिक का लाथ पिरित्री उन्ता मद के प्रशीन उस पर उद्युहणीय उत्ता उत्पाद शुल्क में छुट देली है जिनना ऐसे गुल्क के प्रवास प्रतिणत से प्रशिक है :

परन्तु. एक या प्रधिक विनिर्माताओं द्वारा या उनकी घोरमें किसी कारखाने में इस अधिमूखना के घधीन मुल्क की घटी दर पर उक्त साल की निकासी का कुल मृल्य किसी विकाय वर्ष में पन्त्रह लाख रुपण से से श्रीक नहीं होगा।

- 2. इस अधिमुचना की कोई बात ऐसे विनिर्माता को लागू नहीं होगी,-
- (i) यदि उसके द्वारा या उसकी घ्रीर से एक या घ्राधिक कारखानों से घरेलू उपभोग के लिए पूबवर्ती विक्तीय वर्ष के दौरान सभी उत्पाद-गुलक माल की निकासी का कुल मूल्य बीस लाख रुपए से घर्षिक हो गया हैं।;
- (ii) यदि उसके द्वारा या उसकी भीर एक या प्रधिक कारकातों से घरेलू उपक्षींग के लिए पूत्रवर्सी वित्तीय वर्ष के दौरान उकत साल की निकासी का कुल मृत्य पन्द्रह लाख न्यए से प्रप्रिक हो गया हो।
- जहां किसी विभिन्नता ने पूजबर्ती विलीय वर्ष में उक्त माल की निकासी नहीं की है या पूर्ववर्ती विलीय वर्ष में 1 प्रगस्त को या उसके

पक्कात् प्रथम बार उक्त माल की निकासी की है, वहां इस श्रधिसूचना में अन्तर्विष्ट शूट ऐसे बिनिर्माता को लागू होगी,—

- (क) यदि नह महायक जन्याव-णुल्क कलक्टर के पाम इस भागय की भोषणा फाइल कर देता है,---
  - (i) कि उसके द्वारा या उसकी भोर से एक या अधिक कार-आतों से घरेलू उपभोग के लिए किलीय वर्ष के बीरान मभी उत्पाद-गुरुक माल की निकासी का कुल मूल्य कीम काख रुपए से अधिक होने की संभावना नहीं है; श्रीर
  - (ii) कि उसके द्वारा या उसकी श्रोर से एक या श्रिधिक कार-खानों से घरेन् उपभोग के लिए विसीय वर्ष के दीरान उसर मान की निकासी का कुल सूल्य पन्द्रह लाख रूपए से ग्रांबिक होने की संभायना नहीं है; श्रीर
- (ख) (i) यांव उसके द्वारा या उसकी आर में एक वा अधिक कारणानों में घरेलू उपभोग के लिए विलीय तर्ग के दौरान सभी उत्पाद-शुल्क क्या माल की निकासी का कृष मृत्य कीम लाख क्यए में अधिक नहीं हैं; और
  - (ii) यदि उसके द्वारा या उसकी ग्रोर से एक या श्रिधिक कारखानों से घरेलू उपभोग के लिए कितीय वर्ष के दौरान उक्त माल की निकासी का कुल मूल्य पन्द्रह साख रुपए से श्रिधिक नहीं है।
- 4 इस अधिसूचना की कोई बान लागू नहीं होगी, --
- (i) यदि एक या प्रधिक विनिर्मानामां द्वारा या उनकी भोर से किसी कारखाने से घरेन् उपभोग के लिए पूर्ववर्ती विसीय वर्ष के बौरान सभी उत्पाद-शुल्क्य माल को निकासी का कुल-मूल्य बीस लाख रुपए से प्रधिक हो गया हो;
- (ii) यदि एक या प्रधिक विनिर्मामाधी द्वारा या उनकी घोर से किसी कारकाने से घरेलू उपभोग के लिए पूर्ववर्ती विभाय वर्ष के दौरान उक्त माल की निकासी का कुल मूल्य पश्चाह लाखा रुपए से प्रधिक हो गया हो ।
- 5. जहां उनत माल की निकासी पूजवर्ती विष्तीय वर्ष में किसी कार-खाने से नहीं की गई है या उसकी निकासी पूर्ववर्ती विष्तीय वर्ष में 1 अगस्य की या उसके पण्डात् प्रथम वार की गई है, वहां इस अधिसूचना में अन्तिबिष्ट छूट थागू नहीं होगी.—
  - (i) यदि एक या प्रधिक विनिर्माताओं हारा या उनकी घोर से ऐसे कारखाने से घरेल उपभोग के लिए वित्तीय वर्ष के दौरान सभी उत्पाद-शुरूवय माल की निकामी का कुल मूल्य बीस लाख रुपए से प्रधिक हो जाता है;
  - (ii) यदि एक या श्रिष्ठिक विनिर्माणाओं द्वारा या उनकी और से ऐसे कारखाने से घरेलू उपभोग के लिए वित्तीय वर्ष के दौरात उक्त माल की निकासी का कुल मूरुय पन्त्रह लाख रुपए से अधिक हो जाना है !

स्पर्ध्वाकरण 1.—इस ग्रह्मिस्चना के प्रयोजनों के लिए, "मूल्य" ग्रह्म से वह मूल्य प्रक्रिप्रेस है जिसका ग्रवधारण केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क और नमक ग्राधि-नियम, 1944 (1944 का 1) की धारों 4 के उपविधों के भनुमार किया जाता है।

स्पष्टीकरण 2.—इस अधिसुचना के अधीन निकासी के कुल मूल्य की संगणना करने के प्रयोजनों के लिए, उक्त माल की निकामी जिसकों के की एरपार-गुल्क निगम, 1911 के नियम 8 के उपनिगम (1) के अधीन जारी की गई और सरसमय प्रवृत किसी अन्य अधिसुचना द्वारा उन पर उद्यहणीय सगस्त उत्पाद-गुल्क से छूट प्राप्त है, श्रिसाव में नहीं ली जाएगी, किन्तु कोई ऐसी निकासी जिनकी बाबत भारत सरकार के विशा

मंत्राक्षय (राजस्य विभाग) की अधिसूचना सं० 80/80-केन्द्रीय जस्पादन मुल्क, वारीख 19 जून, 1980 और सं० 43/82-केन्द्रीय जस्पाद पुल्क, वारीख 28 फरवरी, 1982 के ब्राप्टीन कोई छूट प्राप्त कर की गई है, हिसाब में की जाएगी।

#### No. 44/81 CENTRAL EXCISES

G.S.R. 103(E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts synthetic organic dyestuffs (including pigment dyestuffs) and synthetic organic derivatives used in any dyeing process, falling under Item No. 14D of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), (hereinafter referred to as the said goods), in respect of the first clearances of the said goods for home consumption by or on behalf of a manufacturer from one or more factories upto an aggregate value not exceeding rupees fifteen lakhs, cleared on or after the 1st day of April in any financial year, from so much of the duty of excise leviable thereon under the said Item [read with any other notification issued under sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944 and in force for the time being] as is in excess of fifty per cent. of such duty.

Provided that the aggregate value of clearances of the said goods from any factory by or on behalf of one or more manufacturers at the reduced rate of duty under this notification shall not exceed rupees fifteen lakhs in any financial year.

- 2. Nothing contained in this notification shall apply to a manufacturer,—
  - (i) if the aggregate value of clearances of all excisable goods by him or on his behalf, for home consumption from one or more factories, during the preceding financial year, had exceeded rupees twenty lakhs;
  - (ii) if the aggregate value of clearances of the said goods by him or on his behalf, for home consumption, from one or more factories, during the preceding financial year, had exceeded rupess fifteen lakhs.
- 3. Where a manufacturer has not cleared the said goods in the preceding financial year, or has cleared the said goods for the first time on or after the 1st day of August in the preceding financial year, the exemption contained in this notification shall be applicable to such manufacturer,—
  - (a) if he files a declaration with the Assistant Collector of Central Excise,—-
    - (i) that the aggregate value of clearances of all excisable goods by him or on his behalf, for home consumption, from one or more factories, during the financial year is not likely to exceed rupees twenty lakhs; and
    - (ii) that the aggregate value of clearances of the said goods by him or on his behalf, for home consumption, from one or more factories, during the financial year is not likely to exceed rupses fiftee a Jakhs; and
  - (i) if the aggregate value of clearances of all excisable goods by him or on his behalf, for home consumption, from one or more factories, during the financial year does not exceed rupees twenty lakhs, and
    - (ii) if the aggregate value of clearances of the said goods by him or on his behalf, for home consumption, from one or more factories, during the financial year does not exceed rupees fifteen lakhs.

- 4. Nothing contained in this notification shall apply,—
- (i) if the aggregate value of elemances of all excisable goods from any factory by or on behalf of one or more manufacturers, for home consumption, during the preceding financial year, had exceeded rupees twenty lakhs.
- (ii) if the aggregate value of clearances of the said go ods from any factory by or on behalf of one or more manufacturers, for home consumption, during the proceding financial year, had exceeded rupees fifteen lakhs.
- 5. Where the said goods have not been cleared from any factory in the preceding financial year, or have been cleared for the first time on or after the 1st day of August in the preceding financial year, the exemption contained in this notification shall not be applicable,—
  - (i) if the aggregate value of clearances of all excisable goods from such factory by or on behalf of one or more manufacturers, for home consumption, during the financial year, exceeds rupees twenty lakhs,
  - (ii) if the aggregate value of clearances of the said goods from such factory by or on behalf of one or more manufacturers, for home consumption, during the financial year, exceeds rupees fifteen lakes.

**Explanation I.**—For the purposes of this notification the expression "value" means the value as determined in accordance with the provisions of section 4 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944).

Explanation II.—For the purposes of computing the aggregate value of clearances under this notification, the clearances of the said goods which are exempted from whole of the duty of excise leviable thereon by any other notification issued under sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944 and for the time being in force, shall not be taken into account, but the clearances, if any, in respect of which any exemption has been availed of under the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) Nos. 80/80-Central Excises, dated the 19th June, 1980 and 43/82-Central Excises, dated the 28th February, 1982 shall be taken into account.

# सं ० 45/82 --- केन्द्रीय उत्पाद-शुरुष

सा० का० नि० 104(अ).— केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के 6क्त मंद्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की प्रधिस्चना सं० 117/66-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 16 जुलाई, 1966 को प्रधिक्षांन करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक प्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली प्रनुसूची की मद सं० 145 के अधीन याने वाली और विनिर्माता के कारखाने में सरकारी विभागों को, जिनके प्रन्तांत रेल, स्थानीय निकाय और प्रस्पताल हैं, सीष्ठे प्रवाय की गई पेटेंट या एकायत औषध को उस पर उद्यहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से, जो कीमन के, जिसके श्रन्तगंत ऐसे प्रवाय के लिए पक्षकारों के बीच गुगंगत संविदा के निवन्धनों के ग्रधीन नियन केन्द्रीय उत्पादम-शुल्क नहीं है, श्राधार पर संगणित मूल्य के गाढ़े बारह प्रनिणत से धिक है, छठ देती है,

परन्तु पूर्वोक्त छूट केवल तभी श्रनुवेय होगी यदि उपर निकिष्ट कीमत ऐसे प्रवायों के क्षारे में विनिर्माता द्वारा वास्तव में प्रभारित की गई कीमत है और उसके समर्थन में साक्ष्य केन्द्रीय उत्पाद-गृल्क श्रश्चिकारी के समधा प्रस्कुत किया गया है। स्परदोकरएा—इस प्रश्निष्मा के प्रयोजभी के लिए, 'विकिमीता' के शक्तरोग किसी क्षेत्र के प्रति निर्देण से उस क्षेत्र में उसका एकणात जितरक या उसमें स्थित शाखा कार्यालय है।

द्यार० के० चक्रधर्ती, उप सचिष

### No. 45/82—CENTRAL EXCISES

G.S.R.104(E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 117/66-Central Excises, dated the 16th July, 1966, the Central Government hereby exempts patent or proprietory medicines, falling under Item No. 14E of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and supplied directly from the factory of the manufacturer to Government Departments including Railways, local bodies and hospitals from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of 12½ % of the value calculated on the basis of price excluding Central Excise duty fixed under the terms of relevant contract between the parties for such supply:

Provided that the aforesaid exemption shall be admissible only if the price referred to above represents the price actually charged by the manufacturer in respect of such supplies and evidence in support of that is produced before the Central Excise Officer.

**Explanation.**—For the purposes of this notification, manufacturer, includes with reference to any area his sole distributor in that area or branch office situated therein.

R.K. CHAKRABARTI, Deputy Secrey.

# सं० 46/82.-- केन्द्रीय उत्पाद-शुस्क

साक्का निष् 105 (क्र) — केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त पाक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क धीर नमक प्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली प्रनुसूची की मद मं० 15क की उपमव (1) के प्रकार धाने वाली निम्न घनत्व पालिएथिलीन को, उम पर उद्यहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से निम्नलिखित शतौं के प्रश्रीन रहने छूट बेती हैं, प्रथित :—

- (i) किसी ऐसे प्रधिकारी के, जो सहायक केन्द्रीय उत्पाद-शुरूक कलक्टर की पंक्ति से नीचे का न हो, समाधानप्रद रूप में यह साबित हो जाता है कि ऐसी निम्न धनत्व पालिएथिलीन ऐसे पटलित कागज के, जिसका दूध को पैक करने के लिए प्रयोग किया जाता है, विनिर्माण में प्रयोग के लिए प्राणयित है; ग्रीर
- (ii) केन्द्रीय उत्पाद-णून्क नियम, 1944 के अध्याय 10 में उपवर्णित प्रक्रिया का अनसरण किया गया है।

# NO.46/82—CENTRAL EXCISES

G.S.R. 105(E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts low density polyethylene, falling under sub-item (1) of Item No. 15A of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the duty of excise leviable thereon, subject to the following conditions, namely:—

 It is proved to the satisfaction of an officer not below the rank of an Assistant Collector of Central Excise that such low density polyethylene is required for use in the manufacture of laminated paper to be used for packaging of milk; and

(ii) the procedure set out in Chapter X of the Central Excis: Rules, 1944 is followed.

#### सं० 47/82-केन्द्रीय उत्पाद गुरुक

सां का नि 106(ग्र) — केन्द्रीय भग्कार, केन्द्रीय उत्पाद गुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) बारा प्रवेश गितियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद गुल्क ग्रीर नमक श्रिधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं 15क के श्रन्थगंत शाने बाले थालकानीकुन फाइबर की, उस पर उद्गुहणीय उतने उत्पाद-गल्क से छूट देती है जितना मुख्य के श्राठ प्रतिशत में श्रिधिक है।

# NO. 47/82—CENTRAL EXCISES

G.S.R.106(E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 144, the Central Government hereby exempts vulcanized fibres, falling under Item No. 15A of the First Schedule to the Central Excise and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of eight percent ad vulorem.

# सं० 48/82-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा० का० नि० 107(म) — केन्द्रीय मरकार, केन्द्रीय उत्पाद शृत्क, नियम, 1944 के नियम 8 के उप नियम (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद शृत्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की सद सं० 15क(1) के अन्तर्गत आने वाले गैर-प्लास्टिकृत सेलुलोस नाइट्रेट को, उस पर उद्श्वहणीय उतने उत्पादन शृक्क से छूट देनी है जितना मृत्य के आठ प्रतिशत से अधिक है।

#### No. 48/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 107 (E)—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts non-plasticised cellulose nitrate, falling under Item No. 15A (1) of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of eight per cent, ad valorem.

# सं ॰ 49/8 2-केम्द्रीय उत्पाद शुरुक

सा० का० नि० 108(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुक्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदक्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद शुक्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं० 15ना के अन्तर्गत आने सैलोफेन, अर्थात् पुनर्योजित सैल्लोग की कोई फिल्म उस पर उद्ग्रहणीय उनके उत्पाद शुक्क से छूट देनी है जिनना मूल्य के बीस प्रतिशत से प्रधिक है।

#### No. 49/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 108 (E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts cellophane, that is, any film or sheet of regenerated cellulose, falling under Item No. 15A of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of twenty per cent. ad valorem.

# सं० 50/82 केंग्द्रीय उत्पाव श्रृत्क

सावकावनिव 109(म्न).—केन्द्रीय उत्पाद णुल्क और नमक म्राध-नियम, 1944 (1944 का 1) की पहली म्रनुसूची की मद संव 15क की उपमद (1) में उल्लिखिन सामग्री की कुछ वस्तुएं वित्त विभियक, 1982 के खंड 49 द्वारा उक्त मद की उपमद (2) के म्रन्सर्गत विनिधिष्ट की गई है.

श्रात, श्राव, कंग्द्रीय रायकार, केग्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप नियम (1) द्वारा प्रवत्त पिक्तमों का प्रयोग करते हुए, उक्त उपमद (1) में उल्लिखिन सामग्री की ऐसी वस्तुओं को (जिन्हें हमसे इसके पश्रधात उक्त माल कहा गया है), जो उक्त मद संव 15क में विनिर्दिग्ट नहीं की गई है, किन्तु उक्त मद के श्रधीन वर्गीकृत की जा मकती है और जिनको भारत सरकार के विक्त मंत्रालय (राजस्व ग्रीर वीमा विभाग) की श्रधिसूचना सव 68/79 केग्द्रीय उत्पाद शुल्क, नारीख 29 गई, 1971 लागू होती है तथा जिनकी 28 फरवरी, 1982 को प्रारम्भ होने वाली और 31 मार्च, 1983 को समाप्त होने वाली श्रवध के दौरान दो लाख पचास हजार रुपए से श्रवधिक के कुल मूल्य एक जिसके श्रवसीत उक्त पहली श्रवसूची की मद संव 68 के अल्लान श्राने वाली माल की निकासी का कुल मूल्य, यदि कोई हो, भी है, किसी विनिर्माता द्वारा या उसकी श्रीर से एक या श्रविक कारखानों से घरेलू उपभोग के लिए निकासी की जाती है, उन पर उद्ध्रहणीय समस्त उत्पाद शुल्क से छूट देसी है:

परन्तु यह तम्र जब कि किसी श्रश्चिकारी का जो सहायक केन्द्रीय उत्पाद-शृत्क कलक्टर की पंक्ति से नीचे का न हो, यह रामाधान हो जाता है कि ऐसे श्रीचोगिक एकक में जिसमें निकासी किये जाने बाले उक्त साल का विनिर्माण किया जाता है, स्थापित संयंत्र श्रीर संशीनरी पर समय-समय पर किये गये पूंजी विनिधान के सूल्य की कुल राणि बीस लाख रुपये से प्रिधिक नहीं है:

परन्तु यह श्रीर कि एक या प्रधिक विनिमिताओं द्वारा या उनकी श्रीर से किसी कारखाने से इस श्रीधसूचना के श्रधीन गुल्क की शृत्य वर पर उक्त माल की ऐसी प्रथम निकासी का, जिसके श्रन्तगंत उक्त पहली श्रनुमूची की मद स० 68 के श्रन्तगंत प्राने वाले माल की निकासी, यदि कोई हो, भी है, कुल मूल्य 28 फरवरी, 1982 को प्रारंभ होने वाली श्रीर 31 मार्च, 1982 को समाप्त होने वाली श्रीर 31 मार्च, 1982 को समाप्त होने वाली श्रीर जिस्ती भी दणा में दो लाख प्रचास हजार रुपये से श्रिक नहीं होगा।

- 2. इस ध्रिध्सूचना में प्रन्तिक्ट छूट लागू नहीं होगी यदि उसत माल का कुल मृत्य जिसके ध्रन्तर्गत उक्त पहली प्रनुसूची की मद सं० 68 के घ्रन्तर्गत द्याने वाले माल की निकासी का, यदि कोई हो, मृत्य भी है, ध्रौर जिसकी निकासी, यदि कोई हो, एक या घ्रधिक विनिर्माताघों द्वारा या उनकी घ्रांर से किसी कारखाने से धरेलू उपयोग के लिये 1 ध्रप्रैल, 1981 को प्रारंभ होने वाली घ्रौर 27 फरवरी, 1982 को समाप्त होने वाली घ्रवधि के दौरान की जाती है, सत्ताईस लाख पचास हजार रुपये से घ्रधिक हो गया हो।
- 3. इस अधिमूनना की कोई बान किसी ऐसे विनिर्माता को लागू नहीं होंगी जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 56ग में निर्दिष्ट प्रारंभिक विनिर्माता है और जो उन्त नियम में अधिकथित विशेष प्रक्रिया का लाभ उठाना है।

स्पष्टीकरण 1—पूंजी विनिधान के सूल्य की कुल राणि का श्रवधारण करते समय, उस समय जब ऐसा त्रिनिधान किया गया था, त्रिनिधान का श्रंकित सूल्य ही हिसाब में लिया जाएगा, किन्तु ऐसे संयंत्र और मणीनरी पर जो किसी श्रीद्योगिक एकक से स्थायी तौर पर हटा दी गई है या शिसी प्रयोग के लिए श्रयोग्य ठाइन दी गई है, किए गए बिनिधान का मृल्य ऐसे घवधारण से प्रपर्वजित कर दिया जायेगा।

स्पष्टीकरण 2--इस मिक्स्चना के मुद्रीन (जिसके प्रसार्गम उसका पैरा 2 नहीं है) निकासी के मूल्य की संगणना करने के प्रयोजन के लिए, उन्हां साल की,---

- (क) असको केन्द्रीय उत्पाद-णुक्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) के अधीन जारी की गई और नत्ममय प्रवृत्त किसी घत्य अधिमूचना द्वारा, उस पर उत्पाद-णुक्क से छूट प्राप्त है, निकासी की, या
- (ख) उक्न नियम 56ग के अपलेन्थों के ब्राधील किसी ऐसे विनिर्माना द्वारा जो उक्त नियमों के नियम 56ग में निर्दिष्ट द्वितीयक विनिर्माना है, निकासी को जिसके अन्तर्गत उक्त नियम 56ग के उप-नियम (1) के चौंधे परन्तुक के अनुसार की गई निकासी नहीं है,

हिसाब में नहीं लिया जाएगा।

स्पष्टीकरण 3—क्य प्रधिसूचना के पैरा 2 के प्रधीन निकासी के मृत्य की संगणना करने सभय के लिए, उक्त साल की,—

- (क) जिसको केन्द्रीय उत्पाद-मूल्क भ्रीर नमक भ्रिप्तियम, 1944 (1944 का 1) की पहली धनुसूची के ग्रधीन उस पर उन्प्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट प्राप्त हैं, किन्तु जो उक्त पहली भनुसूची की नद सं० 15क की उपमद (1) में उल्लिखिन सामग्री की घरन्तु नहीं है, निकासी की; या
- (का) उक्त नियम 56ग के उपबन्धों के ध्रधीन किसी ऐसे विनिर्माता हारा जो उक्त नियमों के नियम 56ग में निर्विष्ट द्वितीयक विनिर्माता है, निकासी को जिसके घन्तर्गत उक्त नियम 56ग के उप-नियम (1) के वौथे परन्तुक के ध्रमुसार की गई निकासी नहीं है,

हिमाब में नहीं लिया जायेगा।

# No. 50/82—CENTRAL EXCISES

G.S.R. 109 (E).—Whereas certain articles of materials described in sub-itme (1) of Item No. 15A of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act 1944 (1 of 1944) have been specified under sub-item (2) of the said Item by clause 49 of the Finance Bill, 1982;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 18 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts articles of materials described in the said sub-item (1) as have not been specified in the said Item No. 15A, but classifiable under the said Item (hereinafter referred to as the said goods) and to which the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 68/71-Central Excises, dated the 29th May, 1971, applies and cleared for home consumption by or on behalf of a manufacturer from one or more factories upto an aggregate value not exceeding rupees two lakhs and fifty thousand, including the value of clearances of goods, falling under Item No. 68 of the said First Schedule, if any, during the period commencing on the 28th day of February, 1982 and ending on the 31st day of March, 1932, from the whole of the duty of excise leviable thereon:

Provided the tean Officer not below the rank of an Assistant Collector of Central Excise is satisfied that the sum total of the value of the capital investment made from time to time on plant and machinery installed in the industrial unit in which the sald goods, under the rance, are manufactured is not more than rupees twenty lakhs:

1378 GL/81--3

Provided further that the total value of the first clearances of the said goods, including the clearances of goods, falling under Item No. 68 of the said First Schedule, if any, from any factory by or on behalf of one or more manufacturers at nil rate of duty under this notification shall in no case exceed rupees two lakhs and fifty thousand during the period commencing on the 28th day of February, 1982 and ending on the 31st day of March, 1982.

- 2. The exemption contained in this notification shall not apply if the total value of the said goods cleared, if any, including the value of clearance of goods, falling under Item No. 68 of the said First Schedult, if any, for home consumtion from any factory by or on behalf of one or more manufacturers, during the period commencing or the 1st day of April, 1981 and ending on the 27th day of February, 1982 had exceeded rupees twenty-seven lakks and fifty thousand.
- 3. Nothing contained in this notification shall apply to a manufacturer who is a primary manufacturer as referred to in rule 56C of the Central Excise Rules, 1944, and who avails of the special procedure laid down in the said rule.

Explanation I.—While determining the sum total of the value of capital investment, only the face value of the investment at the time when such investment was made shall be taken into account, but the value of the investment made on plant and machinery which have been removed permanently from the industrial unit or rendered unfit for any use shall be excluded from such determination.

Explanation II.—For the purpose of computing the value of clearances under this notification (except paragraph 2 thereof), the clearances of the said goods,—

- (a) which are exempted from the whole of the duty of excise leviable thereon by any other notification issued under sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and for the time being in force; or
- (b) by a manufacturer who is a secondary manufacturer as referred to in rule 56C of the said rules, under the provisions of the said rule 56C, except the clearances effected in terms of the fourth proviso to sub-rule (1) of the said rule 56C,

shall not be taken into account.

Explanation III.—For the purpose of computing the value of clearances under paragraph 2 of this notification the clearances of the said goods—

- (a) which are exempted from the whole of the duty of excise leviable thereon under the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), but not being articles of materials described in sub-item (1) of Item No. 15A of the First Schedule; or
- (b) by a manufacturer who is a secondary manufacturer as referred to in rule 56C of the said rules, under the provisions of the said rule 56C, except the clearances effected in terms of the fourth proviso to sub-rule (1) of the said rule 56C,

shall not be taken into account.

# सं 0 51/82-केम्ब्रीय उत्पाद-शुक्क

सारकारिक 110(म्). -- केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक श्रीक्षितियम, 1944 (1944का 1) की पहली श्रनुसूची की मद सं 15क की उपनद (1) में उल्लिखित सामग्री की कुछ बस्तुएं क्लि विशेषक 1982 के खंड 49 द्वारा उक्त मद की उपमव (2) के घरनर्गन विनिविष्ट की गई है ;

मंतः, श्रव, केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करसे हुए, उक्त उपमद (1) में उल्लिखित सामग्री की ऐसी वस्तुओं को (जिल्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त माल कहा गया है) जो उक्त मद संव् 15क में विनिर्विष्ट नहीं की गई है, किन्तु उक्त मद के श्रवीन वर्गीकृत की जा सकती है भौर जिनको भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व भौर बीमा विभाग) की अधिमूचना संव 68/71-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 29 मई, 1971 लागू होती है तथा जिनकी 1 श्रवील, 1982 को प्रारंभ होने वाली और वित्त विधेयक, 1982 के श्रविनियमन की सारिख को समाप्त होने वाली श्रविध के दौरान तीन लाख पचहलर हजार रुपये से धन्तिक के मूल्य तक जिसके सन्तर्गत उक्त पहली सनुसूची की मद संव 68 के श्रन्तर्गत झाने वाले माल की निकासी का मृत्य , यदि कोई हो, किसी विनिर्मात होने वाले माल की निकासी का मृत्य , यदि कोई हो, किसी विनिर्मात होरा या उसकी श्रोर मे एक या सिधक कारखानों से घरेलू उपभोग के लिये निकासी की जाती है उन पर उद्युहणीय समस्त उत्पाद-गुल्क से छुट देनी है:

पर-सु यह सब जब कि किसी अधिकारी का जा सहायक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कमक्टर की पंक्ति से नीचे का न हो, यह समाधान हो जाता है कि ऐसे औद्योगिक एकक में जिसमें निकासी किये जाने वाले उक्त माल का यिनिर्माण किया जाना है, स्थापित संग्रंत और मणीनरी पर समय-समय पर किये गये पंजी विनिधान के मूल्य की कुल राणि बीस लाख भ्यय से ध्रिक नहीं है.

परन्तु यह धौर कि एक या धिक्ष विनिर्माताओं द्वारा या उनकी होर से किसी कारखाने में इस घिस्चना के अधीन शुक्त की शूब्य दर पर उकन भाल की ऐसी प्रथम निकासी का जिसके धन्तर्गत उकन पहली धनुसूची की मद मंत 68 के ध्रक्तर्गत ग्रांने वाले माल की निकासी, यदि कोई हो, भी है, कुन मूल्य 1 अप्रैल, 1982 को प्रारंभ होने वाली धौर विन विधेयक, 1982 के ध्रीधनियमन की नारीख को समाप्त होने वाली धवध के दौरान किसी भी द्वारा में नीत लाख पणहुसर हजार क्यंये से ग्रांधिक नहीं होगा।

- 2. इस प्रशिस्चना में अन्तिष्ट छूट लागू नहीं होगी यदि उक्त भाल का कुल मूल्य जिसके अन्तर्गत उक्त पहुली अनुसूची की मद सं० 68 के अन्तर्गत आने वाले माल की निकासी का, यदि कोई हो, मस्य भी है, और जिसकी निकासी, यदि कोई हो, एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा या उनकी और से किसी कारखाने में घरेलू उपभोग के लिये विसीय वर्ष 1981-82 के बौरान की जाती है, तीम लाख रुपये से अधिक हो गया हो।
- 3. इस अधिसूचना की कोई बात किसी ऐसे विनिर्माता को लागू नहीं होगी जो केन्द्रीय उत्पाद शुक्क नियम, 1944 के नियम 56ग में निर्दिष्ट प्रारंभिक विनिर्माता है सौर जो उक्त नियम में अधिकथित विशेष प्रक्रिया का लाभ उठाना है।

स्पष्टीकरण 1—-पूंजी विनिधान के मृत्य की कुल राशि का श्रवधारण करते समय, उस समय अब ऐसा विनिधान किया गया था, विनिधान का श्रविक मृत्य ही हिसाब में लिया आयेगा, किन्तु ऐसे संयंत्र और मजीनरी पर जो किसी शौधोगिक एकक से स्थायी तौर पर हटा दी गई है या किसी प्रयोग के लिये श्रयोग्य टहरा दी गई है, किये गये विनिधान का मृत्य ऐसे श्रवधारण से श्राम्त्रजिन कर दिया जायेगा।

स्पष्टीकरण 2—६म प्रधिमृचना के प्रधीन (जिसके प्रस्तर्गत उसका पैरा 2 नहीं है) निकासी के मृत्य की संगणना करने के प्रयोजन के लिये, उक्त माल की,—

(क) जिसको केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) के ध्रधीन आरी की गई ध्रीर तरसमय प्रवृत्त किसी प्रस्य प्रधिसूचना द्वारा, उस पर उद्प्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट प्राप्त है, निकासी को; या

(ख) उनन नियम 56ग के उपबन्धों के प्रधीन किसी ऐसे विनिर्मात।
द्वारा जो उन्त नियमों के नियम 56ग में निर्दिष्ट द्वितीयक
विनिर्माता है, निकासी को जिसके अन्तर्गत उनन नियम 56ग
के उप-नियम (1) के चौथे परन्त्क के अनुमार की गई
निकासी नहीं है,

हिसाब में नही लिया जायेगा ।

स्वच्छीकरण 3--इस प्रधिसूचना के पैरा 2 के प्रधीन निकासी के मुख्य की संगणना काफी के प्रयोजन के लिये, उक्त माल की,---

- (क) जिसको केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क भीर नमक श्रिक्षितियम, 1944 (1944 का 1) की पहली भनुसूची के प्रधीन उस पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट प्राप्त है, किन्तु भे उक्त पहली भनुसूची भी मद सं० 15क की उपमद (1) में उल्लिखिन सामग्री की बस्तु नहीं है, निकासी की; या
- (अ) उसत नियम 56ग के उपबन्धों के भ्रधीन किसी ऐसे विनिम्नीता द्वारा जो उक्त नियमों के नियम 56ग में निर्दिष्ट द्वितीयक विनिर्माता है, निकासी को जिसके भन्तर्गत उक्त नियम 56ग के उप-नियम (1) के कीये परस्तुक के भन्सार की गई निकासी नहीं है,

हिसाब में नहीं लिया जायेगा ।

4. यह अधिस्चना 1 अप्रैल, 1982 को प्रवृक्त होगी।

# No. 51/82—CENTRAL EXCISES

G.S.R. 110 (E).—Whereas certain articles of materials described in sub-item (1) of Item No. 15A of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) have been specified under sub-item (2) of the said Item by clause 49 of the Finance Bill, 1982;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts articles of materials described in the said sub-item (1) as have not been specified in the said Item No. 15A, but classifiable under the said Item (hereinafter referred to as the said goods) and to which the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 68/71-Central Exclses, dated the 29th May, 1971, applies and cleared for home consumption by or on behalf of a manufacturer from one or more factories up to an aggregate value not exceeding rupees three lakhs and seventy-five thousand, including the value of clearances of goods falling, under Item No. 68 of the said First Schedule, if any, during the period commencing on the 1st day of April, 1982, and ending on the date of enactment of the Finance Bill. 1982, from the whole of the duty of excise leviable thereon:

Provided that an Officer not below the rank of an Assistant Collector of Central Excise is satisfied that the sum total of the value of the capital investment made from time to time on plant and machinery installed in the industrial unit in which the said goods, under clearance, are manufactured is not more than rupees twenty lakhs:

Provided further that the total value of the first clearances of the said goods, including the clearances of goods, falling under Item No. 68 of the said First Schedule, if any, from any factory by or on behalf of one or more manufacturers at nil rate of duty under this notification shall in no case exceed rupees three lakhs and severity-five thousand during the period commencing on the 1st day of April, 1982 and ending on the date of enactment of the Finance Bill, 1982.

- 2. The exemption contained in this notification shall not apply if the total value of the said goods cleared, if any, including the value of clearances of goods, falling under Item No. 68 of the said First Schedule, if any, for home consumption, from any factory by or on behalf of one or more manufacturers, during the financial year 1981-82 had exceeded rupees thirty takhy.
- 3. Nothing contained in this notification shall apply to a manufacturer who is a primary manufacturer as referred to in rule 56C of the Central Excise Rules, 1944, and who avails of the special procedure laid down in the said rule.

Explanation I.—While determining the sum total of the value of capital investment, only the face value of the investment at the time when such investment was made shall be taken into account, but the value of the investment made on plant and muchinery which have been removed permanently from the industrial unit or rendered unfit for any use shall be excluded from such determination.

**Explanation II.**—For the purpose of computing the value of clearances under this notification (except paragraph 2 thereof), the clearances of the said goods, —

- (a) which are exempted from the whole of the duty of excise leviable thereon by any other notification issued under sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and for the time being in force; or
- (b) by a manufacturer who is a secondary manufacturer as referred to in rule 56C of the said rules, under the provisions of the said rule 56C, except the electrances effected in terms of the fourth proviso to sub-rule (1) of the said rule 56C.

shall not be taken into account.

Explanation III.—For the purpose of computing the value of clearances under paragraph 2 of this notification the clearances of the said goods—

- (a) which are exempted from the whole of the duty of excise leviable thereon under the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), but not being articles of materials described in sub-item (1) of Item No. 15A of the said First Schedule; or
- (b) by a manufacturer who is a secondary manufacturer as referred to in rule 56C of the said rules, under the provisions of the said rule 56C, except the clearances affected in terms of the fourth proviso to sub-rule (1) of the said rule 56C, shall not be taken into account.
- 4. This notification shall come into force on the 1st day of April, 1982.

#### स० 52/82 - केम्ब्रीय उरपाद-शहक

सारकार्णा 11(अ). — केन्द्रीय मरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शृलक नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम(1) द्वारा प्रदत्त णक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के जिल महालय (राजस्व और वीमा विभाग) की प्रतिस्चाता में 68/71-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, नारीख 29 मई, 1971 में निम्निलिखन और सणीधन करनी है, अर्थान् —

# उक्त ध्रश्चिमचना म,---

 (क) "सभी प्रकार की प्लास्टिक की बनी बस्नुएं" गटदों के स्थान पर, "सभी माल" गच्च रखे आयेंगे;

- (ख) खण्ड (1) प्रौर (2) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखें जायेंगे, प्रथति —
  - "(1) पुनर्योजित सेलुलोस की फिल्म या शीट श्रौर पोलिएस्टर फिल्म, चाहे लेकर लेपित या पटलीकृत या धानु स्नेपित क्षें या न हों;
  - (2) कड़े प्लास्टिक बोर्ड, शीटिंग, शीट ग्रौर फिल्में, चाहे लेकर लेपित या पटलीकृत या धातु लेपित हों या न हों; ग्रौर
  - (3) नम्य पौलविनाइल क्लोगाइड शीटिंग, शीट, फिल्में, चाहें लेकर लैपित या पटलीकृत या धातु लेपित हों या न हों भौर ले-प्लेट ट्य्बिंग जिनमें कोई टैक्सटाइल मामग्री न हो,";
- (ग) "उन पर उव्यह्णीय समस्त उत्पाद-मुल्क मे" शब्दौँ के स्थान पर "उन पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद-मुल्क में जितना मृल्य के श्राठ प्रसिम्न मे प्रधिक है" मब्द रखे जायेंगे।

#### No. 52/82—CENTRAL EXCISES

G.S.R. 111(E).—In exercise of the powers conferred by sub rule (1) of rule 8 of the Central Excises Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance No. 68/71—Central Excises, dated the 29th May, 1971, namely:—

In the said notification,-

- (a) for the words "articles made of plastics, all sorts", the words "all goods" shall be substituted;
- (b) for clauses (i) and (ii), the following clauses shall be substituted, namely:—
  - "(i) film or sheet of regenerated cellulose and polyester films, whether lacquered or laminated or metallised or not:
  - (ii) rigid plastic boards, sheeting, sheets and films, whether lacquered or laminated or metallised or not; and
  - (iii) flexible polvinyl chloride sheeting, sheets, films; whether lacquered or laminated, or metallised or not and lay flat tubings not containing any textile material,";
- (c) for the words "from the whole of the duty of excise leviable thereon", the words "from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of eight per cent. ad valorem" shall be substituted.

#### स० 53/82-केन्द्रीय उस्पाद-शुस्क

सा का॰ नि॰ 112(अ) .— केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-मुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) हारा प्रवत्न मक्तियों का प्रयोग करने श्रुप, केन्द्रीय उत्पाद-मुल्क भीर ममक श्रिधिनयम, 1944 (1944 का 1) की पहली श्रमुसूची की मव सं० 15क(2) के श्रन्तर्गक श्राने वासे बोडी मीटिंग, मीटें, फिल्मों श्रीर ले-फ्लैट ट्यूबी को, उस पर उद्युह्मीय समस्त उत्पाद-मुल्क से छूट वेती है.

परन्तू ऐसी छूट निम्नलिखित को लाग नहीं होगी 🚟

- (i) पुनर्योक्तित सेलूलीम की फिल्म या घीट और पीलिएस्टर फिल्म, चाहे वे लैकर लेपिन या पटलीकृत या धानु लेपिन हो या म त्री;
- (11) कडे व्लास्टिय बोर्ड, शीटिंग, शीटें और फिल्में, चाहें वे लैंकर लेपिन, पटलीकृत या धातु लेपिन हों या न हो, और

(iii) नम्य पोलिबाइनिल क्लोराइड मीटिंग, मीटे, फिल्में, चाहे वे सैकर लेपित, पटलीकृत या धानु लेपिन हों या न हों मीर ले-फ्लैट ट्युबें जिनमें कोई टैक्सटाइल सामग्री न हो।

# परन्स यह भीर कि---

- (क) ऐसी वस्तुएं उक्त मद की उपमद (1) के अन्तर्गत आने वाली ऐसी कृतिम या संक्लिक्ट रेजिन या प्लास्टिक सामग्री या अन्य सामग्री से उत्पादित की गई है जिन पर, यथान्थित, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क या सीमाणुक्क टैरिक अधिनयम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3 के अधीन, श्रतिरिक्त शुक्क का पहले ही संवाय कर दिया गया है, या
- (ख) ऐसी वस्तुषं प्लास्टिक के स्थ्रेप से उत्पादित की गई हैं। स्थल्टीकरण:---इग ग्राधिसूचना के प्रयोजनों के लिए---
- (i) प्लास्टिक से बनी वस्सु के सम्बन्ध में 'नम्य' पब से प्राभिमेत हैं वह वस्तु जिसमें, जब उसका प्लास्टिक की कठोरता के लिए (ए एस टी एम प्रभिधान डी—474—63), प्लास्टिक के धानमन गुण के लिए (ए एस टी एम प्रभिधान डी—790—63) प्लास्टिक के तनन गुण के लिए (ए एस टी एम प्रभिधान डी—790—63) प्लास्टिक के तनन गुण के लिए (ए एस टी एम प्रभिधान डी—882—64टी), परोक्षण की पद्धति के अनुसार परीक्षण किया जाए तो उसमें 23 डिग्री सेटीग्रेड और 50 प्रतिशत श्रमेकित धार्दता पर 700 किलो-ग्राम प्रति वर्ग सेटीगीटर से श्रमधिक का गापांक या प्रत्यास्थता, चाहे यह श्रानित में हो या तनन में, होती है।
- (ii) प्लास्टिक में बनी वस्तुओं के सम्बन्ध में 'कड़े' पव से अभिप्रेत हैं खण्ड (i) में यथा परिभाषित 'नम्य' वस्तुओं से भिन्न सभी वस्तुएं।

#### No. 53/82—CENTRAL EXCISES

G.S.R. 112(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excises Rules, 1944, the Central Government hereby exempts boards, sheeting, sheets, films and lay flat tubings, falling under Item No. 15A(2) of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the duty of excise leviable thereon:

Provided that no such exemption shall apply to—

- film or sheet of regenerated cellulose and polyester films, whether lacquered or laminated or metallised or not;
- (ii) rigid plastic boards, sheeting, sheets and films, whether lacquered or laminated or metallised or not; and
- (iii) flexible polyvinyl chloride sheeting, sheets, films, whether lacquered or laminated or metallised or not and lay flat tubings not containing any textile material;

#### Provided further that-

- (a) such articles are produced out of the artificial or synthetic resins or plastic materials or other materials falling under sub-item (1) of the said Item, on which the duty of excise or the additional duty under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), as the case may be, has already been paid, or
- (b) such articles are produced out of scrap of plastics.

#### Explanation.—For the purposes of this notification—

(i) the expression 'flexible' in relation to an article made of plastics, means the article which has a modulus of elasticity either in flexture or in tension of not over 700 kilograms per square centimetre at 23 degrees

- Centigrade and 50 per cent. relative humi, lity when tested in accordance with the method of test for stiffness of plastics (ASTM Designation D. 474—63), for flexural properties of plastics (ASTM Designation D—790—63), for Tensile properties of plastics (ASTM Designation D—638—64T), or for Tensile properties of Thin plastic sheeting (ASTM Designation D—882—64T):
- (ii) The expression "rigid", in relation to an article made of plastic, means all articles other than 'flexible' articles as defined in clause (i).

#### सं 54/82--केर्न्जाय उत्पाद-शुरुक

साठकां निष्ण 113(अ) — केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-णुरुक नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवत्त शिवनों का प्रयोग करने हुए, ऐसे माल को, जो केन्द्रीय उत्पाद-शृत्क और नमक अधिनियम, 1914 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मब मं० 68 के अन्तर्गत आते और जो अब विन्न निधेयक 1982 के खण्ड 49 द्वारा, जो खंड अनंतिम कर संग्रहण अधिनियम, 1931 (1931 का 16) के अधीन उनत निधेयक में की गई घोषणा के आधार पर निधि का नम रखता है, उनत अनुसूची की मद सं० 15क की उपमद (1) में थिनिविंदि किए गए हैं, और जिनकी किसी विनिर्माता द्वारा या उसकी और से एक या अधिक कारखानों से 28 फरवरी, 1982 से प्रारम्भ होने वाली और 31 मार्च, 1982 को समाप्त होने वाली अविध के वौरान घरेलू उपभोग के लिए निकासी की गई है, बातठ हजार रुपए से अनिधिक मृत्य तक, छुट देती है:

परन्तु इस अधिसूचना में अन्तिनिध्ट छूट ऐसे किसी वितिर्माता को लागू नहीं होगी जिसकी एक या अधिक कारखाने से घरेलू उपभोग के लिए उन्हा साल भी निकासी, 1 अप्रैल, 1981 से प्रारम्भ होने वाली और 27 फरवरी, 1982 को समाप्त होने वाली अविधि के दौरान, 13.75 लाख एगए से अधिक हो गई हो।

थी० लक्ष्मी कुमारन्, भवर मचिव

#### No. 54/82—CENTRAL EXCISES

G.S.R. 113(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts goods which were falling under Item No. 68 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and which have now been specified in sub-item (1) of Item No. 15A of the said Schedule by clause 49 of the Finance Bill, 1982, which clause as, by virtue of the declaration made in the said Bill under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931), the force of law, upto a value not exceeding rupees sixty two thousands cleared for home consumption during the period commencing on the 28th day of February, 1982 and ending on the 31st day of March, 1982, by or on behalf of a manufacturer from one or more factories:

Provided that the exemption contained in this notification would not be applicable to a manufacturer whose clearances of the said goods, for home consumption, from one or more factories, during the period commencing on the 1st day of April, 1981 and ending on the 27th day of February, 1982, had exceeded Rs. 13.75 laklis.

V. LAKSHMI KUMARAM, Under Secy.

# सं > 55/82-केन्द्रीय उत्पाद-शहक

सा०का०विक 114(व्य) :--केन्द्रीय गरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवत्त गवितयों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देनी है कि इससे जवाबज सारणी के स्तम्भ

(2) में विनिर्विष्ट, भारत रारकार के वित्त मंत्रालय, प्रथास्थिति, राजस्य भीर बीया विभाग या राजस्य विभाग की प्रत्येक श्राधमूचनाएं, उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिग्ट रीति से सथास्थिति मंगोधित या भीर संगोधित की आएंगी।

#### सारणी

क्र∘ सं०	अधिगूचना सं० श्रीर नारीख	संशोधन
(1)	(2)	(3)
1.	70/71-केन्द्रीय उत्पाद- ) उ शुक्क, नारीख 29 मई,   1971	क्त प्रत्येक प्रधिसूचना में जहां कही भी ''पटलीकृत'' शब्द प्राया है उसके स्थान पर ''लैंकर लेपित या धातु
2.	71/71-केन्द्रीय उत्पाद- गत्क, तारीख 29 मई, 1971	न्यान पर लकर लावत या बायु लेपिन या पटलीकृत" शब्द रखे जाएंगे;
3.	138/72—केन्द्रीय उत्पाद- उ णुल्क, तारीख 27 मई, 1972	क्त प्रधिमूचना में, "भद म० 15क के प्रत्नर्गन प्राप्त वाले कृत्निम या संग्लब्द रेजिन धौर प्लास्टक सामग्री धौर सेलुलोस एस्टर धौर ईयर" शब्दों, धंकों धौर धक्षरों के स्थान पर "मद सं० 15क(1) में वर्णित माल" शब्द, अंक धौर धक्षर रखे जाएंगे;
1.	5/80—केन्द्रीय उन्पाद- उ णुल्क, तारीख 27 फरवरी, 1980	क्त ग्रधिसूचना में, ''क्रुक्रिम या संफ्लिप्ट रेजिन और प्लास्टिक सामग्री ग्रौर सेलुलोस एरटर भीर ईथर'' शब्दों के स्थान पर ''वर्णन के माल'' शब्द रखे जारंगे।
5	26/81—केन्द्रीय अध्याद- उ .ण्ह्क, तारीख 1 मार्च, 1981	प्पन श्रश्चिमूचना में प्रारम्भिक भाग में "मद सं० 15खळा" गब्दो, श्रंको श्रौर श्रश्नरो के स्थान पर "मद सं० 15क भीर 15खख" शब्द, श्रंक और श्रक्षर रखे जाएंगे।

जिनेन्द्र धता, धवर मचिय

# No. 55/82--- CENTRAL EXCISES

G.S.R. 114(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby directs that each of the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue and Insurance or Department of Revenue, as the case may be, specified in column (2) of the Table hereto annexed shall be amended or further amended, as the case may be, in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

#### TABLE

S. Notification No. an	d Amendment
1. 70/71-Central Excidated the 29th May, 1: 2. 71/71-Central Excidated the 29th May, 1:	ises, wherever it occurs, the words

tuted:

- dated the 27th May, 1972.
- 3. 138/72-Central Excises. In the said notification, for the words, figure and letter "artificial or synthetic resins and plastic materials and cellulose esters and ethers falling under Item No. 15A", the words, figure and letter "goods described in Item No. 15A(I)" shall be substituted;
- dated the 27th February, 1980.
  - 5/80-Central Excises, In the said notification, for the words "artificial or synthetic resins and plastic materials and cellulose esters and ethers in any form", the words goods of the description" shall be substituted.
- 5. 26/81-Central dated the 1st March, 1981.
  - Excises, In the said notification, in the opening portion, for the words, figure and letters "Item No. 15BB", the words, figures and letters "Item Nos. 15A and 15BB" shall be substituted.

J.K. BATRA, Under Secy.

# रां० 56/82- केन्द्रीय सरपाद-शुरुक

साठकाठनिक 115(म) :--केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-मुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त लिखनों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के विल गवालय (राजस्व ग्रीर बीमा विभाग) की अधिसूचना सं० 116/68-केन्द्रीय उत्पाद-शूरक, **तारीख** 9 मुलाई, 1966 का निम्नलिखित संगोधन करती है. अथात:---

उक्त श्रधिसूचना में, "मद स० 15% के धन्तर्गत स्नाने वाले" शब्दीं, अको ग्रीर प्रक्षर के स्थान पर, "भद म० 15क के अस्तर्गत भ्राने वाले" णस्द, ग्रंक धौर धक्षर रखे जाएंगे।

#### Nk. 56/82 - CENTRAL EXCISES

G.S.R. 115(E). - In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 116/66-Central Excises, dated the 9th July, 1966, namely:--

In the said notification, for the words, figures and letter "falling under Item No. 15B", the words, figure and letter "falling under Item No. 15A" shall be substituted.

# स० 57/82 -केन्द्रीय जल्भाव-शुरुष

सा॰का॰नि॰ 116(अ) :--मेलोफेन, वित्त विधेयक, 1982 के बंध 19 द्वारा, जो खंड ग्रसंतिम कर संग्रहण भिधिनियम, 1931 (1931 का 16) के श्रधीन उक्त विश्लेषक में की गई घोषणा के भ्राधार पर विधि का बल रखना है, केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क और नमक प्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली प्रनुपूर्वी की मद सं० 15क में विनिदिष्ट किया गया है:

ग्रीर यह श्राणीयत नहीं है कि पुनीनत विधेयक के भ्रधिनियमन के लम्बित रहमे, के बीरान, उक्त पहुंगा यमुंगूची की मद स० 15क सीर 1 अलु के द्राधीन ऐसे सेलोफेन पर उत्पाद-शुरूक उद्गृहीन मौर सगृहीत किया जाना भात्रिए;

ग्रतः, श्रवः, केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शृल्फ नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त मक्तियो का प्रयोग करते हुए, सेलोफेन को, केन्द्रीय उत्पाद-शृल्क भीर नमक भ्रिधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूत्री की मद सं० 15ख के भ्रधीन उस पर उद्भ्रह-णीय समस्त उत्पाद-शृल्क में. विल् विधेयक, 1982 के भ्रधिनियमन नक छुट देती है।

#### No. 57/82-- CENTRAL EXCISES

G.S.R. 116(E).—Whereas cellophane has been specified in Item No. 15A of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), by clause 49 of the Finance Bill, 1982, which clause has, by virtue of the declaration made in the said Bill under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931), the force of law;

And whereas it is not intended that, pending the enactment of the Bill aforesaid, duties of excise should be levied and collected on such cellophane both under the Item Nos. 15A and 15B of the said First Schedule:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts, until the enactment of the Finance Bill, 1982, cellophane from the whole of the duty of excise leviable thereon under Item No. 15B of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944).

# सं० 58/82--केम्ब्रीय उत्पाद-शुरुष

सावकाविक 117(क).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शृहक नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्य विभाग) की अधिसूचना संव 95/79-केन्द्रीय उत्पाद-शृष्क, नारं ख 1 मार्च, 1979 में निम्नलिखित और संशोधन करनी है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध सारणी में अम सं० 18 और उससे सम्बद्ध प्रविष्टियों के पण्यान् निम्नलिखित मन्तःस्थापित किया जाण्या, प्रथीन् —

		मारणी		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
"19.	1 645 क	मंण्लिष्ट रवड़	16	टासर, ह्युझ श्रीर फ्लैप
20.	64	कार्बन कज्जल	16	टायर, टयुब ग्रीर फ्लेप
21.	65	रबक्ष प्रसंस्करण रसायन	16	टायर, टयूब भ्रौर फ्लैप'
				_

#### No. 58/82—CENTRAL EXCISES

G.S.R. 117(E).— In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 95/79-Central Excises, dated the 1st March, 1979, namely:—

In the Table annexed to the said notification, after S. No. 18 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:—

THE	TΛ	RI	E

(1)	(2)	(3)	(4)		(5)
"19.	16AA	Synthetic rubber	16	Tyres, flaps.	tubes and
20.	64	Carbon black	16	Tyrcs, flaps.	tubes and
21.	65	Rubber processing chemicals	16	Tyres, flaps."	tubes and

# सं • 5 9/82-- केम्ब्रीय उत्पाद-शुस्क

सा॰का॰ निव 118 (भ).-- केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुन्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की भ्रधिसूचन। सं० 27/81-केन्द्रीय उत्पाद-शुन्क, नारीख 1 मार्च, 1981 में निम्मलिखित संगोधन करती है, ग्रथति:—

उक्त प्रधिसूचना से उपागढ सारणी में---

- (i) करु संर 5 और उससे सम्बद्ध प्रविष्टियों का लोप किया जाएगा,
- (ii) क० सं० 2 के सामने स्तम्भ (3) में, खंड (iii) भीर उससे सम्बद्ध प्रविष्टियों का लोप किया जाएगा।

बी० लक्ष्मी कुमारन, प्रवर सचिव

#### No. 59/82—CENTRAL EXCISES

G.S.R. 118(E).— In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 27/81-Central Excises, dated the 1st March, 1981, namely:—

In the Table annexed to the said notification-

- (i) S. No. 5 and the entries relating thereto shall be omitted
- (ii) in column (3) against S. No. 8, caluse (iii) and the entries relating thereto shall be omitted.

V. LAKSHMI KUMARAN, Under Secy.

# सं० 60/82--भेग्द्रीय उत्पाद-शुरुक

सावकाविक 119(मा).—केन्द्रीय संश्यार, केन्द्रीय उत्पाद-गृस्क नियम. 1941 के नियम 8 के उपनियम (1) क्षारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त संख्रालय (राजस्व विभाग) की प्रधिसूचना संव 55/79केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क सारीखा । मार्च, 1979 का निम्नलिखिन घौर संशोधन करती है, प्रथान ——

उक्त ग्रधिसूचना मे---

- (क) शार्राम्भक पैरा में, "प्लाईबुड और बोडों" शब्दों के स्थान पर, "माल" शब्द रखा जाएगा;
- (ख) मारणी में---
  - (1) कि सं० 2 के मामने, स्तम्भ (2) में, "क्लोक बोर्ड" गड़दी के स्थान पर "क्लाफ बीर्ड" जिनके प्रस्तर्गन संपाद द्वार हैं)" गड़द भीर फोल्डक रखे जाएंगे;
  - (1i) %० न० 7 ग्रीर उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्त-लिखित ग्रन्तभ्य।पित किया आएगा, ग्रथात्:—

(1)	(2)	(3)
 वह गी	कृत काष्ठ, सभी प्रकार के, बाहे iट, स्लाक या किसी धन्य ध्राकार , जिसके धन्तर्गत सुसंस्कृत काष्ठ	मृत्य का बीस प्रतिशत"।
 भ हा की वर		

जितेग्द्र बद्धाः प्रवर सचिव

# No: 60/82—CENTRAL EXCISES

G.S.R. 119(E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry

of Finance (Department of Revenue) No. 55/79-Central Excises, dated the 1st March, 1979, namely:—

- In the said notification-
- (a) in the opening paragraph, for the words "plywood and boards", the word "goods" shall be substituted;
- (b) in the Table-
  - (i) against Sl. No. 2, in column (2), for the words "block boards", the words and brackets "block boards (including flush doors)" shall be substituted:
  - (ii) after Sl. No. 7 and the entries relating thereto, the following shall be instrted, namely:—

(1)	(2)		(3)
<del></del>			
160 T	7 11	4. 644	

"8. Improved wood, all sorts, Twenty per cent, ad valorem", whether in sheets, blocks or any other form, including articles of improved wood.

J. K. BATRA, Under Secy.

# सं० 61/82---केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा० का० नि० 120(ध्र).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-गृत्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदक्त प्रविनयां का प्रयोग करने हुए ऐसे माल को, जो केन्द्रीय उत्पाद-गृत्क घौर नमक प्रधिनियम. 1944 (1944 का 1) की पहली प्रानुसूची की मद सं० 68 के प्रन्तर्गत प्राते थे घौर जो ग्रव वित्त विधेयक 1982 के खंड 49 द्वारा, जो खंड प्रनंतिम कर संग्रहण प्रधिनियम. 1931 (1931 का 16) के प्रधीन उक्त विधेयक में की गर्ड घोषणा के घाधार पर विधि का बल रखता है, उक्त प्रानुसूची की मव सं० 16 खं में विनिर्दिष्ट किए गए हैं घौर जिनकी किरी विनिर्मात द्वारा या उसकी घोर से एक या घिषक कारखानों से, 28 करवरी, 1982 से प्रारम्भ होने वाली घौर 31 मार्च, 1982 को समाप्त होने वाली ध्रविक्ष के दौरान घरेलू उपभोग के लिए निकासी की गई है, वासठ हजार रुपए से प्रधिक मृत्य नक, छूट देती है:

परम्तु इस ग्रिक्ष्म्चना में ग्रन्सिविष्ट छूट ऐसे किसी विनिमत्ति को लागू नहीं होगी जिसकी एक या प्रधिक कारखाने से घरेलू उपयोश के लिए ऊक्त माल की निकासी 1 प्रप्रैल, 1981 से प्रारम्भ होने वाली भीर 27 फरवरी, 1982 को समाम्त होने वाली भवधि के दौरान. 13.75 लाख रुपए से प्रधिक हो गई हो।

#### No. 61/82---CENTRAL EXCISES

G.S.R. 120(E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts goods which were falling under Item No. 68 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944, (1 of 1944), and which have now been specified in Item No. 16B of the said Schedule by clause 49 of the Finance Bill, 1982, which clause has, by virtue of the declaration made in the said Bill under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931), the force of law, upto a value not exceeding rupces sixty two thousand cleared for home consumption during the period commencing on the 28th day of February, 1982 and ending on the 31st day of March, 1982, by or on behalf of a manufacturer from one or more factories;

Provided that the exemption contained in this notification would not be applicable to a manufacturer whose clearances of the said goods, for home consumption, from one or more factories during the period commencing on the 1st day of April, 1981 and ending on the 27th day of February, 1982, had exceeded Rs. 13.75 lakhs.

# सं० 62/82--- भोन्धीय अस्पाव-शुल्क

सांव काव निव 121(क्र).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियां का प्रयोग करने हुए, लुग्दी से उत्पादित ग्रीर केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क ग्रीर नमक प्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली भनुसूची की मद संव 17 की उपमद (1) ग्रीर (2) के अन्तर्गन आने वाले कागज ग्रीर कागज बोर्ड को, उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देली है यदि ऐसे कागज या कागज बोर्ड का उपयोग उत्पादन के कारकाने के भीतर ऐसे कागज या कागज बोर्ड के ग्रीर विनिर्माण के लिए किया जाना है जो उक्त मद संव 17 के ग्रन्तर्गत ग्राते हैं ग्रीर जिन पर उत्पाद-शुल्क या तो पूर्णत: या भाष्म उत्पाद है ।

# No. 62/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 121(E).— In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts paper and paper board produced out of pulp and falling under sub-items (1) and (2) of Item No. 17 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944(1 of 1944), from the whole of the duty of excise leviable thereon if such paper or paper board is used within the factory of production for further manufacture of paper or paper board, falling under the said Item No. 17 and on which duty of excise is leviable whether in whole or in part.

# सं० 63/82--कम्ब्रीय उत्पाद-शुरुक

सां० का० नि० 122(म), केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-णुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-णुल्क और नमक प्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली भनुसूची की मब सं० 17 की उपमद (2) के भ्रन्तगंत म्राने वाले रूपाल्तिन प्रकार के कागज और कागज बोडों को (ओ भिन्ति कागज, कला और कोम बांडे से भिन्न हैं), उन पर उद्यहणीय समस्न उत्पाद-णुल्क से छूट देतीं है, यदि ऐसे स्पान्तिन प्रकार के कागज-बोडे का उत्पादन ऐसे श्राधारी कागज या आधारी कागज बोडे से किया गया है जिन पर, यथास्थित, समुचित केन्द्रीय उत्पाद-णुल्क या सीमाणुल्क टैरिफ प्रधिन्तियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3 के भ्रधीन उद्गहणीय म्रानिरम्त एक्ट का संबाय कर विया गया है:

परस्तु यह तब जब कि ऐसे भ्राधारी कागज या श्राधारी कागज बोर्ड का उत्पादन उक्त रूपांतरित प्रकार के कागज या कागज बोर्ड के उत्पादन के कारखाने के भीतर लुग्दी से नहीं किया गया है।

स्पष्टीकरण:— इस श्रिक्षसूचना के प्रयोजन के लिए, उपत रूपांतरित प्रकार के कागज या कागज बोर्ड के वितिर्माण में प्रयोग किए गए श्राधारी कागज या श्राधारी कागज बोर्ड के बारे में यह माना जाएगा कि उस पर समुचित उत्पाद-शृक्क या सीमाशृक्क टैरिफ श्रिवितयम, 1975 की धारा 2 के श्रिवीन उद्ग्रहणीय श्रितिरक्त शृक्क का संदाय कर दिया गया है यदि उसका क्रिय बाजार से किया गया है।

#### No. 63/83—CENTRAL EXCISES

G.S.R. 122 (E),—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts converted types of paper and paper board (other than wall paper, art and chrome board) falling under sub-item (2) of Item No. 17, of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the duty of excise leviable thereon, if such converted type of paper or paper board has been produced out of base paper or base paper board on which the appropriate duty of excise or the additional duty leviable under section 3, of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), as the case may be has been paid:

Provided that such base paper or base paper board has not been produced out of pulp within the factory of production of the said converted type of paper or paper board.

Explanation.—For the purpose of this notification, the base paper or base paper board used in the manufacture of the said converted type of paper or paper board shall be deemed to have paid the appropriate duty of excise or the additional duty leviable under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975, if it is purchased from the market.

# स॰ 64/82--कॅग्ब्रीय उत्पाद-स्टक

साकका०कि० 123 (श्र).--केन्द्रीय गरकार, केन्द्रीय उत्पाद-गृहक नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रवत्त शिक्तियों का श्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-गृहक श्रीर नामक श्रव्धिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली धनुसूची की सब मं० 17 की उपमद (2) के श्रन्तांन श्राने श्राने डुप्ले पैपर बीर्ड को, उस पर उद्ग्रह्णीय समस्त स्राने द्वार हुप्ले पैपर बीर्ड को, उस पर उद्ग्रह्णीय समस्त स्राव-गृहक से निम्नलिखित गर्तों के श्रवीन रहने हुए छुट देती है, श्रथीन:-

- (i) किसी ऐसे अधिकारी के जो सहायक केस्द्रीय उत्पाद-शृहक कलक्टर की पिक्ष में गीर्ब का न हो, समाधानप्रद रूप में यह साजित ही आता है कि ऐसा इस्ते पैपर बोई ऐस निम्न धनन्य पालिएथिलीन पटलित कागज से जिसका दूध को पैक करने के लिए प्रयोग किया जाता है, निनिर्माण में प्रयोग के लिए शासित है; और
- (ii) केन्द्रीय उत्पाद-गुरुक नियम, 1944 के प्राध्याय 10 में उपवर्णित प्रक्रिया का प्रजुक्तण किया गया है।

### No. 64/82-- CENTRAL EXCISES

G.S.R. 123 (E).— In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts duplex paper board, falling under sub-item (2) of 1tem No. 17 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944, (1 of 1944), from the whole of the duty of excise leviable thereon subject to the following conditions, namely:—

- (i) it is proved to the satisfaction of an officer not below the rank of an Assistant Collector of Central Excise that such duplex—paper board is required for use in the manufacture of low density polyethylene laminated.
- (ii) the procedure set out in Chapter X of the Central Excise Rules, 1944 is followed.

# सं० 65/82--भेनिया उत्पाद-शुरुक

साठ काठ नि० 124 (म) केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-णुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) हारा प्रदस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद णुल्क घीर नमक श्राधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली श्रनुसूची की मद सं० 17 के श्रन्तगैत श्राने वाले निम्न घनस्य पालिएधिनीन से पटिलन कागज की, उस पर उद्प्रहणीय समस्त उत्पाद णुल्क से इस गर्त के प्रधीन रहने हुए कि ऐसा कागज बुध को पैक करने के लिए श्रामित है. छूट वेती है।

# No. 65/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 124 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules 1944, the Central Government hereby exempts paper laminated with low density polyethylene, falling under Item No. 17 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the duty of excise leviable thereon subject to the condition that such paper is intended for packaging of milk.

# सं० 66/82--कोन्द्रीय उत्पाद-शत्क

साठ काठ निरु 125(क). केन्द्रीय संग्कार, केन्द्रीय उत्पाद-शुरूक नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदक्त शक्तियों को प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय उत्पाद-मृत्का भीर नमक अधिनियमः 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद संव 17 की उपमद (4) के अरक्षर्यन आने वाली कागज या कागज बोर्ड की बरन्क्ष्रों को उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-मृत्क से छूट देती है.

परन्तु ऐसी कोई छूट मुद्रित अवसों और मुक्षित कार्टनों को (जिनके ग्रन्तर्गत ज्ञारेट और मुद्दे हुए मुद्रित बनसों प्रौर विषटे या मुद्रे हुए मुद्रित कार्टन है) चाहे से समुच्ययित या प्रसमुञ्चयित दणा में हों, लागू नहीं होगी होगी।

#### No. 66/82--CENTRAL EXCISES

G.S.R. 125 (£).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules. 1944, the Central Government hereby exempts articles of paper or paper board, falling under sub-item (4) of Item No. 17 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the duty of excise leviable thereon:

Provided that no such exemption shall apply to printed boxes and printed cartons (including flattened or folded printed boxes and flattened or folded printed cartons) whether in assembled or unassembled condition.

# सं० 67/82 -- कोन्द्रीय जस्याव-शुल्क

सांक्षां कि 126 (म्र). --- केन्द्रीय संक्षार, केन्द्रीय उत्पाद-गृहक नियम. 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत मिन्द्रों का प्रयोग करते हुए, फेन्द्रीय उत्पाद-गृहक और नमक भ्रिभिनयम, 1944 (1914 का 1) की पहनी अनुसूची की मद सं । 17 की उपमद (4) के भ्रत्यांन याने वाली कराज या कागज बार्ड की वस्तुओं की, उम पर उद्ग्रहणीय उनने उत्पाद-शृहक से जो मूल्य के पन्द्रह प्रतिभाग में भ्राधिक है, द्वम भाते के भ्राधीन रहने हुए छूट देती है कि, उनके विनिर्माण में प्रयुक्त भ्राधारी कराज या आधारी कागज बोर्ड के वारे में यथा स्थिति समुचिन उत्पाद शृहक या सीमाभुवक टैनिए श्रिधिनयम 1975 (1975 का 51) की धारा 3 के अधीन उद्ग्रहणीय भतिरिक्त भृहक का मंदाय पहले ही कर विणा गया है

परन्तु इस प्रधिस्चना की कोई बात ऐसे वितिमीना का लागू नहीं होंगी जो प्राधारी कागज या प्राधारी कागज बोई पर संदन गुल्क के बारे में केन्द्रीय जन्माद-गुरुक निमय, 1944 के नियम 56 क के प्रधीन निहित्र प्रक्रिया का लाभ उठाना है।

स्पष्टीकरण- - इस प्रधिमूचमा के प्रयोजन के लिए, उक्त वस्तुओं के विनिर्माण में प्रयुक्त घाधारी कागज या श्राधारी कागज बोर्ड के बारे में यह माना जाएना कि उस पर समुजित उत्पाद-शुल्क या सोमाणुक्त टैन्कि प्रधिनियम, 1975 की धारा 3 के प्रधीन उद्यहणीय ध्रनिरिक्त शुरू का संदाय कर दिया गया है यदि उसका क्रय बाजार में किया गया है।

# No. 67/82-CENTRAL FXCISES

G.S.R. 126(E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts articles of paper or paper board, falling under sub-item (4) of Item No. 17 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of fifteen per cent. ad valorem subject to the condition that the appropriate duty of excise or additional duty leviable under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), as the case may be, has already been paid in respect of the base paper or base paper board used in their manufacture:

Provided that nothing contained in this notification shall apply to a manufacturer who avails of the special procedure prescribed under rule 56A of the Central Excise Rules 1944, in respect of the duty paid on the base paper or base paper board.

Explanation.—For the purpose of this notification, the base paper or base paper board used in the manufacture of the said articles shall be deemed to have paid the appropriate duty of excise or the additional duty leviable under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975, if it is purchased from the market.

# मं ० 68/82--केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

साठ काठ किठ 127(अ)— केन्द्रीय मरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शृक्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय उत्पाद-शृक्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद संठ 17 की उपमद (4) के अन्तर्गत आने वाले मुद्दित कार्ड बोर्ड बक्सों को (जिनके अन्तर्गत चपटे या मुद्दे हुए मुद्रित कार्ड बोर्ड बक्सों को (जिनके अन्तर्गत चपटे या मुद्दे हुए मुद्रित कार्ड बोर्ड बक्सों के समुख्यित या असमुख्यित दशा में हों, उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शृक्क से, इस शर्त के अधीन रहते हुए छूट देती है कि ऐसे मुद्रित कार्ड बोर्ड बक्से दियामलाईयों की पैकिंग के लिए ग्राणस्त हैं।

#### NO. 68/82—CENTRAL EXCISES

G.S.R. 127(E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts printed card board boxes (including flattened or folded printed card board boxes) whether in assembled or unassembled condition, falling under sub-item (4) of Item No. 17 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the duty of excise leviable thereon subject to the condition that such printed card board boxes are intended for packing of match sticks.

# सं० 69/82---केन्द्रीय उत्पाद-शुरूक

साठ काठ निर्व 128(छ)— कंन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदन्त मक्तियों का प्राणेग करने हुए, ऐसे माल की, जी केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक प्राधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली भ्रमुसूची की मद सं० 68 के धन्तर्गल आमे थे और जो ग्रव विकास विधेयक 1982 के खण्ड, 49 द्वारा जो खण्ड अनंतिम कर संग्रहण प्रधिनियम, 1931 (1931 का 16) के अधीन उक्त विधेयक में की गई घोषणा के प्राधार पर विधि का बल रखता है, उक्त अनुसूची की मद सं० 17 में विनिद्दिष्ट किए गए हैं, और जिसकी किसी विनिर्माता द्वारा या उसकी भ्रोर में एक या घष्टिक कारखानों से 28 फरवरी, 1982 से प्रारम्भ होने वाली और 31 मार्च, 1982 की समाध्त होने वाली और 31 मार्च, 1982 की समाध्त होने अविधि के घौरान घरेलू उपभोग के लिए निकासी की गई है, बासठ हजार काए से धनिधक मूल्य तक छुट वेती है:

परन्तु इस प्रक्षिम्चना में प्रन्तिष्ट छूट ऐसे किसी विनिर्माता को लागू नहीं होंगी जिसकी एक या प्रधिक कारखाने से घरेलू उपभोग के लिए उक्त माल की निकासी 1 प्रप्रैल, 1981 से प्रारम्भ होने वाली और 27 फरवरी, 1982 को समाप्त होने वाली प्रविधि के दौरान 13 75 लाख रुपए से प्रधिक हो गई हो।

#### No. 69/82--CENTRAL EXCISES

G.S.R. 128 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts goods which were falling under Item No. 68 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and which have now been specified in Item No. 17 of the said Schedule by clause 49 of the Finance Bill, 1982, which clause has, by virtue of the declaration made in the said Bill under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931), the force of law, upto a value not exceeding rupees sixty-two thousand cleared for home cousumption during the period commencing on the 28th day of February, 1378 G1/81—4

1982, and ending on the 31st day of March, 1982, by or on behalf of a manufacturer from one or more factories:

Provided that the exemption contained in this notification shall not be applicable to a manufacturer whose clearances of the said goods, for home consumption, from one or more factories, during the period commencing on the 1st day of April, 1981, and ending on the 27th day of February, 1982, had exceeded Rs. 13.75 lakhs.

# सं० 70/82-के ब्रोध उत्पाद-शुल्क

साठ काठ पिठ 129(म्र).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय-उत्पाद-णुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवक्त णिक्तयों का प्रयोग करने हुए यह निर्देण देनी है कि इसमे उपाग्ध मारणी के स्तम्म (2) में विनिर्दिण्ट, भारत मरकार के विन्त मंत्रालय, यथास्थिति, (राजस्व घौर बीमा विभाग) या (राजस्व विभाग) की प्रधिस्चनाएं, उक्त सारणी के स्नम्भ (3) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिण्ट रीति में भीर मंगीधित की जार्थेगी

#### सारणी

 फ़्ल्ल	· · · प्रधिसूचना मं० भ्रीर नारीख	मंगोधन
(3)	(2).	(3)
	76-केन्द्रीय उत्पाद-शृल्क अर्था 16 मार्ज 1976	उक्त घधिसूचना से उपाबस्य सारणी में कम सं० 3क ग्रीप 4 ग्रीर उनमें सुम्बस्य प्रविस्टियों का लोग किया जायेगा।
	78-फेन्द्रीय उत्पाद-णुल्क. म्ब 24 जनवरी, 1978	उक्त प्रधिसृचना में उपाबंद सारणी की कम सं० 2 के स्तम्भ (3) में, "30 प्रति- प्रात मूल्यानुसार" प्रकों और प्रक्षरों के स्थान पर "32.5 प्रतिशत मूल्यानुसार" प्रक ग्रीर ग्रक्षर रखे जायेंगे।

# No. 70/82—CENTRAL EXCISES

G.S.R. 129 (E).— In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby directs that the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) or (Department of Revenue), as the case may be, specified in column (2) of the Table hereto annexed shall be further amended in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

#### TABLE

SI. No.	Notification No.	Amendment
(1)	(2)	(3)
	the 16th March,	In the Table annexed to the said notification, Serial Nos 3A and 4 and the entries relating thereto shall be omitted;

 15/78—Central Excises, dated the 24th January, 1978. In the Table annexed to the said notification, in Serial No. 2, in column (3), for the figures and word "30% advalorem", the figures and word "32.5% ad-valorem" shall be substituted.

# सं० 71/82- नेन्द्रीय उत्पाद-शुक्त

सार कार कि 130(म) .-- केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय-उत्पाद-सुरुक नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवत्त सन्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की प्रियस्ता सं 108/81-केन्द्रीय उत्पाद-सुरुक तारीख 24 मप्रैल, 1981 में निम्मलिखित संशोधन करती है, मर्थाल्:--

उक्त अधिसूचना के पहले परन्तुक में खण्ड (1) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जायेगा, अर्थात्:---

"(1) उक्त माल का विनिर्माण उसी कारखाने के भीतर जिसमें उक्त माल का विनिर्माण किया गया है उत्पादित लुग्वी से किया गया है जिसमें बास या काष्ठ से या दोनों के मिश्रण से तैयार की गई लुग्वी भार में प्रवहत्तर प्रतिशत से कम नहीं है।"

#### No. 71/82—CENTRAL EXCISES

G.S.R. 130 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following mamendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 108/81— Central Excises, dated the 24th April, 1981, namely:—

In the said notification, in the first proviso, for the clause (i), the following clause shall be substituted, namely,—

"(i) the said goods are manufactured out of pulp containing not less than seventy-five per cent, by weight of pulp made from bamboo or wood or from a mixture of both, produced within the same factory in which the said goods are manufactured;"

# सं० 72/82--नेन्त्रीय जस्याद-शरक

सा० का० कि० 131(थ).—केन्द्रीय उत्पाद सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-सुस्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के यथास्थिति वित्त मंत्रालय (राजस्व भीर बीमा विभाग या राजस्व विभाग) या राजस्व धीर वैकिंग विभाग, की निम्नलिखित प्रधिसूचनाश्रों को विखण्डित करती है, प्रधात्:——

- 1. सं० 46/71-केन्द्रीय उत्पाद-कुल्क तारीख 24 मप्रैल 1971
- 2. सं॰ 25/76-केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क, तारीख 9 फरवरी 1976
- सं० 184/76-केन्द्रीय उत्पाद-शृहक, तारीख 27 सई 1976
- 4. सं० 71/77-केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क, तारीख 28 मप्रैल 1977
- 5. सं॰ 175क/80-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, सारीख 10 नवम्बर 1980

वी० लक्ष्मी कुमारम्, मवर सचिव

#### No. 72/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 131(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby rescinds the following notifications of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance or Department of Revenue), or the Department of Revenue and Banking, as the case may be, namely:—

1. No. 46/71—Central Excises, dated the 24th April, 1971.

- 2. No. 25/76—Central Excises, dated the 9th February, 1976.
- 3. No. 184/76—Central Excises, dated the 27th May, 1976.
- No. 71/77—Central Excises, dated the 28th April, 1977.
- No. 175A/80—Central Excises, dated the 10th November, 1980.

V. LAKSHMI KUMARAN, Under Secry

# सं ० 73/82-केन्सीय उत्पाद-शुल्क

सा० का० नि० 132(भा) -- केन्द्रीय सरकार अतिरिक्त उत्पाद-णुरुक (टैक्सटाइल और टैक्सटाइल वस्तू) प्रश्निनियम, 1978 (1978 का 40) की धारा 3 की उपधारा (3) ग्रीर वित्त विधेयक 1982 के खण्ड 50 के उपखण्ड (4) जो खण्ड ममंतिम कर-संग्रहण प्रधिनियम 1931 (1931 का 16) के भधीन उक्त विभेषक में की गई वीषणा के माधार पर विधि का बल रखता है के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शृहक नियम 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) हारा प्रवन शक्तियो का प्रयोग फरते हुए भौर भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व ग्रीर धीमा विभाग) की ग्रधिसूचना सं० 28/75-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, लारीखा 1 मार्च 1975 भौर वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की मधिसूचना सं० 171/80-केन्द्रीय उत्पाव-शुल्क, तारीख नवस्थर 1980 को ग्राधिकांत करते हुए केन्द्रीय उस्ताद-शुरुक ग्रीर समक ग्राधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं० 18 के अन्तर्गत म्नाने वाले भीर इससे उपावद्ध सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट कृत्रिम फाइबर ग्रीर सूत की, जो संध्यूनित से भिन्न हैं केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क धौर नमक अधिनियम 1944 (1944 श्रीतिरिक्त उत्पाद-गुल्क (टैक्सटाइल ग्रीर टैक्सटाइल वस्तु) ग्रधिनियम 1978(1978 का 40) की धारा 3 की उपधारा (1) ग्रीर उक्त वित्त विधेयक के खण्ड 50 के उपखण्ड (1) के ग्रधीन उस पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से छूट देती है जो उसके स्तम्भ (3) में तहस्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट गुल्क से श्रधिक है।

# भारणी

अम	सं०	वर्णन				मुहक
_(	1)	(2)				(3)
				<u></u>	77,0	प्रति कि०ग्रा०
1.	सेल्ल	ीसी मूल का स्टेपिल का <b>दव</b> र	मीर	टो~~		
		विस्कीस फाइनर				4.00
	(स्त्र)	उच्च निष्पादन वाला विस	कोस '	फाइबर		4.00
	(ग)	उच्च लगिष्णुसा वाला विस	कोस '	काइवर		4.00
	(ष)	उच्च नम मापांक विस्कोस	फाइ	रि ,		4.00
	<b>(*</b> )	पोलिमोखिक फाइबर				4.00
2.	प्रसर	नुलोसी मूल का स्टेपिल फा	इबर	भौर टो		•
	(軒)	पोलिएस्टर फाइकर				45.00
	(खा)	) एकिलिक फाइबर		•		30,00
		भग्ध .		•	•	37,50
	पुरस	नु एकिलिक फाइबर को	उस ।	पर उद्ग्रहण	ीय उतन	उत्पाद-शुल्क म

परन्तु एकिलिक फाइबर को उस पर उब्ग्रहणीय उतने उत्पाद-शृहक से छूट होंभी जो सकह रुपये पचास पैसे प्रति किलोग्राम से अधिक है यदि ऐसा एकिलिक फाइबर भारत में उत्पादित एकिलो-नाइट्रिल से विनिर्मित किया गया है।

- 3. कृतिम फिलाभेंट सूस जिसमें पूर्णनः सेसुलीसी व्युत्माव या पुनर्योजिस सेसुलीस या बोनों हों :-
- (क) एसीटैंट सूत

1	2	3
(i)	75 डेनियर से कम	15.56
(ii) <sup>.</sup>	75 डेनियर भौर उससे भक्षिक किन्तु 100	
	डेनियर से कम ,	11.69
	100 डेनियर घौर उससे प्रधिक किन्तु 120 डेनियर से कम	ช. 69
	120 डेनियर घोर अससे श्रधिक किन्तु 150 डेनियर से कम	6,00
(v)	150 डेनियर भौर उसमें श्रधिक किन्तु 350 डेनियर से कम	5.56
(vi)	350 डेनियर घीर उससे मधिक किन्तु 1100	
/::\	डेनियर से धनधिक	4.56
•	1100 डेनियर से प्रक्षिक	3.19
, .	मन्य .	
` '	) 75 डेनियर से कम	21.38
(11	) 75 डेनियर और उससे प्रधिक किंतु 100 डेनियर से कम	13.88
(iii	) 100 डैनियर भीर उससे श्रधिक किन्सु 120	
	डेनियर से कम	9.94
(iv)	120 डेनियर भौर उससे मधिक किन्सु 150 डेनियर से कम	8.25
(v)	150 डेनियर ग्रीर उससे ग्रीधक किन्तु 350 डेनियर से कम	7,06
(vi)	350 डेनियर और उससे भ्रधिक किन्तु 1100	
	डेनियर में अपधिक	4,75
(vii	) 1100 डेनियर से श्रक्षिक	3.13
4.	ग्रन्थ सं <del>थिलक्ट सूत</del>	भूर्य
(斬	) कृश्चिम मैटेलिक सूत	
	परन्तु यह छूट केवल ऐसे कृष्टिम मेटेलिक सूत को लागू होगी जिसके विनिर्माण में ऐसे पौलिएस्टर फिल्म या मैटेलाईज्ड पालिएस्टर फिल्म का उप-योग किया गया है जिस पर, यथास्थिति, समुचित उत्पाद-शुल्क या सीमाशुल्क टेप्फि प्रक्षितियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3 के प्रधीन उद्यह्मशीय अतिरिक्त शुल्क का गहले ही संवाय कर दिया गया है।	
≠पर्स्वरक		र सम <del>्ब</del> ित

स्पद्धीकरण—\* १स परम्तुक के प्रयोजन के लिए ऐसे फिल्म पर समुचित उत्पादण्डक या उक्त धारा 3 के घ्रधीन उद्ग्रहणीय प्रतिरिक्त णुडक के बारे में यह नाना जाएगा कि उसका संवाय कर विया गया है, यदि उसका क्रम क्षाजार से किया गया है।

(ख) पोलीमाइड (नाईलोन) सूत	
(i) 35 डेनियर में कम	73.50
<ul> <li>(ii) 35 डेनियर ग्रीर उससे ग्रधिक किन्तु 80 ।</li> <li>डेनियर से कम</li> </ul>	64.75
(iii) 80 <b>डेनियर भौ</b> र उससे भ्रधिक किन्तु 110 डेनियर से कम	50 AA
आनयर म कम (iv) 110 <b>डे</b> नियर भीर उसमे भ्रधिक किन्तु 150	56.00
<u> </u>	47.25

1	2	3
	(V) 150 डेनियर घीर उससे घ्रधिक किन्तु 750 डेनियर से घनधिक	24.50
(ग	(vi) 750 क्षेनियर से भ्रधिक )पोलिएस्टर सूत	8.13
	(i) 30 <b>केनियर से</b> कम	96.25
	<ul><li>(ii) 30 डेनियर श्रीर उससे घधिक किन्सु 75 डेनियर से कम</li></ul>	87.50
	(iii) 75 डेनियर ग्रीर उससे भिभिक किन्तु 100 डेनियर से कम (iv) 100 डेनियर भीर उससे मधिक किन्तु 750 डेनियर से प्रमधिक	78.75 61.25
(ម	(v) 750 डेनियर से झिंधक )म्रन्य—	18.75
	(i) 30 डेनियर से कम	70.00
	<ul><li>(ii) 30 डेनियर ग्रीर उससे उधिक किन्तु 75 डेनियर से कम</li></ul>	61.25
	(iii) 75 डेनियर घीर धससे अधिक किल्तु 100 डेनियर से कम	. 43.75
	(iv) 100 बेनियर भीर उससे मधिक किन्तु 750 बेनियर से मनधिक	35.00
	(v) 750 <b>डै</b> नियर से घघिक	6.25

परन्तु विभक्त (स्पिलट) सूत को उस पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद पुल्क से छूट होगी यदि ऐसे विभक्त सूत का उत्पादन ऐसे "विभक्त सूत के लिए मातृ (मदर) सूत" से किया गया है जिस पर, यथास्थिति, समुचित उत्पाद-शुल्क या सीमाशुल्क टैरिफ ग्रिधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3 के ग्रधीन ग्रितिरिक्त शुल्क का पहले ही संवाय कर विया गया है।

स्पष्टीकरण - - इस प्रधिसूचना के प्रयोजनों के लिए "विश्वन्त सूत के लिए मातृ सूत" के मामले में डेनियर (निम्नतर डेनियर का) एकल मोनो फिलामेंट सूत, जिसमें मातृ सूत हो, का डेनियर होगा:

परन्तु यह भौर िक इस प्रकार उद्ग्रहणीय शुल्क की रक्षम केन्द्रीय उस्पाय-शुल्क भौर नमक प्रक्षिनियम, 1944 (1944 का 1), भ्रतिरिक्त उत्पाद-शुल्क (टैक्सटाइल भौर टैक्सटायल वस्त्र) भ्रिधिनियम, 1978 (1978 का 40) भौर विस्त विधेयक, 1982 के खण्ड 50 के भ्रधीन उद्ह्यहणीय शुल्क के बीच क्रमशः 100: 15: 10 के भ्रभुपात में प्रभाणित किया जाएगा।

# No. 73/82—CENTRAL EXCISES

G.S.R. 132 (E):—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with subsection (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Textiles and Textile Articles) Act, 1978 (40 of 1978) and sub-clause (4) of clause 50 of the Finance Bill, 1982, which clause has, by virtue of the declaration made in the said Bill under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931), the force of law, and in supersession of the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 28/75—Central Excises, dated the 1st March, 1975, and Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 171/80—Central Excises, dated the 1st November, 1980, the Central Government hereby exempts man-made fibres and yarns, other than textured, falling under Item No. 18 of the

First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and specified in column (2) of the Table hereto annexed, from so much of the duty of excise leviable thereon under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), sub-section (1) section 3 of the Additional Duties of Excise (Textiles and Textile Articles) Act, 1978 (40 of 1978) and sub-clause (1) of clause 50 of the said Finance Bill, as is in excess of the duty specified in the corresponding entry in column (3) thereof.

#### **TABLE**

Sl. No.	Description -	Duty
(1)	(2)	(3)
		Rs. pçr Kg.
1. S	taple fibre and tow of cellulosic origin -	
(a	a) viscose fibre	4.00
(1	b) high performance viscose fibre	4.00
(	e) high tenacity viscose fibre	4.00
(	d) high wet modulus viscose fibre	4,00
	e) polyno ic fibre Staple fibre and tow of non-cellulosic origin	4.00
(	a) polycster fibre	45.00
(	b) acrylic fibre	30,00
(	e) others	37.50

Provided that acrylic fibre shall be exempted from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of rupees seventeen and paise fifty per kilogram if such acrylic fibre has been manufactured from acrylonitrile produced in India.

3. Man-made filament yarn, consisting entirely of cellulosic derivatives or regenerated cellulose or both-

15.56
11.69
8.69
0.00
5,56
4.56
3,19
21,38
13.88
9. <b>9</b> 4
8.25
7 06

	- <u> </u>	<del>-</del> -
(1)	(2)	(3)
	(vi) 350 deniers and above but not above 1100 deniers	4.75
	(vii) above 1100 deniers	3.13
4. Ot	her synthetic yarn	
(a)	Man-made metallic yarn	Nij
	ovided that this exemption shall be applicable only to such man-made metallic yarn in the manufacture of which polyester film or metallised polyester film on which the appropriate duty of excise or, as the case may be, the additional duty leviable under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), has already been paid is used.	
E	appropriate duty of excise or additional duty leviable under the said section 3 on such film, shall be deemed to have been paid if it has been purchased from the market.	
(b	) Polyamide (nylon) yarn-—	
	(i) below 35 deniers	73 50
	(ii) 35 deniers and above but below 80 deniers	64.75
	(iii) 80 deniers and above but below 110 deniers	56.00
	(iv) 110 deniers and above but below 150 deniers	47.25
	(v) 150 deniers and above but not above 750 deniers	24.50
	(vi) above 750 deniers	8,13
(	c) Polyestern yarn— (i) below 30 deniers	96, 25
	(ii) 30 deniers and above but below 75 deniers	87,50
	(iii) 75 deniers and above but below 100 deniers	78.75
	(iv) 100 deniers and above but not above 750 deniers	61.25
	(v) above 750 denies	18.75
	(d) Others—	
	(i) below 30 deniers	70.00
	(ii) 30 deniers and above but below 75 deniers	•
	(iii) 75 deniers and above but below 100 deniers	
	(iv) 100 deniers and above but not above 750 deniers	35,00
	(v) above 750 deniers	6,25;

Provided that split yarn shall be exempt from the whole of the duty of excisc leviable thereon, if such split yarn has been produced from 'mother yarn for split yarn' on which the appropriate duty of excise or, as the case may be, the additional duty leviable under section 3 of the Cystoms Tariff Act, 1975 (51 of 1975), has already been paid.

Explanation.—For the purposes of this notification, in the case of 'mother yarn for split yarn', the denier shall be the denier of the single mono-filament yarn (of the lowest denierage) comprising the mother yarn:

Provided further that the amount of duty so levied shall be apportioned in the ratio of 100: 15:10 between the duty leviable under the Central Excises and Salt Act 1944 (1 of 1944), the Additional Duties of Excise (Textiles and Textile Articles) Act, 1978 (40 of 1978) and clause 50 of the Finance Bill, 1982, respectively.

# सं ० 74/82-के स्ट्रीय उस्पाद-शुस्क

सारकार्शन 133 (अ) — केन्द्रीय गरकार, केन्द्रीय उथ्पाद-मूल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त भक्तियों का प्रयाग करने हुए, केन्द्रीय उत्पाद-मूक्क श्रीर नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली श्रनुसूत्री की मद सर 18 III(ii) श्रीर 18% (Iii) के श्रन्तर्गत झाने वाले कमणः मेलूलोमीक कता सूत और कपाय के सूत को उन पर उद्ग्रहणीय उनने उत्पाद-मूल्क से छूट देती है जितना छह भएए प्रति किलोग्राम से अधिक है

परन्तु यह तब जब कि, यथास्थिति उन्त सेलूलोमीक कता सूर्त था कपास के भूत में कुल फाइबर अन्तर्थस्तु के आक्षार पर परिकलित. असेलूलोसीक मूल के इतिम फाइबर भार में एक बटा छह से अधिक नहीं है:

ारन्तु यह धौर कि ४ग धिधमूचना में अन्तिविष्ट छूट । मार्च, 1983 को या उसके पण्चान् लाग् नहीं होगी।

#### No. 74/82---CENTRAL EXCISES

G.S.R. 133(E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts cellulosic spun yarn and cotton yarn, falling under Item Nos. 18 III(ii) and 18A(ii), respectively, of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of six rupees per kilogram:

Provided that the said cellulosic spun yarn or cotton yarn, as the case may be, does not contain more than one-sixth by weight of man-made fibres of non-cellulosic origin calculated on the total fibre content:

Provided further that the exemption contained in this notification shall not apply on or after the 1st day of March, 1983,

#### सं० 75/82--कोखीय उत्पाद-शुरुक

साल्कालिक 134(अ).--केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदन्त णिक्तयों का प्रयोग करत हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक प्रधिनियम, 1914 (1944 का 1) की पहली भनुसूची की सब संव 18 III(ii) और 18क(ii) के अन्तर्गत ग्राने वाले कमण: मैलूलोसीक कता सूत भीर कपाम के सून की, उन पर उद्शहणीय उनने उत्पाद-गुल्क से छूट देशी है जो नौ कपए प्रति किलोग्राम से प्रधिक है।

#### No. 75/82 - CENTRAL EXCISES

G.S.R. 134(E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts cellulosic spun yarn and cotton yarn, falling under Item Nos. 181II(ii) and 18A(ii) respectively, of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of nine rupees per kilogram.

# सं० 76/82--केन्द्रीय अत्याद-शुरुक

साक्तावित 135(म्न).—फेन्डीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शृहक नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) बारा प्रवत्त लिक्नयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शृहक श्रीर नमक श्रिधिनयम, 1944 (1944 का 1) की पहली श्रनुमूखी की मद संव 18 के श्रन्तर्गत श्राने वाले श्रमेलूलोसीक कर्ने सूत्र को जिसमें पालिएस्टर फाइयर भार के श्राधार पर प्रधानना में है, उस पर उद्गहणीय उतने उत्पाद-शृहक से छूट देनी है जिनना श्रठारह रुपए प्रति किलोग्राम से श्रधिक है:

परन्तु इस प्रधिमूचना में प्रन्तिषष्ट छूट उक्त धरीलूलोमीक के सूत्र को तब लागू नही होगी यदि उसमें——

- (i) पालिएस्टर फाइबर 70 प्रतिशत या उससे श्राधिक है ; या
- (ii) भैल्लोमीक मूल के पालिएस्टर कपास और कृतिम फाइबर से भिन्न फाइबर हैं।

#### No. 76/82—CENTRAL EXCISES

G.S.R. 135(E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts non-cellulosic spun yarn in which polyester fibre predominates in weight, falling under Item No. 18F. of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of eighteen rupees per kilogram:

Provided that the exemption contained in this notification shall not apply to the said non-cellulosic spun yarn, if it -

- (i) contains 70 per cent or more of polyester fibre, or
- (ii) contains fibres other than polyester, cotton and manmade, fibres of cellulosic origin.

# सं० 77/82-केन्द्रीय उत्पाद-शुरुक

सारकार्शन 136(अ).—केन्द्रीय गरकार, श्रतिस्थित उत्पाद-शुल्क (विशेष महत्व का माल) श्रधिनियम, 1957 (-1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पटित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय राजस्व विभाग की श्रधिसूचना सर्व 226/77—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 15 जुलाई, 1977 का निम्नलिखित श्रीर संशोधन करती है, श्रथीन्:—

उक्त भ्रधिसूचना मे,---

(i) तीसर परत्नुक के पण्चात् निम्नलिखित परन्तुक ग्रन्त.स्थापित किया जाएगा, ग्रर्थात्:--

''परन्तु यह क्षीर भी कि इस क्रिक्स्चना की कोई बात सूती फैक्रिक के टुफड़ो क्षीर चिथड़ों को लागू नही होगी।'' ;

- (ii) स्पष्टीकरण । मे, खड (ग) के पण्णान् निम्नालिखित खंड प्रन्त-स्थापित किए जाएंगे, प्रथीत्:—-
- (घ) "द्कड़े" से अभिप्रेत है--
  - (i) विनिर्माण (जिसके धन्तर्गत प्रसस्करण भी है) या पैक करने या नमृते लेने के प्रसामान्य प्रमुक्तम के धौरान उत्पन्न सूक्षी फैक्किक के बस्तुत: कटे टुकडे (जिसके धन्तर्गत नौलियों के कटे टुकड़े नहीं हैं) जो, जहां फैक्किक की चौड़ाई एक मीटर या उससे प्रधिक हो बहां 45 मेटी-मीटर या उससे प्रधिक किन्तु 90 सेंटीमीटर से प्रमधिक प्रीर जहां फैक्कि की चीड़ाई एक मीटर से कम हो बहां 65 सटीमीटर या उससे प्रधिक किन्तु 135 सेंटी-मीटर से घनधिक लम्बे हों;

- (ii) कटे-फटे सूती फैब्रिक (जिनके अन्तर्गत कटे-फटे तौलिए नहीं हैं) जो, जहां फैब्रिक की चौड़ाई एक मीटर या उससे अधिक हो वहां 45 सेंटीमीटर या उससे अधिक किन्तु 90 सेंटीमीटर से अनिधिक, और जहां फैब्रिक की चौड़ाई एक मीटर से कम हो वहां 65 सेंटीमीटर या उससे अधिक किन्तु 135 सेंटीमीटर से अनिधिक लम्बे हों ; और
- (iii) कटी-फर्टा घोतियों या साड़ियों से काटे गये कटे टुकड़े जो, जहां फैकिक की चौड़ाई एक मीटर या उससे प्रधिक हो वहां 45 मेंटीमीटर या उससे प्रधिक किन्तु 90 सेंटीमीटर से प्रनिधक, धौर जल्ला फैकिक की, चौड़ाई एक मीटर से कम हो वहां 65 सेंटीमीटर या उससे ग्रिधक किन्तु 135 सेंटीमीटर से ग्रनिधक लम्बे हों;

# (ङ) "चिथड़े" से झिभिन्नेत है,---

- (i) विनिर्माण (जिसके धन्तर्गन प्रसंस्करण भी हैं) या पैक करने या नमूने लेने के प्रसामान्य धनुक्रम के दौरान उत्पन्न सूती फैंक्रिक के बस्तुतः कटे टुकड़े जो, जहां फैंक्रिक की चौड़ाई एक मीटर या उससे प्रधिक हो बहा 23 सेंटीमीटर से ध्रधिक किन्तु 45 सेंटीमीटर से कम, धौर जहां फैंक्रिक की चौड़ाई एक मीटर से कम हो बहां 23 सेंटीमीटर से ध्रधिक किन्तु 65 सेंटीमीटर मे कम लम्बे हों, धौर
- (ii) कटे-फटे या घटिया सूती फैब्रिक के कटे टुकंड़े जो, जहां फैब्रिक की घोड़ाई एक मीटर या उनसे प्रधिक हो वहां 23 सेंटीमीटर से प्रधिक किन्तु 45 सेंटीमीटर से कम, और जहां फैब्रिक की चौड़ाई एक मीटर से कम हो बहां 23 सेंटीमीटर से अधिक किन्तु 65 मेंटी-मीटर से कम लम्बे हों।

#### No. 77/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 136(E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No.226/77\_Central Excises, dated the 15th July, 1977, namely:—

In the said notification,-

- (i) after the third proviso, the following proviso shall be inserted, namely:—
   "Provided also that nothing contained in this notification shall apply to fents and rags of cotton fabrics.";
- (ii) in Explanation I, after clause (c), the following clauses shall be inserted, namely:—

#### '(d) "fents" means--

- (i) honafide cut-pieces of cotton fabrics (excluding cut-pieces of towels) of length 45 centimetres or more but not exceeding 90 centimetres where the width of the fabric is one metre or more, and of length 65 centimetres or more but not exceeding 135 centimetres, where the width of the fabric is less than one metre, arising during the normal course of manufacturing (including processing) or packing or drawing samples;
- (ii) damage cotton fabrics (excluding damage towels) of length 45 centimetres or more but

- not exceeding 90 centimetres, where the width of the fabrics is one metre or more, and of length 65 centimetres or more but not exceeding 135 centimetres, where the width of the fabrics is less than one metre; and
- (iii) cut-pieces of length 45 centimetres or more but not exceeding 90 centimetres, where the width of the fabric is one metre or more, and of length 65 centimetres or more but not exceeding 135 centimetres, where the width of the fabric is less than one metre, cut from damaged dhoties or sarees:

# (e) "rags" means-

- (i) bonafide cut-pieces of cotton fabrics of length more than 23 centimetres but less than 45 centimetres, where the width of the fabrics is one metre or more, and of length more than 23 centimetres but less than 65 centimetres, where the width of the fabrics is less than one metre, arising during the normal course of manufacturing (including processing) or packing or drawing samples; and
- (ii) cut-pieces of damaged or sub-standard cotton fabrics of length more than 23 centimetres but less than 45 centimetres, where the width of the fabrics is one metre or more, and of length more than 23 centimetres but less than 65 centimetres where the width of the fabrics is less than one metre.'

# सं० 78/82-केम्ब्रीय उत्पाद-शुल्क

सारकार किया 137(म).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उरपाय-गुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदक्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के विस्त मंत्रालय (राजरव श्रीर बीमा विभाग) की श्रीधमूचना संर 80, 69-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्चे, 1969 श्रीर 110/75-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 30 श्रील. 1975 को भिक्षश्राना करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और निमक श्रीधनियम, 1944 (1944का 1) की पहली श्रीनूस्ची की मदसंर 22 का उप-मद (1) के श्रन्तर्गत श्राने थाले कृत्विम कैश्रिक को उस पर उद्यहणीय समस्त उत्पाद शुल्क से छट वेती है।

# No. 78/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R.137(E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) Nos. 80/69-Central Excises, dated 1st March, 1969 and 110/75. Central Excises, dated 30th April, 1975, the Central Government hereby exempts man-made fabrics, falling under sub-item (1) of Item No.22 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the duty of excise leviable thereon.

### सं 79/82 - भेरहीय उत्पाद शुस्क

सा० का० नि० 138(अ).— केन्द्रीय भरकार, श्रामिरिक्त उरपाद गुलक विशेष महत्व का माल श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के माथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-गुरूक नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त गिक्सियों का प्रयोग करते हुए, और भारत मरकार के यिन मंत्रापय (राजस्व और बीमा विभाग) की श्रीधसुचना सं० 179/72 केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क, तारीख 24 जुलाई, 1972 की श्रीधकारत करते हुए, इसमें उपाबद मारणी के स्नम्भ (1)

में विनिर्दिष्ट वर्णन के कृदिम फैक्षिकों को जो बेन्द्रीय उत्पाद गुलक और नमक प्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली। अनुसूची की यद तर 22 की उपमद (1)(ख) के अन्तर्गन आते हैं, अतिरिक्त उत्पाद गुलक (विशेष महत्व का मास्त) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) के अधीन उन पर उद्यहणीय उतने अतिरिक्त उत्पाद गुल्क में छूट देती हैं : जितना उमके स्नम्ब (2) में का नक्ष्याची अविधिट में विनिर्दिष्ट गुल्क से अधिक है।

#### सारणी

वर्णन श्रीनरियन गुल्क की वर	
<del></del>	
$(1) \qquad (2)$	
··	

कृत्निम फैंकिक जिनका मूल्य प्रति वर्गमीटर,—

(1) तीन क्पण से प्रधिक नहीं है

मूल्य का एक प्रतिशत ।

(2) तीन स्पए से श्रधिक है किन्तु नीरपण्से श्रधिक नहीं है। 3 पैसे प्रति वर्ग मीटर धन प्रति वर्ग मीटर फैक्किंग के मूल्य झौर तीन रुपए प्रति वर्ग मीटर के बीज के झन्तर की रकम का सात प्रतिशत।

(3) नौ रुपए से प्रश्चिक है किन्तु मल्लाह रुपए से प्रधिक नहीं है। 45 पैसे प्रति वर्ग मीटर धन प्रति वर्ग मीटर फैशिक के मूल्य और नी रुपए प्रति नर्ग मीटर के बीच के अन्तर की रुगम का नी प्रतिशत ।

(1) मतह रूपए से अधिक है किस्तु 117 पैसे प्रति वर्ग मीटर **यस** बीस रुपए से अधिक नहीं है। प्रति वर्ग मीटर फैंक्शिक के सूल्य

17 पैंगे प्रति वर्ग मीटर चन प्रति वर्ग मीटर पैंकिश के मूल्य शौर सकत् रुपए प्रति वर्गमीटर के बीच के प्रत्नर की रकम का सबह प्रतिशत !

(5) सीस रूपए से घधिक है। मूल्य का साहे साल प्रतिशत ।

परनेमु,--

- (1) ऐसे कृत्विस फीलिकों की दशा में जिनका प्रसंस्करण णितित यह बाष्य की सहायक्षा के विका चलाई जाने वार्ण, मणीनों की सहायता से किया जाता है, गारणी में विविधिष्ट गुरक की समुचित वर, ऐसी दर के चालीस प्रतिशत से कम कर दी जाएगी;
- (2) ऐसे क्रुश्चिम फैक्सिकों की, जिनका प्रमंस्करण शक्ति या बाष्प की महायता के बिना और मशीनों के प्रयोग के बिना किया जाता है, श्रीतिरिक्त उत्पाद शुरूक (विशेष महत्व का भाल) श्रीधनियम, 1957 (1957 का 58) के अधीन उन पर उन्नग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुरूक से श्रृट प्राप्त होगी ;
- (3) ह्यक्करघो पर युने गए ऐसे इन्तिम फीक्वरों को, जिनक, प्रसंस्करण श्रयकरघा विकास प्रायुक्त की सिकारिण पर भारत सरकार हाण हम निमित्त दोनों ही दशाश्रों में श्रनुसोदित राज्य सरकार ह्यकरघा निगम या क्यनिप्राप्ता हथकरघा सहकारी सोसाइटी के स्त्रामिस्वाधीन विभी कारखाने हाण शिक्त का या त्राप्प की सहायता से किया जाता है, श्रीतिरक्त उत्पाद णुक्क (विशेष भहरव का माल) अधिनियम 1957 (1957 का 58) के श्रधीन उन पर उद्युषहणीय समस्त उत्पाद-णुक्क से छूट प्राप्त होगी; श्रीर

(4) इस श्रिधिमूचना की कोई बान कृत्रिम फींब्रकों के ट्रकड़ों और निथारों तो लाग नहीं होगी ।

स्पर्धाभरण-- इस ग्राधसूचना के प्रयोजनों के लिए,---

- (1) "दुकडे" से ग्रमिश्रेत हैं.---
  - (क) चिनिर्माण (जिसके ग्रन्तर्गत मसंस्करण भी है) या पैक करने या अमूने लेने प्रसामान्य अनुक्रम के दौरान उर्पन्स कृतिम फौष्ठिक के बरतुगा बटे ट्रकड़े जो. अहां फौष्ठिक की चौड़ाई एक मीटर या उससे श्रधिक हो बहां 45 सेटोमीटर या उससे श्रधिक किन्तु 90 सेटोमीटर से ग्रन्धिक ग्रीर जहां फीष्ठक कीचौड़ाई एक मीटर से कम हो वहां 65 सेटोमीटर या उससे श्रधिक किन्तु 135 सेटीमीटर से ग्रन्धिक लम्बे हों; ग्रीर
  - (ख) कटे-फटे फ़िल्म फैकिक जो, जहां फैकिक की चौड़ाई एक मीटर या उसके प्रधिक हो, वहां 45 सेटीमीटर या उससे प्रधिक किन्तु 90 सेटीमीटर से ग्रनधिक भौर जहां फैकिक की चौड़ाई एक मीटर से कम हां वहां 65 सेटीमीटर या उससे अधिक किन्तु 135 सेटीमीटर में प्रनिधक लम्बे हों
- (2) "चिषडे" से अभिनेत है,---
  - (क) विनिर्माण (जिसके प्रत्मेन प्रसंस्करण भी है) या पैक करने या नमूने लेने के प्रसामान्य अनुक्रम के दौरान उत्पन्न कुलिम फीबिक के बस्तुत कटे-टुकड़े जो, जहां फीबिक की चौड़ाई एक मीटर या उससे अधिक हो बहां 23 सेटामीटर से अधिक किन्तु 45 सेंटामीटर से कम, और जहां फीबिक की चौड़ाई एक मीटर से कम हो बहां 23 सेंटीमीटर से अधिक किन्तु 65 सेंटीमीटर से कम लम्बे हों, ग्रीर
  - (ख) कटे-फटे या घटिया कृत्विम फैंत्रिक के बाटे-टुकड़े जो, जहां फैंक्रिक की चौड़ाई एक मीटर या उससे अधिक हो बहां 23 सेंटीमीटर से अधिक किन्तु 45 सेंटीमीटर से कम, और जहां फैंत्रिक की चौड़ाई एक मीटर से कम हो बहां 23 मेंटीमीटर से अधिक किन्तु 65 मेंटीमीटर से कम लम्बे हों।

#### No. 79/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 138.(E)—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), and in supersestion of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No.179/72-Central Excises, dated the 24th July, 1972, the Central Government hereby exempts man-made fabrics of the description specified in column (1) of the Table hereto annexed and falling under sub-item (1)(b) of Item No.22 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the additional duty of excise leviable thereon under the Additional Dutles of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), as is in excess of the duty specified in the corresponding entry in column (2) thereof.

#### THE TABLE

Description	Rate of	additional duty
		(2)

Man-made fabrics whose value per square metre—

(i) does not exceed rupees three

one per cent, ad valorem.

- does not exceed rupees nine.
- (li) exceeds rupees three but 3 paise per square metre play 7% of the differential amount between the value of the fabric per square metre and rupees three per square metre.

- fi) exceeds rupces nine but 45 paise per square metre plus does not exceed rupees seventeen.
  - 9% of the differential amount between the value of the fabric per square metre and rupces nine per square metre.
- but does not exceed rupees twenty
- v, caccous rupees seventeen. 117 paise per square metre plus 11% of the differential amount between the value of the fabric per square metre and rupees seventeen per square metre.
- v) exceeds rupees twenty

seven and a half per cent. ad valorem.

#### rovided that -

- (i) in the case of man-made fabrics processed with the aid of machines operated without the aid of power or steam, the appropriate rate of duty as specified in the Table shall be reduced by forty per cent. of such rate;
- (ii) man-made fabrics processed without the aid of power or steam and without the use of machines shall be exempt from the whole of the additional duty of excise leviable thereon under the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957);
- (iii) man-made fabrics, woven on handlooms, processed with the aid of power or steam by a factory owned by a State Government Handloom Development Corporation or an apex handloom co-operative society approved. in either case, in this behalf by Government of India on the recommendation of the Handloom Development Commissioner, shall be exempt from the whole of the additional duty of excise leviable thereon under the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957); and
- (iv) nothing contained in this notification shall apply to fents and rags of man-made fabrics.

#### Explanation.—For the purposes of this notification, -

- (i) "fents" means
  - (a) bonafide cut pieces of man-made fabrics of length 45 centimetres or more but not exceeding 90 centimetres where the width of the fabric is one metre or more, and of length 65 centimetres or more but not exceeding 135 centimetres where the width of the fabric is less than one metre, arising during the normal course of manufacturing (including processing) or packing or drawing samples; and
  - (b) damage man-made fabrics of length 45 centimetres or more but not exceeding 90 centimetres where the width of the fabric is one metre or more, and of length 65 centimetres or more but not exceeding 135 centimetres where the width of the fabric is less than one metre;
- (ii) "rags" means-
  - (a) bonafide cut pieces of man-made fabrics of length more than 23 centimetres but less than 45 centi-

metres where the width of the fabrics is 1 metre or more, and of length more than 23 contimetres but less than 65 centimetres where the width of the fabric is less than I metre, arising during the normal course of manufacturing (including precessing) or packing or drawing samples; and

(b) cut pieces of damaged or substandard man-made fabrics of length more than 23 centimetres but less than 45 centimetres where the width of the fabric is one metre or more and of length more than 23 centimetres but less than 65 centimetres where the width of the fabric is less than one metre.

# सं० 80/82-केम्ब्रीय जल्पाव-शुरुक

सा० का० नि० 139 (ग्र) '--केन्द्रीय सरकार, ग्रांतरिकत उत्पाद-शृत्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शलक नियम. 1914 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रवत्त प्रक्तियों का प्रयोग करने हुए, श्रीर भारत सरकार के विन्न संशासय (राजस्व श्रीर बीमा विभाग) की श्रधिसूचना सं० 61/73-केन्द्रीय उत्पाद शुरूक, तारीख 1 मार्च, 1973 को अधिकान्त करने हुए, इससे उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट वर्णन के कृत्निम फैब्रिक के टकडों और चिथडों को, जो केस्द्रीय उत्पाद-शत्क भीर नमक भ्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं० 22 की जपमद (i) (खा) के अन्तर्गत आते हैं, अतिरिक्त उत्पाद-शूलक (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) के श्रधीन उन पर चुबुग्रहणीय उनने मिनिरिक्त उत्पाद-मृत्क से छुट देती है जिनना उसके स्तम्भ (2) में की तहस्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट शत्क से श्रिक्षिक है।

वर्णन 🚽 ग्रनिरिक्त शल्क की दर <u>'</u> (1)

कृत्रिम फैबिक से उत्पन्न टुकड़े ग्रौर चियप्टे जहां ऐसे कृतिम फैब्रिक का मुख्य प्रति वर्ग मीटर---

- (i) शीन रुपए से अधिक नहीं है मुल्य का एक प्रतिशत ।
- (ii) तीन रूपए से श्रधिक है किन्तु मुख्य का तीन प्रतिशत । छह रूपये से प्रधिक नहीं है
- (iii) छह भपैये से अधिक है किन्तू मुख्य का चार प्रतिशत । नी रुपए से प्रधिक नहीं है
- (iv) नौ इपए से अधिक है किन्तु मृत्यकापांच प्रसिशत। बारह रुपए से भ्रधिक नहीं हैं।
- (V) बाग्ह स्पण् से प्रधिक है किन्तु मृत्य का छत्र प्रतिगत । मोलह रुपए से अधिक नहीं है
- (vi) मौलह रुपए से प्रधिक है किन्तु मृल्य का सान प्रतिशत। बीस रूपए से प्रधिक नहीं है
- (vii) बीस रुपए से अधिक है। मत्य का साढे साथ प्रतिशत ।

पण्ला,---

(i) ऐसे कृक्षिम फैब्रिक से उत्पन्न ट्कड़ों ग्रीर चिथड़ों की दशा में जिसका प्रसंस्करण शक्ति या बाष्प की सहायना के बिना चलाई जाने वाली मशीनों की सहायता से किया जाता है, सारणी में विनिद्दिष्ट शुल्क की समुचित दर, ऐसी दर वे चालीस प्रतिशत मे कम कर दी जाएगी।

- (ii) ऐसे कृतिम फैबिक से उत्पन्न टुकड़ों और विषड़ों को जिसका प्रसंस्करण शक्ति या वाष्य की सहायता के बिना और मगीनों के प्रयोग के बिना किया जाता है, घतिरिक्त उत्पाद-मुल्क (विशेष महस्व का माल) श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 58) के घ्रधीन उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट प्राप्त होगी; और
- (iii) हथकरमों पर बुने गए ऐसे कृतिम फैतिक के ट्रुकक्षों भीर विधाइों को, जिसका प्रसंस्करण हथकरवा विकास भायुक्त की सिफारिश पर भारत सरकार द्वारा इस निमित धोनों ही दशाओं में भनुभोवित राज्य सरकार हथकरथा निगम या स्थितप्राप्त हथकरथा सहकारी सोसाधटी के स्थामित्वाधीन किसी कारखाने द्वारा शक्ति या वाष्प की सहायता से किया जाता है, मिति-रिक्त उत्पाद-शुक्क (विशेष महत्व का माल) भ्राधिनियम, 1957 (1957 का 58) के मधीन जन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुक्क से छूट प्राप्त होगी।

# स्पर्धीकरण-इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए,--

- (i) "दुकड़े" से प्रभिन्नेत है ---
  - (क) विभिर्माण (जिसके प्रन्तर्गत प्रसंस्करण भी है) या पैक करने या नमूने लेने के प्रसामान्य प्रनुकम के दौरान उत्पन्न कुलिम फैकिक के वस्तुत: कटे टुकड़े जो, अहां फैकिक की चौड़ाई एक मीटर या उससे ध्रधिक हो वहां 45 भेंटीमीटर या उससे ध्रधिक किन्तु 90 सेंटीमीटर से प्रनिधक जहां या फैकिक की चौड़ाई एक मीटर से कम हो वहां 65 सेंटीमीटर या उससे घ्रधिक किन्तु 135 सेंटीमीटर से प्रनिधक लम्बे हों; ग्रौर
  - (ख) कटे-फटे क्रुडिंग फैब्रिक को, जहां फैब्रिक की चौड़ाई एक मीटर या उससे प्रधिक हो, वहां 45 सेंटीनीटर या उससे प्रधिक किन्तु 90 सेंटीमीटर से प्रनधिक, भौर जहां फैब्रिक की चौड़ाई एक मीटर से कम हो बहां 65 सेंटीमीटर या उससे प्रधिक किन्तु 135 सेंटी-मीटर से प्रनधिक लम्बे हों;
  - (ii) "चिथड़े" से भभिन्नेत है,---
  - (क) विनिर्माण (जिसके ग्रन्सर्गत प्रसंस्करण भी है) या पैक करने या नमूने लेने के प्रसामान्य प्रनुक्तम के दौरान उत्पन्न कृत्विम पैक्तिक के वस्तुतः कटे टुकड़े जो, जहां पैक्तिक की चौड़ाई एक मीटर या उससे ग्रविक हो वहां 23 सेंटीमीटर से ग्रविक किन्तु 45 सेंटीमीटर से कम, ग्रीर जहां पैक्तिक की चौड़ाई एक मीटर से कम हो वहां 23 सेंटीमीटर से ग्रविक किन्तु 65 सेंटीमीटर से कम लम्बे हों; ग्रीर
  - (ख) कटे-फटे या घटिया कृतिम फैकिक के कटे टुकड़े जी, जहां फैकिक की बीड़ाई एक मीटर या उससे प्रधिक हो वहां 23 सेंटीमीटर से प्रधिक किन्सु 35 सेंटीमीटर से कम प्रीर जहां फैकिक की चौड़ाई एक मीटर से कम हो वहां 23 सेटीमीटर से प्रधिक किन्सु 65 सेंटीमीटर से कम लम्बे हों।

जिसेन्द्र बला, भवर सचिव

#### No. 80/82—CENTRAL EXCISES

G.S.R. 139(E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with subsection (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revnue and Insurance) 1378 GI/81—5

No. 61/73-Central Excises, dated 1st March, 1973, the Central Government hereby exempts fents and rags of man-made fabrics of the description specified in column (1) of the Table hereto annexed and falling under sub-item (a) (b) of Item No. 22 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act 1944 (1 of 1944) from so much of the additional dutyof excise leviable thereon under the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), as is in excess of the duty specified in the corresponding entry in column (2) thereof-

#### TABLE

Description	Rate of additional duty
(1)	(2)

Fents and rags arising out of manmade fabrics where the value of such man-made fabrics per square metre—

- (i) does not exceed rupees three one per cent.

  ad valorem.
- (ii) exceeds rupees three but does three per cent. not exceed rupees six. ad valorem.
- (iii) exceeds rupees six but does four per cent.

  not exceed rupees nine ad valorem.
- (iv) exceeds rupees nine but does five per cent. not exceed rupes twelve. ad valorem.
- (v) exceeds rupees twelve but six per cent. does not exceed rupees sixteen ad valorem.
- (vi) exceed rupees sixteen but does seven per cent.

  not exceed rupees twenty ad valorem.
- (vii) exceed rupees twenty seven and a half.

  per cent.

  ad valorem.

# Provided that-

- (i) in the case of fents and rags arising out of man-made fabrics processed with the aid of machines operated without the aid of power or steam, the appropriate rate of duty as specified in the Table shall be reduced by forty per cent. of such rate;
- (ii) fents and rags arising out of man-made fabrics processed without the aid of power or steam and without the use of machines shall be exempt from the whole of the additional duty of excise leviable thereon under the Additional Duties of Excise (Goods of Sepecial Importance) Act, 1957 (58 of 1957); and
- (iii) fents and rags arising out of processing of man-made fabrics, woven on handlooms, processed with the aid of power or steam by a factory owned by a State Government Handloom Development Corporation or an apex handloom co-operative society approved, in either, case in this behalf by Government of India on the recommendation of the Handloom Development Commissioner shall be exempt from the whole of the additional duty of excise leviable thereon under the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 1957).

# Explanation.—For the purposes of this notification,—

- (i) "fents" means-
  - (a) bonafide cut pieces of man-made fabrics of length
     45 centimetres or more but not exceeding 90 centi-

metres where the width of the fabric is one metre or more, and of length 65 centimetres or more but not exceeding 135 centimetres where the width of the fabric is less than one metre, arising during the normal course of manufacturing (including processing) or packing or drawing samples; and

(b) damaged man-made fabrics of length 45 centimetres or more but not exceeding 90 centimetres where the width of the fabric is one metre or more, and of length 65 centimetres or more but not exceeding 135 centimetres where the width of the fabric is less than one metres;

## li) "rags" means-

- (a) bonaile cut pieces of man-made fabrics of length more than 23 centimetres but less than 45 centimetres where the width of the fabric is 1 metre or more, and of length more than 23 centimetres but less than 65 centimetres where the width of the fabric is less than 1 metre, arising during the normal course of manufacturing (including processing) or packing or drawing samples; and
- (b) cut pieces of damaged or substandard man-made fabrics of length mole than 23 centimetres but less than 45 centimetres where the width of the fabric is one metre or more and of length more than 23 centimetres but less than 65 centimetres where the width of the fabric is less than one metre.

J. K. BATRA, Under Secy.

# सं० 81/82-केन्द्रीय उत्पाव-शुरुक

सां० कां० निं 140(ध) :— केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुक्त नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रवत्स शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निवेश देती है कि इससे उपायद सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट, भारत सरकार के, यथास्थिति, राजस्व भौर शैंकिंग विभाग की या वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की भ्रष्टिसूचनाएं उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में की तरस्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट रीति से संगोधित की जाएंगी।

# सारजी

क्रम सं०	<b>म्रधिसू</b> चना संख्या <b>मौर</b> तारी <b>ख</b>	सं शोधन
(1)	(2)	(3)
	1 <mark>/77-केन्द्रीय</mark> उत्पाद- 5, तारीख 3 जून, 1977	उक्त ग्रधिसूचमा से उपावत सारणी के स्तम्भ (3) में—
		<ul> <li>(i) श्रम संख्या 1 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर "एक- सौ-सङ्गरु ६पए प्रति मीटरी टन।" प्रविष्टि रखी जाएगी;</li> </ul>
		(ii) ऋम संख्या 2 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर "एक-सौ चौंसट रुपए प्रति मीटरी टन।" प्रविष्टि रखी जाएगी;
		(iii) क्रम संख्या 3 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर "एक-सौ पैतीस रूपये प्रति मीटरी टन" प्रविष्टि रखी आएथी ।

(1)	(2)	(3)
	79 <b>-केन्द्रीय उ</b> त्पाद- ता <b>रीख 3</b> म <b>ई</b> , 1979	उक्त मिन्निस्चना में "बसीस रुपए पचास पैसे प्रति मोटरी टन" शब्दों के स्थान पर "एक-सौ रुपए प्रति मीटरी टन" णक्द रखे जाएंगे।

#### No. 81/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 140 (E)—In excercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby directs that the notifications of the Government of India, in the Department of Revenue and Banking, or in the Ministry of Finance (Department of Revenue as the case may be, specified in column (2) of the Table hereto annexed shall be amended in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

#### THE TABLE

THE TABLE			
S. No.	Notification No	o. and	Amendment
(1)	(2)		(3)
	01/77-Central Exc ted the 3rd June		In the Table annexed to the said notification, for the entry in column (3) against—
			<ul><li>(i) Sl.No.1, the £ntry "Rupees one hundred sixty-seven per metric tonne." shall be substituted;</li></ul>
			(ii) Sl.No.2, the entry "Rupees one hundred sixty-four per metric tonne." shall be substituted;
			(iii) Sl.No.3, the entry "Rupees one hundred thirty-five per metric tonne." shall be substituted.
	04/79-Central Exc ated the 30th May	-	In the said notification, for the words "rupees thirty-two and paise fifty per metric tonne" the words "rupees one hundred per metric tonne" shall be substituted.

#### सं ० 82/82-केम्ब्रीय जल्पाव-शुरुक

सांक्षां भि 141(म) .— केन्द्रीय सरकार, कन्द्रीय उत्पाद-शृहक नियम 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शृक्क भीर नमक अधिनियम, 1944(1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद मं 23क की उप-मद (1) के अंतर्गत आने वाले और इससे उपाबद्ध मारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट वर्णन के चिपिट कांच की उस पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद-शृक्क से, जो उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में की तत्स्थानी प्रविष्टियों में वर्णित दर पर उद्ग्रहणीय णुक्क से अधिक है, छूट वेती है।

#### सारर्ण

म₁० <b>सं∘</b>	वर्णन	गुल्क की दर
1)	(2)	(3)
चिपिट को स्तरित	व, भनमामित श्रौर भ्रन-	मूल्य का बस प्रतिशत धन दो रूपए नीम पैसे प्रति मिलीमीटर मोटाई
		प्रति वर्ग मीटर ।

1 2	3
<ol> <li>चिपिट कांच, ग्राभित किंतु ग्रनस्त- रित</li> </ol>	मूल्य का दस प्रतिशत धन दो रुपए पचपन पैसे प्रति मिलीमीटर
	मोटाई प्रति वर्ग मीटर ।
<ol> <li>चिपिट कांच, धनधोधित किंतु स्त-</li> </ol>	मूक्ष्य का दस प्रतिणत धन सीन
रितं	रुपए चालीस पैसें प्रति मिली- मीटर मोटाई प्रति वर्ग मीटर ।
4. चिपिट कांच, ग्राधित श्रीर स्तरित	मूल्य का इस प्रतिशत धन तीन रुपए घस्सी पैसे प्रति मिली- मीटर मोटाई प्रति वर्गे मीटर ।

#### No. 82/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R.141(E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts flat glass, falling under sub-item (1) of Item No.23A of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and of the description specified in column (2) of the Table hereto annexed from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of the duty leviable at the rates specified in the corresponding entries in column (3) of the said Table.

#### THE TABLE

S.No.	Description	Rate of duty
1. Flat g lamins	lass, not tinted and ated.	Ten per cent. ad valorem plus two rupees and thirty paise per millimetre thickness per square metre.
_	lass, tinted but not minated.	Ten per cent. ad valorem plus two rupees and fifty-five paise per millimetre thickness per square metre.
3. Flat g	lass, not tinted but ated.	Ten per cent. ad valorem plus three rupees and forty paise per millimetre thickness per square metre.
4. Flat g lamina	dass, tinted and ated.	Ten per cent. ad valorem plus three rupees and eighty paise per millimetre thickness per square metre.

#### सं 83/82-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा० का० मि० 142(ध)—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शृह्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शृह्क घौर नमक घिष्ठिनयम, 1944 (1944 का 1) की पहली घनुसूची की मद सं० 23क की उप-मद (2) के घंतर्गत आने वाले प्रयोगणाला के कांच के सामान को उस पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शृह्क से छूट बेती है।

आर० के० जन्नवर्ती, उप सचिव

#### NO. 83/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 142(E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts laboratory glassware, falling under sub-item (2) of Item No.23A of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the duty of excise leviable thereon.

# R. K. CHAKRABARTI, Dy, Secy. सं 84/82-कोबीय जल्पाव-शत्फ

सां० का० नि० 143(पा) .---केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुस्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रवत्न शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इसमें उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ (3) में विनिर्विष्ट वर्णन के एल्युमिनियम को, जो केन्द्रीय उत्पाव-शुल्क भौर नमक प्रधिन्मियम, 1944 (1944 का 1) की पहली भनुसूची की मद सं० 27 की उस उपमद, जो उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्विष्ट है, के भन्तगंन भाता है भौर जिसका विमिर्माण सप्त एल्युमिनियम धातु से किसी प्रारम्भिक उत्पादक द्वारा किया जाता है तथा जिसकी एल्युमिनियम (नियंत्रण) भावेश, 1970 के भधीन जारी की गई मधि-स्वनाधों के साथ पठित तत्समय यथा प्रवृत उक्त भावेश में विनिर्विष्ट उपबन्धों के भनुसार केन्द्रीय सरकार द्वारा विश्वय भीर प्रवाय के लिए अपेक्षा की जाती है, उस पर उद्धुमहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से छूट वैती है जितना उक्त सारणी के स्तम्भ (4) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्विष्ट शृल्क से प्रधिक है ।

#### सारणी

ऋम सं०	<u> उ</u> पम <b>द</b>	वर्णन	शुल्क की दर
(1)	(2)	(3)	(4)
া. (ক)(	(i)	सिल्लियों जो भारतीय मानक संस्था के विनिर्वेश भा० मा०: 4026-1969 के प्रमुख्य हों।	-
2. (本)(	(i)	बिलेट जो भारतीय मानक संस्था के विनिर्देश भा० मा० : 4026—1969 के ग्रनुरूप हों ।	पण्णीस रुपए प्रति
3. (軒)(	(ii)	तार की शलाकांए जो भार- तीय मानक संस्था के विनिर्देश भा० मा०: 4026—1969 के ग्रनुरूप हों	<b>प</b> स्सी रुपए प्रति
4. (軒)	(ii)	तार की छड़ें जो भारतीय मानक संस्था के विनिर्देश भा०मा० : 5484-1969 के प्रनुख्प हों।	सीस रूपए प्रति

स्पष्टीकरणः—इस घिष्मुचना के प्रयोजन के लिए, "प्रारम्भिक उत्पादक" प्रभिव्यक्ति से उद्योग (विकास भौर विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) के धवीन अनुप्रप्त या रजिस्ट्रीकृत ऐसा व्यक्ति अभिन्नेत है जो वाक्साइट या एल्यूमिना से एल्युमिनियम की उत्पादन करता है।

#### No. 84/82-CENTRAL EXCISES

G.S.(R). 143E.—In exercise of the powers conferred by Subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules ,1944, the Central Government hereby exempts aluminium of the description specified in column (3) of the Table hereto annexed, falling under the sub-items, specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table, of Item No.27 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and manufactured by any primary producer from Hot aluminium metal, and required by the Central Government to be sold or supplied in terms of the provisions contained in the Aluminium (Control) Order, 1970 as in force for the time being read with the notifications issued thereunder, from so much of the duty of excise leviable thereon as in excess of the duty specified in the corresponding entry in column (4) of the said Table.

TABLE	3
-------	---

S. Sub-ite No.	m Description	Rate of duty
(1) (2)	(3)	(4)
1. ( <b>a</b> )(i)	Ingots conforming to the specifications in IS: 4026—1969 of the Indian Standards Insti- tution.	Rupecs three thousand and eighty-five per metric tonne.
2, (a)(i)	Billets conforming to the specifications in IS: 4026-1969 of the Indian standards Institution.	Rupees three thousands one hundred and twen- ty-five per metric tonne
3. (a)(ji)	Wirebars conforming to the specifications in IS: 4026-1969 of the Indian Standards Institution.	Rupees three thousand two hundred and eighty per metric tonne.
4.(a)(ii)	Wirerods conforming to the specifications in IS: 5484-1969 of the Indian Standards Institution.	Rupees three thousand three hundred and — thirty per metric tonne.

Explanation.—For the purpose of this notification, the expression 'primary producer' means any person licensed or registered under the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) who produces aluminium from bauxite or alumina.

# सं० 85/82-केन्द्रीय उत्पाद-शुस्क

सा० का० नि० 144(भ) .—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के वित्त मंद्रालय (राजस्व विभाग) की भिध्युचना सं० 192/81-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 3 विसम्बर, 1981 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त भ्रधिसूचना में, भ्रंत में निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जाएगा, अर्थात् :--

"परम्तु इस प्रधिसूचना में प्रन्तविष्ट कोई बात ऐसे एलुमीनियम को लागू नहीं होगी जिसे भारत सरकार में बिल मंत्रालय (राजस्व विभाग) की प्रधिसूचना सं० 84/82-केन्द्रीय उत्पाद-मुल्क, सारीख 28 फरवरी, 1982 लाग होती है।"

# No. 85/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 144-E.—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 192/81-Central Excises, dated the 3rd December, 1981, namely:

In the said notification, the following proviso shall be added at the end, namely :--

"Provided that nothing contained in this notification shall apply to aluminium to which the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 84/82-Central Excises, dated the 28th February, 1982, applies."

#### सं० 86/82-केम्ब्रीय उस्पाव-शुल्क

सा० का० मि. 145 (म्र). - केन्द्रीय सरकार, फेन्द्रीय उत्पाद-गुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग

करते हुए, भारत सरकार के विन्न मंत्रालय (राजस्व विभाग) की श्रीध-मूचना सं० 193/81-केन्द्रीय उत्पाद-शुरक, तारीख 3 दिसम्बर, 1981 का निम्नलिखित संगोधन करती है, ग्रर्थात् :— उक्त ग्रीधसूचना में,—

- (i) सारणी में, कम सं० 4 के साममे स्तम्भ (4) में की प्रकि ध्वि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगा, ग्रयित् :—
   "धो सी पेंतीस रुपए प्रति मीटरी टन";
  - (ii) पहले परन्तुक के पक्ष्यात् ग्रौर स्पष्टीकरण से पहले, निम्नलिखित परन्तुक अन्तःस्थापित किया जाएगा, ग्रर्थात् :--

"परन्तु यह भौर कि इस मधिसूचना की कोई बात ऐसे एल्युमिनियम को लागू नहीं होगी जिसकी भारत सरकार के बिल मंत्रालय (राजस्य विभाग) की धिसूचना सं० 84/82-केन्द्रीय उत्पाद-मुल्क, तारीख 28 फरवरी, 1982 लागू होती है।"।

जिनेन्द्र बस्ना, ग्रवर सचिव

#### No. 86/82—CENTRAL EXCISES

G.S.R. 145-(E)—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 193/81-Central Excises, dated the 3rd December, 1981, namely:

In the said notification,-

- (i) in the Table, against S.No. 4, in column (4), for the entry, the following entry shall be substituted, namely:— "Rupees two hundred and thirty-five per metric tonne";
- (ii) after the first provise and before the Explanation, the following provise shall be inserted, namely:—

"Provided further that nothing contained in this notification shall apply to aluminium to which the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 84/82-Central Excises, dated the 28th February, 1982, applies.

J. K. Batra, Under Secy.

# सं 87/82-केम्ब्रीय उत्पाद-गुरुक

साठ काठ नि० 146 (ग्र.).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप नियम(1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क भौर नमक प्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली धनुसूची की सब सं० 29क की उपमव (1) के भ्रान्तर्गत भाने वाले पानी के कूलरों को उन पर उद्यवहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती हैं।

# NO. 87/82—CENTRAL EXCISES

G.S.R. 146-(E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts water coolers, falling under subitem (1) of Item No. 29A of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the duty of excise leviable thereon.

# सं० 88/82-केन्द्रीय उत्पाद-मुल्क

सा० का० तिं० 147(का). — केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-सुल्क नियम, 1944 की नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय उत्पाद-सुल्क और नमक प्रधिनियम 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद मं०,30 के अंतर्गत आने वाली विश्रुप्त मोटरों को, जिनका उपयोग कारकाने में के भीतर उन्हास प्र

के ग्रन्तर्गत ग्राने वाले विद्युत मोटरों के ग्रीर विनिर्माण में क्रिया जाता है उन पर उदधहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है।

#### NO. 88/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 147(E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts electric motors, falling under Item No. 30 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), which are used within the factory for further manufacture of electric motors, falling under the said Item, from the whole of the duty of excise leviable thereon.

## सं० 89/82-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा० का० नि० 148(म्र) — केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 96 मम के भ्रमुसरण में भारत सरकार के वित्त मंद्रालय (राजस्व विभाग) की मधिसूचना सं० 68/79-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1979 को विखण्डिन करनी है।

## NO. 89/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 148E.—In pursuance of rule 96YY of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby rescinds the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 68/79-Central Excises, dated the 1st March, 1979.

## सं० 90/82-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सां० का० नि० 149(म).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-मुख्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रवक्त मित्रमों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-मुख्क और नमक प्रक्षिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं० 33ख के प्रधीन आमें काले 10 एम डक्ट्यू जी से पसले नेगे मत्स्मृनियम के सारों को, उन पर उद्यग्रहणीय समस्त अत्याद मुक्क से छूट देती है।

## NO. 90/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 149(E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts bare aluminium wires finer than 10 SWG, falling under Item No. 33B of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the duty of excise leviable thereon.

## सं० 91/82-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा० का० मि० 150(छ).—केशीय सरकार, केलीय उत्पाद-शुस्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केलीय उत्पाद-शुस्क और नमक प्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली प्रमुक्षी की मद सं० 33ध के घंतर्गत प्राने बाले बैल टाइपराइटरों को उन पर उदग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुस्क से छूट देती है।

## NO. 91/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 150(E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts braille typewriters, falling under Item No. 33D of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the duty of excise leviable thereon.

## सं० 92/82-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा० का० ति० 151(म).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-सुन्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रवास शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-सुरक धौर नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली धनुमूची की मद सं० 34-की उपमद सं० र्र (1) और मद सं० 68 के अंतर्गत धामें बाले कमणः मोटरयानी और प्रस्य यानी, को को विशेष कप से विकलांगी द्वारा उपयोग किए जाने के लिए विजाइन

किए गए हैं, उन पर उवग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है।

#### NO. 92/82-CENTRAL EXCISES

G,S.R. 151(E),—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts motor vehicles and other vehicles, falling under sub-item I(1) of Item No. 34 and Item No. 68, respectively, of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), specially designed for use by the handicapped, from the whole of the duty or excise leviable thereon,

## सं० 93/82-केन्द्रीय उत्पाद-शुरक

सांक काठ निक 152(का) --- केन्द्रीय संरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप नियम (1) द्वारा प्रद स शिक्तयों का प्रयोग कते हुए और भारत सरकार के किस मंत्रालय (राजस्व विभाग) की प्रिस्त्वना संक 71 89-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नारीख़ 1 मार्च, 1979 को प्रधिक्षंत करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक प्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली धनुसूची की मदसंक 34 की उपमत (1) के प्रतगत भाने वाले 100 भन सेंटीमीटर से धनधिक इंजिन क्षमसा के वो पहिए बाले मोटरयानों को, उन पर उत्प्रहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से छूट देती है औं मून्य के दस प्रसिशत से भ्रधिक है।

## NO. 93/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 152 (E)—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 71/79-Central Excises, dated the 1st March, 1979, the Central Government hereby exempts two-whoeled motor vehicles, falling under sub-item I(1) of Item No. 34 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), of engine capacity not exceeding 100 cubic centimetres from so much of the duty-of excise leviable thereon as in excess of ten per cent ad valerem.

## सं० 94/82-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा० का० नि० 158(भ). केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शूक्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवक्त सन्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शूक्क और भमक स्रिविनयम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची में की मद सं० 34 की उपमव 1(2)(ii) के संतर्गत साने वाले मोटरयानों को उन पर उद्यप्रहणीय उतने उत्पाद-शुक्क से छूट देती है जो उसके मूल्य के बीस प्रतिशत से स्रिधिक हो।

#### NO. 94/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 153 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 80f the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts motor vehicles, falling under sub-item I(2) (ii) of Item No. 34 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act. 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon as in excess of twenty per cent ad valorem.

## सं । 95/82-केन्द्रीय उत्पाद-पुरुक

सा० का० नि० 154(क) -- केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के राजस्व और वैंकिंग विभाग की अधि-सूचना सं० 197/77- केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीच 23 जून, 1977 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, धर्यातु: --

उक्त भिधसूचना में भीर तस्समय प्रवृत्त भारत सरकार के विक्त मंत्रालय

(राजस्व भीर बीमा विभाग) की भिक्षिसूचना सं० 101, 71 केन्द्रीय उत्पाद-गूल्क, तारीख 29 मई, 1971 में विनिर्विष्ट" गब्दों, कोष्टकों, अंकों और प्रक्षरों का लोप किया जाएगा।

वी० लक्ष्मी कुमारन, अवर सचिव

#### No. 95/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 154(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Contral Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India, Department of Revenue and Banking, No. 197/77-Central Excises, dated the 23rc June, 1977, namely:-

In the said notification, the words, brackets, figures and letters "and specified in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 101/71-Contral Excises, dated the 29th May, 1971, for the time being in force" shall be omitted.

# V. LAKSHMI KUMARAN, Under Secy. संख्या 96/82-केन्द्रीय उत्पाध-शुरुक

सा० का० नि० 155(म). -- केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय-उश्पाद गुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निवेश देती है कि भारत सरकार के, यथास्थिति, राजस्य मौर बैंकिंग विभाग या वित्त मंधालय (राजस्व विभाग) की मधिमूचनामों का जो इससे उपायब सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट हैं, उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में की तस्स्थामी प्रविष्टि में विनि-विष्ट रीति से भीर संशोधन किया जाएगा।

#### सारणी

कम संख्या	मधिसूचना सं० ग्रौर	तारीख	सं शोधन	
(1)	(2)	<u></u>	(3)	_

 158/77-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, उक्त मधिसूचना के दूसरे परन्तुक के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक सारी**च 18 जून**, 1977 मन्तः स्थापित किया जाएगा, मर्थातु:--

> "परम्स यह और भीकि शल्क को निम्नसर दरें जो पहले परन्तुक में विनिर्विष्ट लागू मूहीं होंगी, यदि ऐसे विनि-र्माता द्वारा या उसकी घोर से एक या प्रधिक कारखानों से घरेल उपभोग के लिए पूर्ववर्ती विलीय वर्ष के दौरान सभी उत्पाद-शृल्क्य माल निकासी का कुल मूल्य दो करोड़ रुपए से मधिक हो गया हों।"ा

 160/77-केन्द्रीय उत्पाद-गरकः, **तारीख 18 जू**न, 1977

उक्त प्रधिस्चना के तीसरे परन्त्रक **सिम्न** सि**खि**त पश्चात् ब्रन्त: स्थापित किया जाएगा, भर्षात्:⊸-

> यह भीर के ₹**स** प्रधिसूचना पहले परन्सक की कोई बात लाग नहीं होगी यदि,--

(1) (2) (3)

- (1) किसी विनिर्माता द्वारा या उसकी मोर से एक या **मौद्यौ**गिक घधिक एकको से, या
- (2) एक या मधिक विनि-मत्त्रियों या भोर उनकी मे किसी भौद्यौगिक एकक से,

घरेलु उपभोग के लिए सभी जत्पा**द-शुरुक्**य माल निकासी का कुल मूल्य पूर्ववर्ती विसीय वर्ष के दौराम दो करोड़ रुपए से भाधिक हो गया हो।"।

उत्पा**द-शु**ल्क 38/81-केम्ब्रीय तारीख 1 मार्च, 1981

उक्त प्रधिमूचना के पैरा 1 के तीसरे परन्तुक के निम्नसिखित ग्रन्तः परन्तक स्थापित किया जाएगा, अर्थात्ः---"परन्त यह भीर भी कि इस मधिसूचना की कोई बात लागू नहीं होगी यविः---

- (1) किसी विनिर्माता द्वारा या उसकी घोर से एक या मधिक भ्रौद्योगिक एककों से, या
- (2) एक या ग्रधिक विनिर्मा-तामों या उनकी श्रारा मोर से किसी भौधोगिक एकक से, घरेल उपभोग लिए सभी उत्पाद-शुल्क्य माल की निकासी का कुल मूल्य पूर्ववर्ती विस्तीय वर्षके वौराम वो करोड़ से मधिक हो गया हो।"।

उमत मधिसूचना के पैरा 1 के परन्तुकों के पश्चात् स्पष्टीकरण से पहले, निम्म-लिखित परन्त्क अन्तःस्थापित

> "परन्त यह भौर भी कि इस मधिसूचना की कोई बात लागू नहीं होगी यकि.--

किया जाएगा, मर्थातु:--

भीर

- (1) किसी विनिर्माता द्वाराया उसकी फ्रोरसे एक या ध्रधिक भौद्योगिक एककों से, या
- (2) एक या मधिक विनिर्मा-तात्रों द्वारा या उनकी भ्रोर में किसी भ्रौधोगिक एक कसे.

घरेलु उपभोग लिए सभी जरपाद-णुरुक्य

 70/81-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्कः, तारीख 25 मार्च, 1981

(1)	(2)	(3)
		की निकासी का कुल मूल्य पूर्ववर्सी वित्तीय वर्ष के वौरान वो करोड़ दपए से मधिक हो गया हो।''
·—		उप सचिव धार० के० चक्रवसी,
	No. 96/82-CEN	NTRAL EXCISES

G.S.R. 155E.—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby directs that the notifications of the Government of India, in the Department of Revenue and Banking, or in the Ministry of Finance (Department of Revenue), as the case may be, specified in column (2) of the Table hereto anexed shall be further amended in the manner specified in the corresponding

	THE	TABLE
S. Notificati No.	on No. and date	Amendment
(1)	(2)	(3)
1. 158/77-Cer dated the 1	otral Excises, 8th June, 1977	In the said notification, after the second proviso, the fol- lowing proviso shall be in- serted, namely:—
		"Provided also that the lower rates of duty as specified in the first proviso shall not apply if the aggregate value of clearances of all excisable goods, for home consumption by or on behalf of such manufacturer from one or more factories during the preceding financial year had exceeded rupees two crores".
2. 160/77-Cen dated the 1	ntral Excises, 8th June, 1977	In the said notification, after the third provise, the follo- wing proviso shall be inserted, namely:—
		"Provided also that nothing contained in the first proviso to this notification shall apply if the aggregate value

of clearances of all excisable goods for home consumption,-

- (i) by or on behalf of a manufacturer, from one or more industrial units, or
- (ii) from any industrial unit, by or on behalf of one or more manufacturers.

had exceeded rupees two crores during the proceding financial year".

3. 38/81-Central Excises. dated the 1st March, 1981 In the said notification, in paragraph 1, after the third

(1)(2)(3)proviso, the following proviso shall be inserted. namely:--

> "Previded also that nothing contained in this notification shall apply if the aggregate value of clearances of all excisable goods for home consumption,-

- (i) by or on behalf of a manufacturer, from one or more industrial units, or
- (li) from any industrial unit, by or on behalf of one or more manufacturers.

had exceeded rupees two crores during the preceding financial year."

4. 70/81-Central Excises. dated the 25th March, 1981 In the said notification, in paragraph 1. after provisos and before Explanation, the following proviso shall be inserted, namely :-

"Provided also that nothing contained in this notification shall apply if the aggregate value of clearances of all excisable goods for home consumption,-

- (i) by or on behalf of a manufacturer, from one or more industrial units, or
- (ii) from any industrial unit, by or on behalf of one or more manufacturers,

had exceeded rupees two crores during the preceding financial year."

R.K. CHAKRABARTI, Dy. Secy.

## सं० 97/82 केमरीय उत्पाद शुरुक

त्तo काo निo 156(m)-- केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाव-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निवेश देती है कि इससे उपाबद सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्विष्ट भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (शजस्व विभाग) की प्रस्थेक प्रधिसूचनाएं उक्त सारणी के स्तम्म (3) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिविष्ट रीति से संशोधित की जाएंगी।

	~
	सारणा

क्रम भाषिसूचना सं० भौर तारीखा सं०	संशोधन	
(1) (2)	(3)	
1. 40/81 केन्द्रीय उत्पाद-शृल्क, तारीख 1 मार्च, 1981	उक्त श्रधिसूचना के परन्तुक के खण्ड (ii) के पश्चात् निम्म- लिखित खण्ड भन्तःस्थापित किथा जाएगा, भर्षात्ः	
	"(3) ऐसी दिवासलाईयो के मामले में	

जो ऐसे बक्सों में पैक की गई है जिनके

(1)	(2)	·(3)
		केवल आह्य स्लाइड कार्ड बार्ड से बने हैं, छूट की रक्षम प्रति गुष्स बक्से 36 पैसे बढ़ा दें जाएगी";
2. 137/81——केन्द्रीय तारी <b>च</b> 2 जुलाई, 19		उक्त शिक्षसूचमा से उपायद्ध सारणी में कम सं० 1 के सामने स्तम्भ (3) में "5.50" ग्रंकों के स्थान पर "5.14" ग्रंक रखे जाएंगे ;
3. 22/82—केन्द्रीय उ सारीख 33 फरवरी,		उन्त भिश्मसूचना में, द्वितीय परन्तुक के पश्चात् भीर स्पर्ध्करण के पूर्व निम्निलिखित परन्तुक अन्तः स्थापित किया जाएगा, प्रथात्ः—— "परन्तु यह भी कि इस प्रधिसूचना में प्रन्तिकट छूट जनत विधा- सलाइयों को जहां लागू नहीं होगी बहां निमिन्निता किसी भ्रत्य विनिर्माता के ऐसे लेखिल का उपयोग करता है जो समुचित श्रधिकारी द्वारा बक्से में पैक की गई ऐसी दियामलाइयों के लिए भनुमोदित किया गया है जिस पर इस भशिसूचना में विनिविल्ट सुल्क की दर सं उच्चतर शुल्क की दर लगती है।

जितेन्द्र बज्ञाः ग्रवर सचिव

said notification, against S.

No. 1, in column (3), for

#### NO. 97/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 156(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby directs that each of the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), specified in column (2) of the Table hereto annexed shall be amended in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

#### THE TABLE

S. No.	Notification No. and date	Amendment
(1)	(2)	(3)
•	81-Central Excises, od the 1st March, 31.	In the said notification in the proviso, after clause (ii), the following clause shall be inserted, namely:— "(iii) in the case of matches packed in boxes in which the outer slide alone is made of card board, the amount of exemption shall be increased by 36 paise per gross boxes";
2. 137	/81-Central Excises,	In the Table annexed to the

dated the 2nd July,

1981.

(1) (2) (3)

the figures "5.50", the figures "5.14" shall be substituted;

3. 22/82-Contral Excises, dated the 23rd February, 82.

In the said notification after the second proviso and before the Explanation, the following proviso shall be inserted, namely:—

"Provided also that the exemption contained in this notification shall not apply to the said matches where a manufacturer uses any other manufacturer's label which is approved by the proper officer for matches packed in boxes attracting a higher rate of duty than the rate of duty specified in this notification."

J. K. BATRA, Under Secretary

# सं० 98/82--केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा०का०नि० 157(क्र). किन्नीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रभौत करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक प्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली धनुसूची की मद सं० 44 के अन्तर्गत आने वाली एकविवसीय अलाम टेबूल घड़ियों को, उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है।

#### No. 98/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R.157(E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Exicse Rules, 1944, the Central Government hereby exempts one-day alarm time-pieces, falling under item No. 44 of the First schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the duty of excise levialbe thereon.

## सं० 99/82--केन्द्रीय उत्पाद-शृहक

सांक्का कि 158(म). केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के वियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवक्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की मिस्स्वना संव 310/77—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीखा 1 नवस्वर, 1977 की ग्रीधकान्त करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क ग्रीर नमक प्रधिन्तियम, 1944 (1944 का 1) की पहली ग्रनुसूची की मद संव 45 के प्रन्तर्गत आने बाले बेजिज के पुर्जों को, यदि वेजिज के ऐसे पुर्जों का उप-यौग उत्पादन के कारखाने में वेजिजों के विनिर्माण में घटक पुर्जों के रूप में किया जाता है, उन पर उद्ग्रणीय समस्न उत्पाद-शुल्क से छूट वेती है।

#### No. 99/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 158(E).—In exercise of the powers conferred by subrule(1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue, No. 310/77-Central Excises, dated the 1st November, 1977, the Central Government hereby exempts parts of weigh-bridges, falling under Item No. 45 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the duty of excise leviable thereon, if such parts of weigh-bridges are used in the factory of production as component parts in the manufacture of weigh-bridges.

# मं० । १०/५० केल्ब्रेय स्थान जनग

सारकार्शन 159(अ). - नेप्ट्रिय सम्बाग नेस्त्य का का व्याप्ट मिल्स 1911 के नियम 8 के का नियम (1) ब्राप्ट प्रवस प्रक्रियों का प्रथम करने हुए, केर्न्य य उत्पाद-गल्क चीर नमक अधिनियम, 1914 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की सद संग 55 के प्रस्तांन आने वाले निवित् एलास्कों और अन्य निवित् पर्वों तथा उनके पूर्वी की उन पर उद्यन्हणीय समस्त उत्पाद-गल्क में छुट देनों है।

#### No. 100/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R.159(F).— In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts vacuum flasks and other vacuum vessels and parts thereof, falling under item No. 55 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the duty of excise levialbe thereon.

## मं० 101/82-केन्द्रीय पत्याद-ग्रहा

सा०का०नि० 160( $\mathbf{x}$ ). —केन्द्रिय सरकार केन्द्रिय उत्पाद-शिल्क नियम 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए भारत सरकार के वित्त मंजालय (राज्य और ही मा विभाग) की श्रिश्चनूचना सं० 110/71-- केन्द्रिय उत्पाद-शुल्क, 110/71-- केन्द्रिय उत्पाद-शुल्क, 110/71-- केन्द्रिय उत्पाद-शुल्क, 10/71-केन्द्रिय उत्पाद-शुलक, 10/71-केन्द्रिय प्राप्त-शुलक, 10/71-केन्द

तंत्व तक्ष्मी कुमारन, ग्रवर सचिव

#### No. 101/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 160(E).—In exercise of the powers conferred by subrule(1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby rescinds the notifications of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance), Nos. 110/71-Central Excises, 112/71-Central Excises, and 113/71-Central Excises, dated the 29th May, 1971.

## V. LAKSHMI KUMARAN, Under Secy.

#### म० 102/82-केन्द्रीय उत्पाद-शत्क

सा० का० नि० 161(ग्र).—केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय उत्पाद-शुक्त नियम 1944 के नियम 8 के उपियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुक्त ग्रौर नमक ग्रिवित्यम, 1944 (1944 का 1) की पहली ग्रनुसूची की मद सं० 59 के ग्रन्तर्गत ग्राने वाली रिकार्ड की गई वस्तुओं की, उनपर उद्ग्रहगीय समस्त उत्पाद-शुक्क मे छुट देती है

परन्तु यह तब जब कि ऐसी वस्तुएं--

- (1) उक्त मद के ग्रन्तर्गत ग्राने वाली वस्तु में बनाई जाती हैं, ग्रीर
- (2) विकय या विकय के संवर्धन के लिए ग्रागियन नहीं है। ग्राग्० के० नक्षवर्ती, उस सचिव

#### No. 102/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 161(E):—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts recorded articles, falling under Item No. 59 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the duty of excise leviable thereon:

Provided that such articles

- (i) are made from any article, falling under the said Item, and
- (ii) are not intended for sale or the promotion of sale.

R. K. CHAKRABARTI, Deputy Secy

## Action to the second

#### NO. 103/824 + NTRAL FXCISES

G.S.R. 162(E):—In exercise of the most conferred by sub-rule (I) of the 8 of the Central close states, 1944, the Central Government her stylements believes in the whole of the duty of excise levisible under the III of the 5 the Central Excises and Salt Act, 1944 (I of 1944).

#### में राष्ट्र 87 नेव स हर, याणाल

साठ काठ निठ 163(अ) — फेरला परकार, परवंग अधार मुखा नियम, 1944 के निप्रय ६ के उप निकार परिवार परिवर का प्रयोग करने हुए, और असन करकार के बिरा में असे नाइक कोर कीम विकास) को अधियुक्ता में 65/25-के नीय उत्पाद मुख्य की नाम साई, 1975 की अधियान असी हुए, पेडिल उत्पाद प्राप्त कीन नम्भ सिन्नियम, 1944 (1941 का 1) की पहारी प्रकृति में पड़ियोग 68 के असनीत आने ताले और उनमें अगायक अक्तुंकी में पड़ियों के पर उद्धारणीय समान उपाय-मुख्य के के साम है।

#### साउजी

- 1 सभी प्रकार के दान्न स्त्याद और काह ाही कि विश्वति ग्रस्तर्थते निम्हलिखन है :----
  - (1) मारा और सांग उत्पात
  - (2) हैरी उत्पाद :
  - (3) फल और महबी उत्पाद
  - (।) मछनी और समुद्री खाउ.
  - (5) बेकरी उताद: धौर
  - (६) अनाज मिल उत्पाद:
  - श्रारेखण और गणिलीय उपकरण.
  - अभ्याग पृस्तिकतः।
  - 4 लेखन कोट और संदर कीएते ।
  - 5 पैसिल और रवड़ (हरे नर)
  - 6. पैन जिसके ग्रत्वर्शत वाल-पाइन्ड पन हार उनके निर्फा है।
  - 7. चण्मे ग्रीर चण्मे के प्रेक
  - खेल सामान
  - ५ हस्त्रिज्य ।
  - 10 पश्-खाद्य जिनके ग्रवंबन सामित्र पणुष्य लाह्य हा ।
  - 11 कस्पास्ट खाद ।
  - 😥 हम्त-प्पा
  - 13. कृषि जिस्क
  - 1) कृषि की गाँव भीव गाँव मही कि क्यांक जा कि कि कि निवास नहीं है ----
    - (1) अक्तिसर्वत्या कृषि ४८८० ४७ ० ० ० हुए। १८८
    - (2) ऐसे आंगर को दूसरे भाग तीन शिवर के सक्तकों के स्प में उपयोग किए कार दे कि विश्वास दिस सा है और उसके पड़

15 वासित चुना (त्राह्म) ।

- 16. करणा (कैंटब्यू) ।
- 17 विष्ति (धिम्नी )।
- 18 पिसे मसाले (स्पाइसेन) ग्रीर मिश्र मसाले।
- 19 संबलित ग्रन्थि श्रीर अस्य उत्पाद ।
- 20. कीटनाणी, पीटकनाणी, खर-पतवारनाणी, कवकनाणी
- सभी छोषती, श्रीपता भैवितिक और भ्रीपद्य मध्यक जो अत्यवा विनिदिग्त को है।
- 22 गर्भेनिरोधक।
- 23. ग्वार विपाट (ग्वार स्थित्ह)।
- 21. मुद्रण उद्योग के सभी उत्पाद जिनके श्रन्तगंत समाचारपद्र श्रीर मुद्रित नियनकालिक पित्रकाएं है।
- टै-५सटाइल मं उच्चोग में उपयोग के लिए उत्कीर्ण लाभ बेलन और मिलेण्डर।
- 26. सिलाई मशीने श्रीर उनके पूर्जे।
- 27. साधिकतें शौर उनके पुर्जे ।
- 28. इनेमल भाण्ड ।
- 29 10 लीटर में अनधिक क्षमता वाले जल फिल्टर ।
- 30 मामयनिया ।
- 31 दन ग्रंग
- 32. विकलांगों के लिए कुलिम श्रंग और पुनर्वास सहाय यस्त ।
- 33. सागरगामी जल्यान ।
- 34 लाख।

परन्तु इस प्रमुख्ती में विनिर्दिष्ट खाध उत्पादो भीर खाद्य निर्मितियों के अतर्गत त्वथित मिष्टान्त, टाफियां, कैरामैल, कैरडी, दृह फल (जिसके अन्तर्गत बादास है) भीर सिटास कारकों से लेपित फल गिरियां।

## No. 104/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 163 (E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance), No. 55/75-Central Excises, dated the 1st March, 1975, the Central Government hereby exempts goods of the description specified in the Schedule annexed hereto, and falling under Item No. 68 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the duty of excise leviable thereon.

#### **SCHEDULE**

- 1. All kinds of food products and food preparations including—
  - (i) meat and meat products;
  - (ii) dairy products;
  - (iii) fruit and vegetable products;
  - (iv) fish and sea foods;
  - (v) bakery products; and
  - (vi) grain mill products.
- 2. Drawing and mathematical instruments.
- 3. Exercise books.
- 4. Writing slates and slate pencils.
- 5. Pencils and etasers.
- 6. Pens including ball point pens and refills therefor.
- 7. Speciacles and speciacle frames.
- 8. Sports goods.
- 9. Handicrafts.

- 10. Animal feed including compound livestock feed.
- 11. Compost manure.
- 12. Hand pumps.
- 13. Agricultural discs.
- 14. Agricultural implements and parts thereof but excluding-
  - (i) power operated agricultural implements and parts thereof, and
  - (ii) implements designed for use as attachments with tractors or power tillers and parts thereof.
- 15. Scented Chunnam (lime).
- 16. Katha (Catechu).
- 17. Vibuthi (Thiruneeru).
- 18. Ground spices (masalas) and mixed spices (masalas).
- 19. Crushed bones and bone products.
- 20. Insecticides, pesticides, weedicides and fungicides.
- All drugs, medicines, pharmocuticals and drugintermediates not elsewhere specified.
- 22. Contraceptives.
- 23. Guar splits.
- All products of the printing industry including newspapers and printed periodicals.
- Engraved copper rollers or cylinders for use in textile industry.
- 26. Sewing machines and parts thereof.
- 27. Cycles and parts thereof.
- 28. Enamelware.
- 29. Water filters of a capacity not exceeding 40 litres.
- 30. Candles.
- 31. Tooth-brushes.
- 32. Artificial limbs and rehabilitation aids for the handicapped.
- 33. Ocean-going vessels.
- 34. Lac.

Provided that food products and food preparations specified in this Schedule shall not include boiled sweets, toffees, caramels, candies, nuts (including almonds) and fruit kernels coated with sweetening agent.

# सं० 105/82-केन्द्रीय उत्पाद-गुरुक

सा० का० ति० 164(म): ---केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शृक्त नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंद्रालय यथास्थिति, (राजस्व श्रीर बीमा विभाग) या (राजस्व विभाग) की प्रत्येक श्रीधसूचनाएं, जिन्हें इससे उपावस सारणी के स्तम्य (2) ये विनिर्विष्ट किया गया है, उक्त सारणी के स्तम्य (3) में की तस्त्यानी प्रविष्टियों में विनिर्विष्ट रीति से, यथास्थित, संशोधित या और संशोधित की जाएंगी।

#### सारणी

अ॰ अधिमूचना सं० ग्रौर तारी <b>ख</b>	 संशोधन	
गं०		
	— - · <u></u> - ·	
(1) (2)	(3)	

- 1. 171/67 केन्द्रीय उत्पाद- उक्त प्रधिमूचना में "15.00" प्रंकों के मृत्क तारीख 21 स्थान पर "30.00" प्रंक रखें जुलाई, 1967 जाएंगे।
- 2. 118/75-केन्द्रीय उताव-णुस्क, उक्त अधिमूचना के प्रथम परस्तुक के तारीख 30 अप्रैल, 1975 स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा आएगा, अर्थात :---

पिरन्तु जहां ऐसा उपयोग किसी विनि-माता के ऐसे कारखाने से, जहा मान का विनिर्माण किया गया है, भिन्न कारखाने में किया जाता इस ग्रधिमुचना में ग्रन्तविष्ट छूट केन्द्रीय उत्पाद-णहरू नियम, 1944

श्रनुक्षेय होगी।

नारीख 24 **जूम, 197**9

3 201/79 केन्द्रिय जलाद-शुस्क, उक्त प्रधिमूचन। क प्रारम्भिक भाग में भीर जिसके विनिर्माण में, केन्द्रीय उत्पाद-शल्क ग्रीर नमक ग्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम श्रनसूची की मद संव 68 के श्रन्तर्गत श्राने बाले किसी माल का (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'आगन' कहा गया है) उपयोग किया गया है, 'शब्दों, मंकों भीर कोष्ठको के स्थान पर ग्रीर जिसके विनिर्माण में, केन्द्रे व उत्पाद-श्रृत्क स्रौर नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली श्रनुसूची की मद सं० 68 के अन्तर्गत प्राने वाले किसी माल का **अपयोग** कच्ची सामग्रियों या घटक पुत्री के कप में (जिसे इसमें इसके पश्चात् क्रागत कहा गया है। किया गया है शब्द, श्रंक भीर कोप्ठक रखें जाएंगे ।

के ब्राप्य(या 10) में उपवर्णित प्रक्रिया के अनुपालन के श्रधीन रहते हुए

की० लक्ष्मी कुमारन, ग्रवर सविच

## No. 105/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 164 (E):-In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944. the Central Government hereby directs that each of the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) or (Department of Revenue), as the case may be, specified in column (2) of the Table hereto annexed shall be amended or further amended, as the case may be, in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

# **TABLE**

	Notification No.	Amendment	 -
No.	and date		
(1)	(2)	(3)	 

- 1. 171/67—Central Excises, In the said notification, for dated the 24th July, 1967.
  - the figures "15.00", the figures "30.00" shall be substituted.
- dated the 30th April, 1975.
- 2. 118/75—Central Excises, In the said notification, for the first proviso, the following proviso shall be substituted, namely:---
  - "Provided that where such use is in a factory of a manufacturer, different from his

factory where the goods have the been manufactured, exemption contained in this notification shall be allowable subject to the observance of the procedure set out in Chapter X of the Central

Excise Rules, 1944:".

3. 201/79—Central Excises, dated the 4th June, 1979. In the said notification, in the opening portion, for the words, figures and brackets 'and in the manufacture of which any goods falling under Item No. 68 of the First Schodule to the Central Excises and Self Act, 1944 (1 of 1944) (hereinafter referred as "the inputs") have been used,', the words, figures and brackets 'and in the manufacture of which any goods falling under Item No. 68 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) have been used as raw materials or component parts (hereinafter referred as "the inputs"),\* shall be substituted.

V. LAKSHMI KUMARAN, Under Secy.

## स० 106/82-केन्द्रीय उत्पाद-सूल्क

सा० का० नि० 165(धा) :--केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय जल्याव-मानक निथम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवत्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के विश्व मंत्राक्षय (राजस्य विभाग) की अधिमूचना सं० 80/80-केन्द्रीय अस्पाद-शुल्का, नारीख 19 जुन, 1980 में निम्निखित घीर मंशोधन करती है, अर्थान :--

उक्त अधिमूचना से उपाबद्ध सारणी मं, क्रम स० 4 ग्रीर 10 श्रीर उससे सम्बद्ध प्रविष्टियों का लोग किया जाएगा।

#### No. 106/82 - CENTRAL EXCISE

G.S.R. 165(E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 80/80-Central Excises dated the 19th June, 1980, namery.-

In the Table annexed to the said notification, S. Nos. 1 and 10 and the entries relating thereto shall be omitted.

## सं० 107/83-केन्द्रीय 'उन्पाद-मृत्क

सा० का० नि० 166(भ्र) :--केर्न्डाय सरकार, केन्द्रीय अत्याद-गुरूक नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा पदल पत्कियों का प्रयोग करने हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रावर (रूकस्त्र श्रिमाग) की

ग्रिधिसुचना सं० 50/80-केन्द्रीय उत्पाद-गुरुक, नगरीख 19 जुन, 1980 में निम्निलिखिय ग्रीय मेंगांधन करत. है ग्रिथीस :---

उक्त श्रिमुबना भे उपाबद्ध सारणो में. -

- (i) क्रम मंत्र 18 क सामने स्तम्म (3) में की प्रविष्टि के स्थान एर "कृष्टि या सार्प्याट रेजिन शौर प्लास्टिक सामग्री तथा अन्य जिल्लिन सामग्री "प्रजिटि पर्व जाएगी,
- (में) क्या कर १ के नामने, स्वस्म (3) में के प्रविद्धि के स्थान पर "दाराठ ग्रंथ काष्ट वस्तुए।" प्रविद्धि खा जाननी,
- (iii) क्रम सं० ८: के समते, स्वन्म (३) में की प्रविध्यि के स्थान पर "समी प्रकार का कामक था कामन बोई ग्रीर उसकी विनिदिष्ट वस्तुर्गा प्रविद्यास्त्री जाएगो: ग्रीर
- ताए) अस स० ३६ व गामने स्तम्ब (3) में को प्रविध्यि के स्थान तत "क्ष्यस्टीम फाइयर श्रीर स्ता, श्रीर उपने विनिर्धाण ।" ावाध्य स्वा अध्या ।
- ः यह ऋधिसूचना । ऋषैल, १९८३ का प्रवृत्त हारी ।

#### No. 197/32—CENTRAL EXCISES

G.S.R. 166(E).—In exercise of the powers confered by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 80/80-Central Excises, dated the 19th June, 1980, namely:—

In the Table annexed to the said notification,-

- (1) against S.No. 18, in column (3), for the entry, the entry "Artificial or synthetic resins and plastic materials and other specified materials." shall be substituted;
- (ii) against S.No. 23, in column (3), for the entry, the entry "Wood and articles of wood." shall be substituted;
- (iii) against S.No. 24, in column (3), for the entry, the entry "Paper and paper board, all sorts and specified articles thereof." shall be substituted; and
- (iv) against S.No. 26, in column (3), for the entry, the entry "Asbestos fibre and yarn, and manufactures therefrom," shall be susbstituted.
- 2. This notification shall come into force on the 1st day of April, 1982.

## स० 10४/४::-केन्द्रीय उत्पाद-श्ल्वा

सा० का० नि० 167(ग्र) :- केन्द्रीय संस्कार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1941 के नियम 12 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत संस्कार है विल लंबानाय (राजस्व विनाय) की प्रधिपूचना संक 197/62-केन्द्रीय उत्पाद-शृतक, तारीख 17 नवस्वर, 1962 में निस्नालिखन ग्रीर संशोधन करने है, त्रथीत् :--

उक्त व्हियसूचना से प्रायक्ष सार्रिंग के स्तम्म (2) में, क्रम स० 1 के गामने,--

- (i) "प्रिष्कुत डेजल तेल झोर बाष्यन तेत" प्रविष्टि के स्थान पर "प्रिष्कुत डेजल तेल ।" प्रविष्टि रखें जाएगी:
- (ii) "कृष्टिम या संशीलप्ट रिजित और प्लास्टिक सामग्री तथा सेल्लोस ए॰एए ग्रीप डीवर, ग्रीम उतकी वस्तुएं" प्रविष्टि के स्थान पर १२ पिन ग्रीप सीवनप्ट रेजिन ग्रीम प्लास्टिश सम्मद्रा तथा ग्रन्य स्थाप ग्रीप केल्ब्रेय उत्पाद-शुरू ग्रीप नमक ग्रीधिनियम, 1944 (1911 पा) 1) की पहली ग्रामुक्ति की मद संव 15क के प्रस्तर्गत ग्राम बाली वस्तुएं।" प्रविष्टि एकी जाएगी;

- (iii) "सेलाफेन प्रथात् पुनरुत्पादिन मेलुलोस की कोई फिल्म या पत्तर" प्रविष्टि का लोप किया जाएगा ;
- (iv) ''सभी प्रकार के कागज'' प्रविष्टि के स्थान पर केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम. 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं 17 के अन्तर्गत आने वाले कागज और कागज बोर्ड नथा उनकी वस्तुएं।'' प्रविष्टि रखी आएंगी ;
- (v) ''यांतिक लाइटर ।'' प्रविष्टि के स्थान पर लाइटर, जो ''अन्यत्र तिर्निदिष्ट नहीं है ।'' प्रविष्टि रखी जाण्गी ;
- (vi) "कच्चे पेट्रोलियम या शेल के परिस्करण से व्युत्पन्न सभी उत्पाद (चाहे गैसीय, तरल ग्रर्ध-ठोस या टोस रूप में हों), जो अन्यथा वितिदिष्ट नही है, जिनके अन्तर्गत परिस्करणणी गैस, स्नेहन तेल और ग्रीस, वैक्स और कोक है" प्रविष्टि के स्थान पर "कच्चे पेट्रोलियम या शेल के परिस्करण से व्युत्पन्न सभी उत्पाद (चाहे तरल, ग्रर्थ-तरल या टोस रूप में हों) जो अन्यथा विनिर्दिष्ट नही है, जिनके अन्तर्गत स्नेहन तेल और ग्रीस और वैक्स हैं।" प्रविष्टि रखी जाएगी ;
- (vii) "प्लाइ वृड, ब्लाक वोर्ड ....." शब्दों से प्रारम्भ होने वाली और "और अन्य कार्बन बन्धन तत्व ।" से समाप्त होने वाली प्रविष्टि के स्थान पर "मद सं० 16ख के अन्तर्गत आने वाले काष्ठ और काष्ट वस्तुएं।" प्रविष्टि रखी जाएगी ;
- (viii) ग्रन्त में निम्नलिखित प्रविष्टियां ग्रन्तःस्थापित की जाएंगी। ग्रथीत् :---

## "पैट्रांलियम गैस ।

टैलिवीजन प्रतिबिम्ब श्रीर ध्येन ग्राभलेखिन श्रीर प्रतिउत्पादिन (जिनके श्रन्तर्गत वीडियो केसेट श्रिभलेखिन श्रीर प्रतिउत्पादिन तथा वीडियो कैसेट डेक है) चाहे वे निम्नलिखित में से किसी एक या ग्रधिक से संयुक्त हो या नहीं :--

- (i) टेलीवीजन सेट
- (ii) रेडियो (जिनके अन्तर्गत ट्रांजिस्टर सेट है)
- (iii) टेलीबीजन कैमरे (जिनके अन्तर्गत रेडिथो कमरे है) । टेली-बीजन कैमरे (जिनके अन्तर्गत वीडियो कैमरे है) । कौशल या संभावना के खेल के लिए इलैक्ट्रोनिक मशीन (जिनके अन्तर्गत टेलीबीजन खेल और बीडियो खेल के लिए युक्त इलैक्ट्रौनिक मशीनें है) ।

इस प्रकार की वस्तुएं, जो ध्विन या ध्विन और प्रति-बिम्ब ग्रिभिलेखन के लिए प्रयुक्त होनी हैं, चाई वे ग्रिभिलिखिन हों या नहीं, और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक ग्रिधिनयम, 1944 (1944 का 1) की पहली ग्रनुसूची की मद मं० 59 के ग्रन्तर्गत ग्राती है।"

# No. 108/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 167(E).—In exercise of the powers conferred by rule 12 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following futher amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 197/62-Central Excises, dated the 17th November, 1962, namely:—

In the Table annexe to the said notification, in column (2), against serial No. 1,—

(i) for the entry "Refined Diesel Oil and Vaporsing Oil", the entry "Refined Diesel Oils." shall be substituted

- (ii) for the entry "Artificial or synthetic resins and plastic materials and cellulose esters and ethers, and articles thereof", the entry "Artificial or synthetic resins and plastic materials, and other materials, and articles falling under Item No. 15A of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944(1 of 1944)." shall be substituted;
- (iii) the entry "Cellophane, that is, any film or sheet of regenerated cellulose" shall be omitted;
- (iv) for the entry "Paper all sorts", the entry "Paper and paper boards and articles thereof, falling under Item No. 17 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944)" shall be substituted;
- (v) for the entry "Mechanical Lighters." the entry "Lighter Not Elsewhere specified", shall be substituted;
- (vi) for the entry "All products derived from refining of crude petroleum or shale (whether gaseous, liquid, semi-solid, or solid in form), not otherwise specified, including refinery gases, lubricating oils and greases, waxes and coke the entry "All products derived from refining of crude petroleum or shale (whether liquid, semi liquid or solid in form), not otherwise specified, including lubricating oils and greases and waxes." shall be substituted:
- (vii) for the entry beginning with the words "Plywood, Black board,...." and ending with the words "boards or the like.", the entry "Wood and articls of wood, falling under Item No. 16B." shall be substituted.
- (viii) the following entries shall be inserted at the end, namely: "Petroleum gases.

Television image and sound recorders and reproducers (including Video cassette recorders and reproducers and Video cassette decks) whether or not in combination with one or more of the following:—

- (i) television sets
- (ii) radios (including transistor sets)
- (iii) television cameras (including video cameras).

Television cameras (including video cameras). Electronic machines for games of skill or chance (including electronic machines used for television games and video games). Articles of a kind used for sound or sound and image recording, whether recorded or not, falling under Item No. 59 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944).".

## सं ० 109/82-केम्ब्रीय उत्पाद-गृहक

सारकार्शन 168(म्).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 56क के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के बिल मंत्रालय (राजस्व विभाग) की प्रधिसुचना संव 223/62-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, नारीच 29 दिसम्बर, 1962 में निम्नलिखित ग्रीर संशोधन करती है, प्रथान् :—

- क्त प्रधिमूचना में,---
- (i) मद 6, 7 ग्रीर 8 के स्थान पर निम्नलिखिन मदे रखी जाएंगी. ग्रथातु:—
  - "6. केन्द्रीय उत्पाद-मुल्क भौर नमक श्रिधिनयम, 1944 (1944 का 1) की पहली श्रनुसूची की सब सं० 15 क र्गम आने बाले मान्न जो पुनरुम्पदिन सेन्क्नोस फिल्मी

- 7 केर्न्झाय उत्पाद-ण्यक श्रीर नमक प्रक्षितियम, 1944 (1914 का 1) की पहली अनुपूत्री की मद मं० 16 ख के प्रस्तर्गत श्राने बाले माल ।
- केन्द्रीय उत्पाद-मुल्क और नमक प्रधितियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुमूची की मच गं० 17 के अन्तर्गत प्राने बाले कागज और कागज बोर्ड तथा उनकी यस्तुए ।";
   प्रौर
- (ii) मद 56 के पण्नात् निम्निलिखित मद ग्रन्त स्थापिय की जाएंगी, ग्रंथित् —-
  - "57. भार के प्रवधारण के लिए मर्गानरी और साधिव जिनके ग्रन्तर्गत वे क्रिजों के पुत्रें हैं।
  - 58. केन्द्रीय उत्पाद-णून्क श्रीर तमक श्रिश्तियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद गं० 59 के श्रन्तगंत आने वाली इस प्रकार की वस्तुण, जो ध्वति या ध्वति श्रीर प्रतिविम्ब श्रीक्षणेखन के लिए उपयोग में लाई जाती है चाहे वे श्रीक्षणेखित हों या नहीं।''।

ग्रार० के० चक्र∗री, उप सचिव

## No. 109/82 CENTRAL EXCISES

G.S.R. 168(E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 56A of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 223/62-C Central Excises, dated the 29th December, 1962, namely:—

- In the said notification,-
- (i) for Items 6, 7 and 8, the following Items shall be substituted, namely: -
  - "6. Goods falling under Item No. 15A of the First Schedule to the Central Excises and salt Act, 1914 (1 of 944), other than films or sheets of generated collulors.
  - 7. Goods falling under Item No. 16B of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944).
  - 8. Paper and paper boards and articles thereof, falling under Item No. 17 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944)", and
  - (ii) after Item 56, the following Items shall be inserted, namely: —
    - "57. Machinery and appliances for determination of weight including parts of weigh-bridges.
    - 58. Articles of a kind used for sound or sound and image recording, whether recorded or not, falling under Item No. 59 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944).".

R. K. CHAKRABARTI, Dy. Secy.

## स॰ 110/82-क्रे.सीय-उत्पाद शुल्क

सारकारिक 169(म्).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-णुक्क भौर नमक श्रिधिनियस 1944 (1944 का 1) की धारा 37 हारा प्रदम्न शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रेन्च उत्पाद शुक्क नियम, 1944 का श्रीर संशोधन करने के लिए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

 सिक्षण नाम और प्रारम्भ :--(1) इन नियमों का मंश्रिप्त नाम केलीय जन्याद-शन्क / ५वां संशोधन / नियम, 1982 है ।

- (2) ये राजपत्र में प्रपने प्रकाशन की नारीख को प्रवृत होंगे।
- 2. नियम 96म में नियम 96यययय तक का लोप केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के---
- (i) प्रध्याय 5 के उप-शीर्ष "ड-7 विधुन वैटरी पुर्जे--विशेष प्रक्रिया"
   भौर नियम 96 म से 96यययय तक का लोग किया जाएगा;
- (ii) नियम 173क के उप-नियम (2) में "इ-7" प्रक्षार ध्रीर ध्रंक का लोप किया जाएगा।
- 3. व्यावृत्ति--

नियम 2 द्वारा किए गए किसी नियम के लोप का, ऐसे लोप किए गए नियम के ध्रधीन, ऐसे लोप किए जाने के पूर्व, की गई किसी बान या किसी कार्रवाई पर प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

बी० लक्ष्मी कुमारन, भ्रवर सचिव

## No. 110/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 169(E).—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely:—

- 1. Short title and commencement :-
- (1) These rules may be called the Central Excises (5th Amendment) Rules, 1982.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Omission of rules 96Y to 96ZZZZ.—

In the Central Excise Rules, 1944-

- (i) in Chapter V, the sub-heading "E-VII. Electric Battery Parts --Special Procedure" and rules 96Y to 96 ZZZZ shall be omitted;
- (ii) rule 173A, in sub-rule (2), the letter and figures B-"VII" shall be omitted.

#### 3. Savings:-

The omission of any rule made by rule 2 shall not affect any thing done or any action taken, before such omission, under the rule so omitted.

V. LAKSHMI KUMARAN, Under Secy.

#### सं० 111/82-- केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा० का० मि० 170(भ्र). --केन्श्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शृत्क नियम, 1944 के नियम 139 के भ्रमुसरण में. भारत सरकार के विश्व मंद्रालय (राजस्व विभाग) की भ्रधिसूचना सं० 265/67-केन्द्रीय उत्पाद-शृत्क, तारीख 28 नवम्बर, 1967 में निम्नविश्वित संगोधन करती है, भ्रथीत्:--

उक्त ग्रधिमुजना से उपाबन्न मारणी में.--

(i) मद (ख) भीर उससे सम्बद्ध प्रविष्टियों के स्थान पर निम्न-लिखित रखा जाण्या, प्रथात:--

त्या अस्य अस्तुमा अस्तुन्	
(1)	(2)
"(ख) मिर्ही का तेल धीर विमानन टर्बाइन इँधन	7"
(ii) मद (च) और (छ) के स्थान पर निस्न लिखिल म अर्थात्≔-	पें रखी आएंगी,
1	2
"(च) एस्फाल्ट, विटुमैन, तारकोल और पैट्रोसियम क्रोक (निस्तापित पेट्रोसियम कोक से थिस्र)	11

(1)	(2)
(छ) कच्चे पैट्रोलियम या गैल के (काहे वे द्रव , अर्थ-द्रश्र या ठोस रूप में हों) के परिष्करण से प्राप्त सभी	1 1 <b>फ</b>
या ठाल रूप महा) केपारकारण संप्राप्त सभा उत्पाद, जो श्रन्यथा विनिर्दिष्ट नहीं हैं, जिनके श्रन्तर्गत स्नेहन तेल शौर ग्रीस शौर मोम हीं।	
अराग्या राज्य तल आर प्राप्त आर मान हा (ज) पैट्रोलियम गैसे	11 कक्

#### No. 111/82—CENTRAL EXCISES

G.S.R. 170(E).—In pursuance of rule 139 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 265/67-Central Excises, dated the 28th November, 1967, namely:—

In the Table annexed to the said notification.---

(i) for Item (b) and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely: -

1 2
''(b) kerosone and aviation turbine fuel 7."

(ii) for Items (f) and (g), the following items shall be substituted, namely:

"(f) asphalt, bitumen, tar and petroleum 11 coke (other than calcined petroleum coke)

- (g) all products derived from refining of 11A crude petrolcum or shale (whether liquid, semi-solid or solid in form), not otherwise specified, including lubricating oils and greases, and waxes
- (h) petroleum gases 11AA".

## सं० 112/82---केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा० का० ति० 171(म).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम 1944 के नियम 49 के उपनियम (2) भ्रौर नियम 139 के श्रनुसरण में, भारत सरकार के बित्त मंत्राक्षय (राजस्व भ्रौर वीमा विभाग) की भ्रधिसूचना मं० 266/67 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 28 नवस्त्रर, 1967 का निस्निलिखित भ्रौर संशोधन करता है, श्रर्थातु:—

उक्त ग्रधिसूचना के पैरा 1 में , खंड (क) खंड (छ) के स्थान पर, निम्निसिखित खंड रखें जाएंगे, ग्रर्थातु —

- "(क) मोटर स्पिरिट;
- (खा) भिद्री का तेल और विमान टरबाइन ईंधन ;
- (ग) परिष्कृत श्रीजल तेल ;
- (व) डीजल तेल, जो धन्यथा विनिर्दिष्ट नही है;
- (इट) भट्टी का तेल ;
- (च) ऐस्फाल्ट, बिट्सेन, सारंकोल और पैद्रोलियम कोक (निस्तापित पैद्रोलियम कोक से शिक्ष);
- (छ) क्रवचे पैट्रोलियम या गैल (चाहे वे द्वब, अर्द्धिटोस या ठांस रूप में हो), के परिष्करण से प्राप्त समस्त उत्पाद जो श्रन्यथा विनिर्विष्ट नहीं हैं और जिनके श्रन्तर्गत स्नेहक तेल और ग्रीस ग्रीर मोम भी है; श्रीर.
- (ज) पैट्रोलियम गैस।"

अिसेन्द्र बता. धवर मचित्र

#### No. 112/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 171(E).—In pursuance of sub-rule (2) of rule 49 and ule 139 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 266/67-Central Excises, dated the 28th November, 1967, namely:—

In the said notification, in paragraph 1, for clauses (a) to [g), the following clauses shall be substituted, namely:—

- "(a) motor spirit;
- (b) kerosene and aviation turbine fuel;
- (c) refined diesel oils;
- (d) diesel oil, not otherwise specified;
- (e) furnace oil;
- (f) asphalt, bitumen, tar and petroleum coke (other than calcined petroleum coke);
- (g) all products derived from refining of crude petroleum or shale (whether liquid, semi-solid or solid in form), not otherwise specified, including lubricating oils and greases and waxes; and
- (h) petroleum gases."

J. K. BATRA, Under Secy.

### सं० 113/82-केन्द्रीय उत्पाद -शुल्क

सा० का० नि० 172(म). — केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क नियम, 1944 के नियम 173क के उपनियम (1) द्वारा प्रवत शक्तियों का प्रयोग करते हुए ग्रौर भारत सरकार के बित्त मंत्रालय के, यथास्थिति, राजस्व विभाग या राजस्व भ्रौर बीमा विभाग भ्रथवा राजस्व श्रौर बैंकिंग विभाग की मधिसूचनासं 171/69 केन्द्रीय उत्पाद णुल्क सारीख 21 जून, 1969 121/70 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क , तारीख 28 मई, 1970, 179/71 केम्ब्रीय उत्पाद-शल्क , नारीख 23 सिनम्बर, 1971, 195/71 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 12 नवस्त्रर 1971, 117/72 केन्द्रीय उत्पाद-श्रुक, तारीख 25 मार्च, 1972, 161/73 केन्द्रीय उत्पाद-शृत्क, नारीख 16 ध्रगस्त 1973, 33/76 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क , नारीख 28 फरवरी, 1976, 188/77 केन्द्रीय अत्पाद-मृत्का, तारीखा 18 जून, 1977, 69/78 केन्द्रीय उत्पाद-गुरूक, तारीखा 1 मार्च, 1978, 97/79 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1979, 76/80 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 19 जून, 1980 भीर 55/81 केन्द्रीय उत्पाद-शुरूक, तारीख 1 मार्च, 1981 के ब्रनुकम में निम्नलिखित उत्पाद-शुल्क माल को ऐसे उत्पाद-शुल्क माल के रूप में भीर विनिर्दिष्ट करती है जिसको उक्त नियमों के प्रध्याय 7 क के उपबन्ध लागू होगे, श्रर्थातृ.--

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क भीर नमक श्रिभिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली भ्रनुसूची की मद सं० 11कक, 37 खदा, 37 गग, 47 भीर 59 में समाविष्ट माल।

आर० के० चक्रवर्ती, उप सचिव

## No. 113/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 172-E.—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 173A of the Central Excise Rules, 1944, and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue or Department of Revenue and Insurance or Department of Revenue and Banking, as the case may be, Nos. 171/69-Central Excises, dated the 21st June 1969, 121/70-Central Excises, dated the 28th May, 1970, 179/71-Central Excises, dated the 23rd September, 1971, 195/71-Central Excises, dated the 12th November, 1971, 117/72-Central Excises, dated the 25th March, 1972, 161/73-

Central Excises, dated the 16th August, 1973, 33/76-Central Excises, dated the 28th February, 1976, 188/77-Central Excises, dated the 18th June, 1977, 69/78-Central Excises, dated the 1st March, 1978, 97/79-Central Excises, dated the 1st March, 1979, 76/80-Central Excises, dated the 19th June, 1980 and 55/81 Central Excises, dated the 1st March, 1981, the Central Government hereby further specifies the following excisable goods to which the provisions of Chapter VII-A of the said rules shall apply, namely:—

The goods comprised in Item Nos. 11AA, 37BB, 37CC, 47 and 59 of the First Schedule to the Contral Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944).

R. K. CHAKRABARTI, Dy Secy.

## मं० 114/82 केन्द्रीय उत्पाद-मृत्क

सां० का० नि० 173(म्र).— कंन्द्रीय मरकार, कंन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 173 के के उप नियम (1) के परस्तुक द्वारा प्रदेश शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के विश्व मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना मं० 11/78 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, नारीख 25 जनवरी, 1978 का निम्निष्वित और संगोधन करती है, प्रयोत—

जनत अधिसूचना से उपायक मारणी में अम सं० 36 और उसमें मंबंधित प्रविष्टियों के पश्चास्, निम्नलिखित ग्रन्त स्थापित किया जाएगा, ग्रथीन्:---

(1)	 (2)
"37	11 कक"

जितेन्द्र बहा, ध्रवर मचिव

#### No. 114/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 173(E).—In exercise of the powers conferred by th proviso to sub-rule (1) of rule 173A of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 11/78-Central Excises, dated the 25th January, 1978, namely:—

In the Table annexed to the said notification, after Serial No. 36 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:—

(1)	 	(2)
	 	<del>_</del>
"37.	11AA.''	

J. K. BATRA, Under Secy.

# सं० 115/82-केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क

सा० का० ति० 174(म्). --केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-णुल्क नियम, 1944के नियम 174क द्वारा प्रदम णिक्त्यों का प्रयोग करने हुए, यह समाधान, हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवस्थक और समीचीन हैं भारत सरकार के वित्त मत्वालय (राजस्व विकाग) की धक्षिसूचना सं० 2/81-केन्द्रीय उत्पाद-णुल्क, नारीख 17 जनवरी, 1981, में निम्नलिखिन और संशोधन करनी है, अर्थान्:---

उक्त ग्रधिमूचना में, तीसरे परस्तुक के पण्यात् निस्निशिक्रिय परन्तुक भन्तःस्थापित किया जाएगा, श्रर्थास् — "परन्तु यह भी कि इस प्रधिस्ताना में घन्सवित्य छूट, बेस्ट्रीय उत्पाद-एत्क और नमक प्रधिनियम, 1954 (1941 का 1) की पहली प्रमुखी की मद मंद 14 व के भन्तर्गत माने वाले रंगने की किसी प्रक्षिया में प्रयोग में लाए जाने वाले संग्लिट कार्बनिक रंजकों (जिसमें पिनमेंट रंजक भी है) और संग्लिट कार्बनिक व्युत्पादों को लाग् नहीं होगी ।"

कार०के० अञ्चलीं, उप मचिव

#### No. 115/82-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 174(E).—In exercise of the powers conferred by rule 174A of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government, being satisfied that it is necessary and expedient in the

public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 2/81-Central Excises, dated the 17th January, 1981, namely:—

In the said notification, after the third proviso, the following proviso shall be inserted, namely:—

"Provided also that the exemption contained in this notification shall not apply to synthetic organic dyestuffs (including pigment dyestuffs) and synthetic organic derivatives used in any dyeing process, falling under Item No. 14D of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944)."

R. K. CHAKRABARTI, Dy. Secy.